राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

क्रांति समय

कार्यालय ऑफिस

क्रांति समय दैनिक समाचार में
प्रेसनोट, नोटिस, वेपार संबंधित संपर्क करें
पता:- एस.टी.पी.आई-सुरत-395023
संपर्क नं.-7490923915
ईमेल:-info.krantisamay@gmail.com

सुरत गुजरात से प्रकाशित, मुंबई, उत्तरप्रदेश, बिहार, राजस्थान, मध्यप्रदेश, उत्तरांचल, उत्तराखंड, दिल्ली, हरियाणा में प्रकाशित

सुरत-गुजरात, संस्करण सोमवार 17 मार्च 2025 वर्ष-8,अंक-26 पृष्ठ-08 मूल्य-01 रूपये

Website : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

पहला कॉलम

वोटर आईडी को आधार से लिंक करने पर विचार

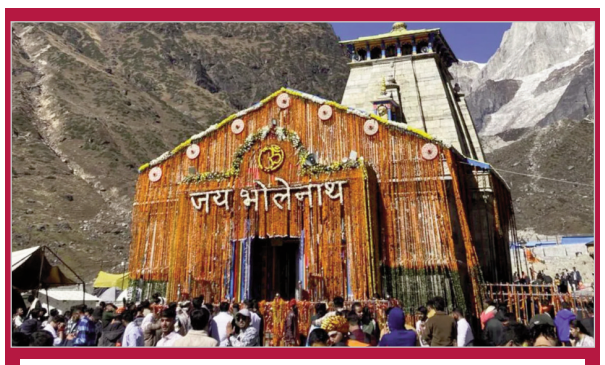

केदारनाथ में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध की तैयारी, बीजेपी विधायक का दावा

देहरादून। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। बीजेपी विधायक आशा नौटियाल ने दावा किया कि कुछ गैर-हिंदू लोग धार्मिक स्थल की पवित्रता को ठेस पहुंचा रहे हैं और मांस, मछली, शराब परोसने जैसी गतिविधियों में लिप्त हैं। विधायक नौटियाल ने कहा कि स्थानीय प्रशासन और प्रदेश सरकार इस मामले पर गंभीरता से विचार कर रही है। प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने अधिकारियों और स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर इस मुद्दे पर चर्चा की। ऐसे लोगों की पहचान कर उनके प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की योजना बनाई जा रही है।

पूर्व सीएम रावत ने किया विरोध

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पूरे देश के लिए धार्मिक और आध्यात्मिक केंद्र है और किसी को भी मंदिर में जाने से रोकना संकीर्ण मानसिकता दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अगर शराब और मांस बेचा जा रहा है, तो सरकार को इसे रोकना चाहिए। प्रतिबंध लगाने का कोई औचित्य नहीं है। इस मुद्दे पर सियासी विवाद बढ़ सकता है, क्योंकि यह धार्मिक स्थल और आस्था से जुड़ा मामला है।

लोकपाल के आदेश पर सुप्रीम कोर्ट में 18 को सुनवाई

- हाईकोर्ट जजों पर शिकायत दर्ज होने का मामला

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट 18 मार्च को लोकपाल के उस आदेश पर सुनवाई करेगा, जिसमें मौजूदा हाईकोर्ट जजों के खिलाफ शिकायतों को स्वीकार करने की बात कही गई थी। इससे पहले, 20 फरवरी को सुप्रीम कोर्ट ने इस आदेश पर रोक लगा दी थी, इसे न्यायपालिका की स्वतंत्रता के लिए गंभीर चिंता का विषय बताया था। यह मामला तीन जजों की बेंच न्यायमूर्ति बी. आर. गवई, सूर्यकांत और अभय एस. ओका के सामने रखा जाएगा। दरअसल, यह मामला एक मौजूदा हाईकोर्ट के अतिरिक्त जज के खिलाफ दो शिकायतों से जुड़ा है। आरोप है कि जज ने एक निजी कंपनी के पक्ष में फैसले को प्रभावित किया, जो पहले उनके वकील रहते उनकी ग्राहक थी। लोकपाल ने 27 जनवरी को आदेश जारी कर यह मामला मुख्य न्यायाधीश को भेज दिया था। सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने तर्क दिया कि हाईकोर्ट जज लोकपाल और लोकायुक्त अधिनियम, 2013 के तहत नहीं आते। अब सुप्रीम कोर्ट तय करेगा कि लोकपाल को हाईकोर्ट जजों के खिलाफ शिकायत सुनने का अधिकार है या नहीं।

निशांत जल्द जेडीयू में शामिल होंगे...

नीतीश के बेटे की राजनीति में एंट्री को लेकर बड़ा दावा

पटना। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के बेटे निशांत की राजनीति में एंट्री की अटकलें तेज हो गई हैं। दरअसल, होली के मौके पर निशांत काफी एक्टिव नजर आए। शनिवार शाम सीएम आवास पर आयोजित होली मिलन समारोह में निशांत अपने पिता के साथ जेडीयू के सीनियर नेताओं और कार्यकर्ताओं से मुलाकात करते दिखे। इस दौरान जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय कुमार झा और सीनियर लीडर मंत्री विजय कुमार चौधरी के साथ निशांत ने लंबी बातचीत की। वहीं, जेडीयू के कार्यकर्ताओं ने पार्टी ऑफिस पर निशांत के स्वागत वाले कई पोस्टर लगाए हैं। जदयू कार्यकर्ताओं का दावा है कि निशांत ने पॉलिटिक्स में एंट्री के लिए अपनी सहमति दे दी है। होली के दिन कार्यकर्ताओं और नेताओं से मुलाकात में उन्होंने हामी भरी है। पार्टी नेताओं का कहना है कि अब नीतीश कुमार को फैसला लेना है। पार्टी नेताओं ने कहा कि यह जनता दल यूनाइटेड है यहां का संस्कार आरजेडी जैसा नहीं है। यहां सब कुछ आधिकारिक तौर पर होता है। एक-दो दिन का इंतजार करिए- निशांत औपचारिक तौर पर जदयू में शामिल होंगे।

जामा मस्जिद की रंगाई-पुताई शुरू

संभल। संभल की जामा मस्जिद में रविवार सुबह 9 बजे से रंगाई-पुताई का काम शुरू हो गया। एएसआई की निगरानी में 10 मजदूर रंगाई-पुताई में लगे हैं। पहले मस्जिद की बाहरी दीवारों की साफ-सफाई हुई, फिर रंगाई शुरू हुई। फिलहाल, भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण टीम के साथ ही मौके पर भारी संख्या में पुलिस फोर्स तैनात हैं। ठेकेदार ने कहा कि मस्जिद की रंगाई-पुताई में करीब 10 दिन लगेंगे। इधर, नाथ संप्रदाय के महंत बालयोगी दीनानाथ ने मस्जिद को भगवा रंग से रंगने की मांग की। उन्होंने इसके लिए सीएम को लेटर भी लिखा है। जबकि मस्जिद कमेटी के वकील ने कहा कि रंगाई-पुताई के लिए पहले की तरह हरा, सफेद और गोल्डन रंग का ही इस्तेमाल होगा। मस्जिद के सदर जफर अली ने भी कहा कि मस्जिद का रंग पहले जैसा ही रहेगा। रंगाई-पुताई में स्वरूप नहीं बदलेगा।

नई दिल्ली।

चुनाव आयोग 18 मार्च को एक बड़ी बैठक करने जा रहा है। इसमें वोटर आईडी कार्ड को आधार कार्ड से जोड़ने पर चर्चा होगी। केंद्रीय गृह सचिव, विधायी विभाग के सचिव और यूआईडीएआई के सीईओ के साथ बैठक करेगा। इस बैठक में वोटर आईडी को आधार कार्ड से जोड़ने के लंबे समय से चले आ रहे मुद्दे पर चर्चा होगी। यह चर्चा ऐसे समय हो रही है जब इस पर राजनीतिक बहस छिड़ी हुई है, खासकर पश्चिम बंगाल में वोटर आईडी की डुप्लीकेट एंट्री को लेकर तृणमूल कांग्रेस की चिंताओं के बाद। चुनाव आयोग ने अगले तीन महीनों में डुप्लीकेट वोटर एंट्री हटाने की योजना की घोषणा की है। फिलहाल चुनाव कानून (संशोधन) विधेयक, 2021 चुनाव अधिकारियों को मतदाताओं के आधार नंबर मांगने की अनुमति देता है। लेकिन यह स्वैच्छिक है और कानूनी और गोपनीयता संबंधी चिंताओं से घिरा है। चुनाव आयोग ने अपने डेटाबेस में स्वेच्छा से बड़ी संख्या में आधार नंबर दर्ज किए हैं। लेकिन गोपनीयता की चिंताओं के कारण दोनों प्रणालियों को पूरी तरह से एकीकृत नहीं कर पाया है।

18 को बैठक में होगा तय

इसके बावजूद, चुनाव आयोग लगातार आधार सीडिंग का समर्थन करता रहा है। चुनाव आयोग इसे मतदाता सूची में दोहराव रोकने का एक तरीका मानता है। 2017 में, आयोग ने सुप्रीम कोर्ट में एक आवेदन भी दायर किया था। इसमें आधार को वोटर आईडी से जोड़ना जारी रखने की मांग की गई थी। साफ और सटीक मतदाता सूची सुनिश्चित करने में इसकी भूमिका पर जोर दिया गया था। आधार सीडिंग चुनाव आयोग की व्यापक सुधार योजनाओं का केंद्र बिंदु है। इनमें एडवांस वोटिंग सिस्टम, घरेलू प्रवासियों के लिए रिमोट वोटिंग और चुनावी प्रक्रिया को मजबूत करने के प्रस्ताव शामिल हैं। लेकिन आधार सीडिंग के पूर्ण कार्यान्वयन के बिना ये पहल रुक गई हैं।

ज्यादा से ज्यादा आईएएस और आईपीएस मुस्लिम बनेंगे तभी समाज का हित होगा: गडकरी

मुंबई। केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने कहा है कि वह सार्वजनिक संवाद में जाति और धर्म को नहीं लाते हैं। उन्होंने कहा कि वह ऐसा इसलिए करते हैं क्योंकि उन्हें विश्वास है कि लोग समाज की सेवा को सबसे ऊपर मानते हैं। गडकरी ने अपनी चुनावी यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि जो करेगा जात की बात, उसको मारूंगा लात। गडकरी ने यह भी कहा कि उन्होंने यह विचार चुनाव हारने या मंत्री पद खोने की परवाह किए बिना जारी रखा। गडकरी ने यह भी याद किया कि जब वह एमएलसी थे तब उन्होंने अंजुमन-ए-इस्लाम संस्थान (नागपुर) इंजीनियरिंग कॉलेज की अनुमति दी। उन्हें महसूस हुआ कि उन्हें इसकी ज्यादा जरूरत थी। उन्होंने कहा, अगर मुस्लिम समुदाय से ज्यादा इंजीनियर, आईपीएस और आईएएस अधिकारी निकलते हैं तो सभी का विकास होगा। हमारे पास पूर्व राष्ट्रपति डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण है। गडकरी ननमुदा संस्थान के दीक्षांत समारोह में बोल रहे थे। यहां उन्होंने कहा, हम कभी भी इन चीजों (जाति/धर्म) पर भेदभाव नहीं करते।

भारत में आईफा अवार्ड्स समारोह को लेकर पीएम मोदी ने कहा-

यह सफर उन लोगों की मेहनत को दर्शाता है जिन्होंने आयोजन को यादगार बनाया

मुंबई।

राजस्थान के जयपुर में पिछले हफ्ते आईफा अवार्ड्स समारोह का समापन हो गया, जिसमें कई देशी विदेशी फिल्मी सितारों ने शिरकत की। आईफा का इस बार यह 25वां संस्करण बहुत अहम रहा, क्योंकि यह इस प्रतिष्ठित अवार्ड शो की सिल्वर जुबली थी। इस आयोजन में न केवल सिनेमा की दुनिया के कलाकारों और तकनीशियनों को सम्मानित किया गया, बल्कि भारतीय फिल्म उद्योग की उपलब्धियों का भी जश्न मनाया गया।

पीएम मोदी ने आईफा अवार्ड्स के इस खास मौके पर एक संदेश जारी किया, जिसे आईफा के आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर शेयर किया है। संदेश में पीएम मोदी ने लिखा, मुझे अंतर्राष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी आईफा पुरस्कारों के 25वें संस्करण के बारे में जानकर खुशी हुई। ढाई दशकों का यह सफर उन सभी लोगों की मेहनत को दर्शाता है जिन्होंने आईफा को यादगार बनाया है।

निर्माता, निर्देशक, कलाकार, संगीतकार, तकनीशियन और सिनेमा से जुड़े हर व्यक्ति ने इस अवार्ड को बेहतरीन बनाया है। उन्होंने कहा कि आईफा जैसे मंच यह तय करते हैं कि इस तरह की सिनेमाई प्रतिभा का जश्न मनाया जाए और उन्हें बढ़ावा दिया जाए।

उन्होंने कहा कि आईफा का यह 25वां संस्करण न केवल एक बड़ी सफलता है, बल्कि यह आने वाले 25 सालों में विकास और उपलब्धि की दिशा में प्रेरणा भी देगा। बता दें इस साल के आईफा अवार्ड्स समारोह में 8 और 9 मार्च को जयपुर में दो बड़े आयोजन किए गए थे। एक समारोह डिजिटल फिल्म अवार्ड्स के लिए था, जबकि दूसरा थिएट्रिकल फिल्म रिलीज के लिए आयोजित किया गया था। इस साल 'लापता लेडीज' ने 10 अलग-अलग कैटेगरी में पुरस्कार जीते हैं, जिससे यह शो और भी खास हो गया।

वर्चस्व को लेकर भिड़े दो गुट, चली 50 राउंड गोलियां और जमकर हुआ पथराव

-मासूम को लगी गोली, अस्पताल में कराया भर्ती, पुलिस ने चार को दबोचा

पटना।

पटना के मसौढ़ी में शनिवार को वर्चस्व को लेकर सुधीर यादव और नगीना यादव के समर्थक आपस में भिड़ गए।

दोनों से ओर जमकर पथराव और फायरिंग की गई। करीब 50 राउंड फायरिंग हुई। इस दौरान 7 साल के बच्चे के को गोली लग गई। जिससे वह घायल हो गया जिसे आनन-फानन में परिजन अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां से डॉक्टरों ने हालत देखकर रेफर कर दिया। गोलीबारी के बाद गांव में तनाव है। घटना रेवा पंचायत के जलाल बीघा गांव की है। मामले की सूचना पर मसौढ़ी थाना प्रभारी और पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी दलबल के सौथ मौके पर पहुंचे। पूरे गांव में सर्च ऑपरेशन चलाया गया। गोलीबारी मामले में प्रमोद कुमार, विकास कुमार, सियाराम और पप्पू को गिरफ्तार किया गया है। गांव में तनाव का माहौल है। पुलिस स्थिति पर नजर रखे हुए है। मसौढ़ी पुलिस अनुमंडल पदाधिकारी ने बताया कि गांव में पुलिस गश्त कर रही है। स्थिति नियंत्रण में लेकिन तनावपूर्ण है। घटनास्थल से कोई बुलेट या खोखा नहीं मिला है। सुधीर यादव और नगीना यादव के बीच पहले से ही वर्चस्व को लेकर विवाद चल रहा है। मामले की छानबीन की जा रही है। फरार आरोपियों की पुलिस तलाश कर रही है वहीं बच्चे की हालत स्थिर बनी है।

मौसम का बदला मिजाज: 12 जिलों में बारिश और वज्रपात का अलर्ट, तेज हवाएं चलने की संभावना

पटना।

बिहार के मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिल रहा है। रविवार को पटना, बक्सर, नालंदा समेत कई जिलों में सुबह से ही घने काले बादल छा गए। बक्सर और मुजफ्फरपुर में हल्की बारिश भी हुई। मौसम विभाग ने 12 जिलों में बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, अगले एक हफ्ते तक तेज हवाएं और धूल भरी आंधी चलने की संभावना है। मौसम विभाग के अनुसार, बिहार के पटना, बक्सर, मुजफ्फरपुर, नालंदा, बेगूसराय, वैशाली, सारण, भोजपुर, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी और सीवान में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। पटना में रविवार और सोमवार को हल्की बारिश के आसार हैं, जिससे मौसम ठंडा रहेगा। अधिकतम तापमान 24 से 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। बारिश के बावजूद तेज हवाओं के कारण वातावरण में हल्की नमी बनी रहेगी।

अगले हफ्ते तक चलेगी धूल भरी आंधी

मौसम वैज्ञानिक कुमार गौरव के अनुसार, हिमालय क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ के कारण बर्फबारी हो रही है, जिसका असर बिहार के मैदानी इलाकों में बारिश के रूप में दिखाई दे रहा है। सोमवार को भी कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और वज्रपात की संभावना है। 18 मार्च के बाद ही तापमान में वृद्धि होगी, दिन में गर्मी बढ़ेगी, लेकिन

सुबह और शाम हल्की ठंड महसूस होगी।

खगड़िया बना सबसे गर्म जिला

बीते 24 घंटों में खगड़िया बिहार का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बिहार के 10 सबसे गर्म जिलों की सूची भी जारी की है। बदलते मौसम के चलते बिहार के लोगों को अगले कुछ दिनों तक सतर्क रहने की जरूरत है।

उपराष्ट्रपति धनखड़ सोमवार से संसद की कार्यवाही में होंगे शामिल: जयराम रमेश

नई दिल्ली।

उपराष्ट्रपति और राज्यसभा के सभापति जगदीप धनखड़ के स्वस्थ होने के बाद सोमवार से राज्यसभा की कार्यवाही में शामिल होने की खबर सामने आई है। दरअसल कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट करते हुए इस संबंध में जानकारी दी है।

कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने उपराष्ट्रपति धनखड़ के साथ वाली एक तस्वीर साझा करते हुए सोशल मीडिया पर कहा, कि आज माननीय उपराष्ट्रपति जी से उनके निवास पर मुलाकात हुई। यह जानकर खुशी हुई कि वे तेजी से स्वस्थ हो रहे हैं और आगामी सोमवार, 17 मार्च से राज्यसभा की कार्यवाही की अध्यक्षता पुनः संभालने के लिए तैयार हैं।

गौरतलब है कि उपराष्ट्रपति धनखड़ को 9 मार्च को सीने में दर्द और बेचैनी की शिकायत के बाद एम्स, दिल्ली में भर्ती कराया गया था। कार्डियोलॉजी विभाग प्रमुख डॉ. राजीव नारंग की देखरेख में उनका इलाज हुआ। स्टेंट प्रत्यारोपण के बाद उनकी हालत स्थिर हुई और 12 मार्च को उन्हें अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। इस बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी एम्स जाकर धनखड़ का हालचाल जाना था।

सोमवार को राज्यसभा में कई अहम चर्चाएं

राज्यसभा में सोमवार को रक्षा, सामाजिक न्याय और विदेश मामलों की संसदीय स्थायी समिति की रिपोर्ट पेश होगी। राष्ट्रीय खाद्य प्रौद्योगिकी, उद्यमिता एवं प्रबंधन संस्थान की परिषद में एक सदस्य का चुनाव होगा। मणिपुर का बजट और रेल मंत्रालय के कामकाज पर चर्चा होनी है।

कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी को जयराम रमेश ने बताया बर्बरता से भी बदतर

असम सीएम बोले-आप सिर्फ इंतजार कीजिए अभी बड़े खुलासे होने बाकी हैं

नई दिल्ली।

असम कांग्रेस यूनिट के प्रवक्ता रीतम सिंह ने एक्स पर एक पोस्ट की थी जिसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। रीतन की गिरफ्तारी के बाद से राज्य में कांग्रेस और बीजेपी आमने-सामने आ गईं। रीतम सिंह ने एक पूर्व राज्य प्रमुख और दो वर्तमान विधायकों समेत तीन वरिष्ठ बीजेपी नेताओं के खिलाफ दर्ज मामलों की स्थिति के बारे में पूछताछ के लिए एक्स पर पोस्ट किया था। इस पोस्ट के बाद उन पर एक्शन लिया गया। कांग्रेस ने इस एक्शन को बर्बरता से भी बदतर बताया है।

बता दें धेमाजी जिले में 2021 में दुष्कर्म के एक मामले में कोर्ट द्वारा तीन व्यक्तियों को दोषी ठहराए जाने के बारे में एक अखबार में छपी रिपोर्ट के साथ एक्स पर रीतम सिंह ने एक पोस्ट की थी। उनके इस पोस्ट के बाद बीजेपी विधायक मनाब डेका की पत्नी ने शिकायत दर्ज कराई थी।

इसके बाद गुवाहाटी पुलिस की मदद से लखीमपुर जिला पुलिस ने रीतम सिंह को उनके घर से गिरफ्तार कर लिया।

रीतम सिंह की गिरफ्तारी के बाद कांग्रेस महासचिव संचार प्रभारी जयराम रमेश ने कहा कि बिल्कुल उचित सोशल मीडिया पोस्ट के लिए मेरे युवा सहयोगी रीतम सिंह की गिरफ्तारी अत्याचारी मुख्यमंत्री से भी बदतर है।

जयराम रमेश ने इस पोस्ट में असम सीएम हिमंता बिस्वा सरमा को भी टैग किया। जयराम रमेश के पोस्ट पर जवाब देते हुए सीएम सरमा ने लिखा- सर, यह मामला एक दलित महिला के जाति-आधारित अपमान से जुड़ा है।

अगर आप एक दलित महिला के पति को बलात्कारी कहने को बिल्कुल उचित ठहराते हैं, तो यह बताता है कि आप लोग कांग्रेस पार्टी को किस दिशा में ले गए हैं। सीएम ने आगे लिखा लेकिन आप सिर्फ इंतजार कीजिए, अभी बड़े खुलासे होने बाकी हैं। सितंबर तक आपके वरिष्ठ नेता की आईएसआई और पाकिस्तान के साथ सांठगांठ का पर्दाफाश भी हो जाएगा।

कांग्रेस के वरिष्ठ नेता गौरव गोगोई ने दावा किया कि कांग्रेस नेता की गिरफ्तारी को लेकर कोई वारंट या नोटिस नहीं दिया गया था। साथ ही उन्होंने आरोप लगाया कि

उनके सहयोगी को उस दिन पुलिस ने घसीटा था जब केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह राज्य में मौजूद थे। गोगोई ने कहा कि लखीमपुर पुलिस की एक टीम कांग्रेस प्रवक्ता रीतम सिंह को हिरासत में लेने गुवाहाटी पहुंची। जब मैं उनके घर पहुंचा, तो मैंने देखा कि कैसे उन्हें बेरहमी से घसीटा गया और मुझसे बात करने की इजाजत नहीं दी।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णयों से कैसे निपटे भारत

(लेखक -प्रहलाद सबनानी)

भारत ने वर्ष 2024 में अमेरिका को लगभग 74,000 करोड़ रुपए की दवाईयों का निर्यात किया है। 62,000 करोड़ रुपए के टेलिकॉम उपकरणों का निर्यात क्या है, 48,000 करोड़ रुपए के पर्ल एवं प्रेशस स्टोन का निर्यात किया है, 37,000 करोड़ रुपए के पेट्रोलीयम उत्पादों का निर्यात किया है, 30,000 करोड़ रुपए के स्वर्ण एवं प्रेशस मेटल का निर्यात किया है, 26,000 करोड़ रुपए की कपास का निर्यात किया है, 25,000 करोड़ रुपए के इस्पात एवं अल्यूमिनियम उत्पादों का निर्यात किया है, 23,000 करोड़ रुपए सूती कपड़े का निर्यात का किया है,

ट्रम्प प्रशासन अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के हो रहे आयात पर टैरिफ की दरों को लगातार बढ़ाते जाने की घोषणा कर रहा है क्योंकि ट्रम्प प्रशासन के अनुसार इन देशों द्वारा अमेरिका से किए जा रहे विभिन्न उत्पादों के आयात पर ये देश अधिक मात्रा में टैरिफ लगाते हैं। चीन, कनाडा एवं मेक्सिको से अमेरिका में होने वाले विभिन्न उत्पादों के आयात पर तो टैरिफ को बढ़ा भी दिया गया है। इसी प्रकार भारत के मामले में भी ट्रम्प प्रशासन का मानना है कि भारत, अमेरिका से आयातित कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत तक का टैरिफ लगाता है अतः अमेरिका भी भारत से आयात किए जा रहे कुछ उत्पादों पर 100 प्रतिशत का टैरिफ लगाएगा। इस संदर्भ में हालांकि केवल भारत का नाम नहीं लिया गया है बल्कि 'टिट फोर टेट' एवं 'रेसिप्रोकल' आधार पर कर लगाने की बात की जा रही है और यह समस्त देशों से अमेरिका में हो रहे आयात पर लागू किया जा सकता है एवं इसके लागू होने की दिनांक भी 2 अप्रेल 2025 तय कर दी गई है। इस प्रकार की नित नई घोषणाओं का असर अमेरिका सहित विभिन्न देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर स्पष्टतः दिखाई दे रहा है एवं शेयर बाजारों में डर का माहौल बन गया है। भारत ने वर्ष 2024 में अमेरिका को लगभग 74,000 करोड़ रुपए की दवाईयों का निर्यात किया है। 62,000 करोड़ रुपए के टेलिकॉम उपकरणों का निर्यात क्या है, 48,000 करोड़ रुपए के पर्ल एवं प्रेशस स्टोन का निर्यात किया है, 37,000 करोड़ रुपए के पेट्रोलीयम उत्पादों का निर्यात किया है, 30,000 करोड़ रुपए के स्वर्ण एवं प्रेशस मेटल का निर्यात किया है, 26,000 करोड़ रुपए की कपास का निर्यात किया है, 25,000 करोड़ रुपए के इस्पात एवं अल्यूमिनियम उत्पादों का निर्यात किया है, 23,000 करोड़ रुपए सूती कपड़े का निर्यात का किया है, 23,000 करोड़ रुपए की इलेक्ट्रिकल मशीनरी का निर्यात किया है एवं 22,000 करोड़ रुपए के समुद्रीय उत्पादों का निर्यात किया है। इस प्रकार, विदेशी व्यापार के मामले में अमेरिका, भारत का सबसे बड़ा साझीदार है। अमेरिका अपने देश में विभिन्न वस्तुओं के आयात पर टैरिफ लगा रहा है क्योंकि अमेरिका को ट्रम्प प्रशासन एक बार पुनः वैभवशाली बनाना चाहते हैं परंतु इसका अमेरिकी अर्थव्यवस्था पर ही विपरीत प्रभाव होता हुआ दिखाई दे रहा है। अमेरिकी बैंकों के बीच किए गए एक सर्वे में यह तथ्य उभरकर सामने आया है कि यदि अमेरिका में विभिन्न उत्पादों के आयात पर टैरिफ इसी प्रकार बढ़ाते जाते रहे तो अमेरिका में आर्थिक मंदी की सम्भावना बढ़कर 40 प्रतिशत के ऊपर पहुंच सकती है, जो हाल ही में जे पी मोर्गन द्वारा 31 प्रतिशत एवं गोल्डमैन सैचस 24 प्रतिशत बताई गई थी। इसके साथ ही, ट्रम्प प्रशासन के टैरिफ सम्बंधी निर्णयों की घोषणा में भी एकरूपता नहीं है। कभी किसी देश पर टैरिफ बढ़ाने के घोषणा की जा रही है तो कभी इसे वापिस ले लिया जा रहा है, तो कभी इसके लागू किए जाने के समय में परिवर्तन किया जा रहा है, तो कभी इसे लागू करने की अवधि बढ़ा दी जाती है। कुल मिलाकर, अमेरिकी पूंजी बाजार में सधे हुए निर्णय होते हुए दिखाई नहीं दे रहे हैं इससे पूंजी बाजार में निवेश करने वाले निवेशकों का आत्मविश्वास टूट रहा है। और, अंततः इस सबका असर भारत सहित अन्य देशों के पूंजी (शेयर) बाजार पर पड़ता हुआ भी दिखाई दे रहा है।

हालांकि, ट्रम्प प्रशासन द्वारा टैरिफ को बढ़ाए जाने सम्बंधी लिए जा रहे निर्णयों का भारत के लिए स्वर्णिम अवसर भी बन सकता है। क्योंकि, भारतीय जब भी दबाव में आते हैं तब तब वे अपने लिए बेहतर उपलब्धियां हासिल कर लेते हैं। इतिहास इसका गवाह है, कोविड महामारी के खंडकाल में भी भारत ने दबाव में कई उपलब्धयां हासिल की थीं। भारत ने कोविड के खंडकाल में 100 से अधिक देशों को कोविड बीमारी से सम्बंधित दवाईयां एवं टीके निर्यात करने में सफलता हासिल की थी।

विदेशी व्यापार के मामले में चीन, कनाडा एवं मेक्सिको अमेरिका के बहुत महत्वपूर्ण भागीदार हैं। वर्ष 2021-22 के आंकड़ों के अनुसार, उक्त तीनों देश लगभग 65,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर का व्यापार प्रतिवर्ष अमेरिका के साथ करते हैं। इसके बावजूद अमेरिका ने उक्त तीनों के साथ व्यापार युद्ध प्रारम्भ कर दिया है। भारत के साथ अमेरिका का केवल 11,300 करोड़ अमेरिकी डॉलर का ही व्यापार था। अब ट्रम्प प्रशासन की अन्य देशों से यह अपेक्षा है कि वे अमेरिकी उत्पादों के आयात पर टैरिफ कम करे अथवा अमेरिका भी इन देशों से हो रहे विभिन्न उत्पादों पर उसी दर से टैरिफ वसूल करेगा, जिस दर पर ये देश अमेरिका से आयातित उत्पादों पर वसूलते हैं। यह सही है कि भारत अमेरिका से आयातित वस्तुओं पर अधिक टैरिफ लगाता है क्योंकि भारत अपने किसानों और व्यापारियों को बचाना चाहता है। भारत में कृषि क्षेत्र के उत्पादों पर 25 से 100 प्रतिशत तक आयात कर लगाया जाता है जबकि कृषि क्षेत्र के अतिरिक्त अन्य उत्पादों पर कर की मात्रा बहुत कम हैं। भारत ने विनिर्माण एवं अन्य क्षेत्रों में उत्पादकता बढ़ा ली है परंतु कृषि क्षेत्र में अभी भी अपनी उत्पादकता बढ़ाना है। हाल ही के समय में भारत ने कई उत्पादों के आयात पर टैरिफ की दर घटाई भी है।

भारत के साथ दूसरी समस्या यह भी है कि यदि भारत आयातित उत्पादों पर टैरिफ कम करता है तो भारत में इन उत्पादों के आयात बढ़ेंगे और भारत को अधिक अमेरिकी डॉलर की आवश्यकता पड़ेगी इससे भारतीय रुपये का और अधिक अवमूल्यन होगा तथा भारत में मुद्रा स्फीति का दबाव बढ़ेगा। विदेशी निवेश भी कम होने लगेगा और अंततः भारत में बेरोजगारी बढ़ेगी। भारत में सप्लाई चैन पर दबाव भी बढ़ेगा। इन समस्त समस्याओं का हल है कि भारत अन्य देशों के साथ द्विपक्षीय व्यापार समझौते करे। परंतु, अन्य देश चाहते हैं कि द्विपक्षीय समझौतों में कृषि क्षेत्र को भी शामिल किया जाय, इसका रास्ता आपसी चर्चा में निकाला जा सकता है। अमेरिका एवं ब्रिटेन के साथ भी द्विपक्षीय व्यापार समझौते सम्पन्न करने की चर्चा तेज गति से चल रही है। हाल ही में भारत के प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी की अमेरिका यात्रा के दौरान यह घोषणा की गई थी कि भारत और अमेरिका के बीच विदेशी व्यापार को 50,000 करोड़ अमेरिकी डॉलर प्रतिवर्ष के स्तर पर लाए जाने के प्रयास किए जाएंगे। इस सम्बंध में भारत और अमेरिका के बीच द्विपक्षीय व्यापार समझौते पर तेजी से काम चल रहा है। दूसरे, अब भारत को उद्योग एवं कृषि क्षेत्र में उत्पादकता बढ़ानी होगी। हर क्षेत्र में लागत कम करनी होगी ताकि भारत में उत्पादित वस्तुएं विश्व के अन्य देशों के साथ प्रतिस्पर्धा में खाड़ी हो सकें। भारत में रिश्वतखोरी की लागत को भी समाप्त करना होगा। भारत में निचले स्तर पर घूसखोरी की लागत बहुत अधिक है। भूमि, पूंजी, श्रम, संगठन एवं तकनीकि की लागत कम करनी होगी। कुल मिलाकर व्यवहार की लागत को भी कम करना होगा। भारतीय उद्योगों को अन्य देशों के उद्योगों के साथ प्रतिस्पर्धी बनाना ही इस समस्या का हल है ताकि भारतीय उद्योगों द्वारा निर्मित उत्पाद अन्य देशों के साथ विशेष रूप से गुणवत्ता एवं लागत के मामले में प्रतिस्पर्धा कर सकें। निजी क्षेत्र को लगातार प्रोत्साहन देना होगा ताकि निजी क्षेत्र का निवेश उद्योग के क्षेत्र में बढ़ सके। आज भारत में पूंजीगत खर्चे केवल केंद्र सरकार द्वारा ही बहुत अधिक मात्रा में किए जा रहे हैं। आज देश में हजारों टाटा, बिरला, अडानी एवं अम्बानी चाहिए। केवल कुछ भारतीय बहुराष्ट्रीय कम्पनियों से अब काम चलने वाला नहीं हैं। भारत को वैश्विक स्तर पर प्रतिस्पर्धी अर्थव्यवस्था बनाने का समय अब आ गया है।

तीसरे, मेक इन इंडिया ट्रम्प के टैरिफ युद्ध का सही जवाब है। आज भारत को सही अर्थों में 'आत्मनिर्भर भारत卐 बनाए जाने की सबसे अधिक आवश्यकता है। भारत के लिए केवल अमेरिका ही विदेशी व्यापार के मामले में सब कुछ नहीं होना चाहिए, भारत को अपने लिए नित नए बाजारों की तलाश भी करनी होगी। एक ही देश पर अत्यधिक निर्भरता उचित नहीं है। स्वदेशी उद्योगों को भी बढ़ावा देना ही होगा।

संपादकीय

जेबों की सर्जरी

यह खबर परेशान करती है कि देश के करोड़ों मरीज पहुंच से बाहर के महंगे इलाज के कारण गरीबी की दलदल में फंस जाते हैं। वे कथित रुप से दूसरे भगवान कहे जाने वाले शख्स के आगे बेबस नजर आते हैं। खासकर बड़े आप्रेशनों व उपकरणों से लेकर महंगी दवाओं को लेकर। हाल ही में सर्वोच्च न्यायालय ने मरीजों की दुखती रग को समझते हुए केंद्र व राज्य सरकारों से निजी अस्पतालों में मरीजों का शोषण रोकने के लिये नीतिगत फैसला लेने को कहा है। एक जनहित याचिका पर सुनवाई के दौरान शीर्ष अदालत ने कहा कि देशवासियों को चिकित्सा का बुनियादी ढांचा उपलब्ध कराना राज्यों का कर्तव्य है। निर्विवाद रूप से राज्य सरकारें ऐसा करने में विफल रही हैं। इसके बावजूद कि उन्होंने बड़े अस्पतालों को जमीन आदि तमाम सुविधाएं रियायती दरों पर दी हैं। ऐसे में वे गरीब मरीजों को राहतकारी इलाज देने के लिये बड़े अस्पतालों को बाध्य कर सकती थीं। वैसे चुनावों के दौरान तमाम तरह के सब्जबाग दिखाने वाले राजनीतिक दलों के एजेंडे में चिकित्सा सुविधा सुधार कभी प्राथमिकता नहीं रही। यदि सार्वजनिक चिकित्सा का बेहतर ढांचा उपलब्ध होता तो लोग निजी अस्पतालों में जाने को मजबूर न होते। यदि निगरानी तंत्र मजबूत होता और प्रभावी कानून होते तो मरीजों को दोहन का शिकार न होना पड़ता। यदि मरीजों से निजी अस्पतालों में मनमानी रकम वसूली जाती है तो यह राज्य सरकारों की छवि पर आंच है कि वे मरीजों को किफायती उपचार उपलब्ध कराने में विफल रही हैं। यही वजह है कि शीर्ष अदालत को कहना पड़ा कि मरीजों को उचित मूल्य वाली दवाइयां न मिल पाना राज्य सरकारों की नाकामी को ही दर्शाता है। इतना ही नहीं राज्य सरकारें निजी अस्पतालों को न केवल सुविधाएं प्रदान करती हैं बल्कि उन्हें प्रोत्साहन भी देती हैं। सरकारों का यह दावा अतार्किक है कि मरीजों के तिमारदारों के लिये निजी अस्पताल के मेडिकल स्टोरों से दवा खरीदने की बाध्यता नहीं है। दरअसल, अस्पताल की फार्मेसी या खास मेडिकल स्टोरों से दवाइयां खरीदना तिमारदारों की मजबूरी बन जाती है। उन्हें खास ब्रांड की दवा व उपकरण खरीदने के निर्देश होते हैं। दरअसल, खुले बाजार में उनकी उपलब्धता और गुणवत्ता को लेकर आशंका होती है। असल में, यह नीति-नियंताओं की जवाबदेही है कि वे मरीजों और उनके परिवारों को शोषण से बचाने के लिये दिशा-निर्देश तैयार करें। हालांकि, यह इतना भी आसान नहीं है क्योंकि विभिन्न हितधारकों के दबाव अकसर सामने आते हैं। जैसा कि वर्ष 2023 में राष्ट्रीय चिकित्सा आयोग को उस समय कड़ी आलोचना का सामना करना पड़ा था जब उसने डॉक्टरों से कहा था कि वे ब्रांडेड दवाएं न लिखें। उसके स्थान पर जेनेरिक दवाएं लिखें, ऐसा न करने पर उनके विरुद्ध कार्रवाई की जाएगी। चिकित्सा बिरादरी ने तब दबाव बनाते हुए कहा था कि दवाओं की गुणवत्ता से कोई समझौता नहीं किया जाना चाहिए। जिसके बाद यह आदेश जल्दी ही वापस लेना पड़ा था। इसके अलावा ब्रांडेड दवाओं के निर्माताओं ने भी दबाव बनाया था, जो कि जन-कल्याण के बजाय बड़े पैमाने पर मुनाफे को प्राथमिकता देते रहते हैं। वैसे निजी अस्पतालों द्वारा दवाओं के जरिये पैसा कमाने की वजह यह भी है कि सरकारी जन-औषधि केंद्रों का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं रहा है।

उत्पादक, विक्रय सामग्री के मालिक का नाम जानना उपभोक्ता का अधिकार

विश्व उपभोक्ता अधिकार पखवाड़ा पर विशेष

लेखाराम बिश्नोई
लेखक विचारक

उपभोक्ता अधिकारों की सुरक्षा और पारदर्शिता बनाए रखने के लिए सरकार ने विभिन्न कानून और नियम बनाए हैं। इनमें भारत के खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006, उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम, 2019 और वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिनियम, 2017 शामिल हैं। इन कानूनों में उत्पादों पर निर्माता या आयातक का नाम, पता और अन्य विवरण अनिवार्य रूप से अंकित करने के प्रावधान हैं ताकि उपभोक्ता को उचित जानकारी मिल सके और किसी भी समस्या की स्थिति में उचित कार्रवाई की जा सके।

पिछले वर्ष उत्तर प्रदेश में योगी आदित्यनाथ सरकार के द्वारा दुकानों के मालिकों को अपने नाम स्पष्ट रूप से लिखने का जो आदेश दिया गया हैं। उसको किसी भी धार्मिक दृष्टि से देखना ठीक नहीं हैं। इसे कानूनी और प्रशासनिक दृष्टि से देखा जाना चाहिए। यह आदेश भारत के खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006(स्न्श्थ्स्र स्ड्डद्भद्गह्ल4 ड्डठ्ठस्र स्ह्लड्डठ्ठस्रड्डह्मस्रह्य. ष्ह्ल,2006) की पालना के लिए जारी किया गया है। खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम के अध्याय 6 में खाद्य सुरक्षा के संबंध में विशेष दायित्व धारा 27 उप धारा 3 खंड (घ) में विक्रेता का दायित्व है, की मालिक की पहचान सुनिश्चित हो। वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिनियम 2017 नियमों का नियम 18 (1)व(2) तथा उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 के तहत उपभोक्ता को भी यह अधिकार दिया गया है। यह आदेश किसी खास मत समुदाय विशेष या मत-पथ के विरुद्ध नहीं हैं। इसे उपभोक्ता के अधिकारों से जोड़कर विशेष रूप से देखा जाना चाहिए। विशेष कर कोई भी वस्तु खरीदते समय उपभोक्ता का एक अधिकार रहता है, उपभोक्ता के इस अधिकार का भी आदर किया जाना चाहिए।

खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 की पालना, वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) अधिनियम 2017 व उपभोक्ता संरक्षण अधिनियम 2019 में दिए गए उपभोक्ता के अधिकारों की रक्षा केवल धार्मिक स्थान और धार्मिक अवसरों पर ही नहीं अपितु संपूर्ण भारतवर्ष में संपूर्ण समय और सभी स्थानों पर हो।

पंथनिरपेक्षता के झंडाबरदारो की यह संकुचित सोच है, कि भारत में मुसलमान का आर्थिक बहिष्कार हो सकता है। जबकि भारतीय सनातन परंपरा में किसी भी व्यक्ति, कला, कलाकार, ज्ञान का नाम के आधार पर कभी बहिष्कार नहीं किया गया। सार्वजनिक क्षेत्र में अधिकारियों के ऑफिस के बाहर व मेज पर नाम पट्टी का पुलिस के जवान, अधिकारी व सैनिक की वर्दी पर नाम लगा होता है।

उपभोक्ता के इस अधिकार की पालना कानून की पालना के आदेश का विरोध विशेष रूप से वो पंथनिरपेक्ष लोग करते हैं। जो हिन्दू धर्म के आस्था, चिन्ह, प्रतीक, मान बिंदुओं में पंथनिरपेक्षता के आधार पर या खास समुदाय की मान्यता के कारण से विश्वास नहीं करते हैं। परंतु अपने व्यवसाय के लिए इन प्रतीकों का उपयोग करते हैं। इस आदेश का विरोध करने वाले लव जिहाद के समर्थन में भी कभी इस तर्क के साथ की प्यार में पहचान जायज नहीं है, उत्तर सकते हैं।

इस समय जो लोग विशेषकर उपभोक्ता अधिकारों के समर्थन में है। वह स्वाभाविक के रूप से आगे आकर के अपने दुकानों पर मालिकों के नाम लिखने की पहल करें। जिससे समाज में उपभोक्ता के अधिकारों के प्रति जागृति आएगी।

लेखाराम बिश्नोई
लेखक व विचारक
अधिवक्ता राजस्थान उच्च न्यायालय जोधपुर

(चिंतन-मनन)

परमात्मा का दिव्य उपहार है जीवन

मानव जीवन परमात्मा का दिव्य उपहार है। जिंदगी को जीना सीखें। कुछ लोग जिंदगी को जीते हैं, कुछ लोग काटते हैं। जिसको जीना और जाना आ गया वह जीवन में सफल हो गया। हे मनुष्य एक दिन भी जी, अटल विश्वास बनकर जी। ब्राह्मो मुहूर्ते बुध्येत, धर्मार्थौं चातुचिन्तयेत् अर्थात् व्यक्ति ब्रह्म मुहूर्त में जागे और धर्म एवं अर्थ के विषय में चिंतन करें। शास्त्रकारों ने यह कभी नहीं कहा कि व्यक्ति अर्थोपार्जन न करे। वह अर्थोपार्जन करे किंतु धर्मपूर्वक, अधर्मपूर्वक नहीं।

हमें न तो आध्यात्मिकता की उपेक्षा करनी है न भौतिक सुख सुविधाओं की है। ब्रह्म मुहूर्त में व्यक्ति जितना अच्छा चिंतन कर सकता है उतना दूसरे समय में नहीं। स्वास्थ्य की दृष्टि से भी यह सर्वोत्तम समय है। बिल कोस्बो ने इस संदर्भ में कहा है कि मुझे नहीं मालूम कि कामयाबी पाने की पुंजी क्या है, पर हर आदमी को खुश करने की कोशिश करना ही नाकामयाबी की पुंजी है।

जीवन में यदि आप सफल होना चाहते हैं तो प्रसन्न रहने की आदत डालिए, क्योंकि सफलता और प्रसन्नता का चोली दामन का साथ है। हम जो चाहें हमारे जीवन का जो लक्ष्य हो उसे पा लें यह सफलता है और जब मन चाहे लक्ष्य को पा लेंगे तो स्वभावतः प्रसन्नता का अनुभव करेंगे। हम जिंदगी को काटे नहीं, सच्चे अर्थों में जीएं। हम निरंतर परिश्रम करें। जॉन एच रोटस ने अपने संदेश में कहा है- सिर्फ जिंदगी न गुजारो-जीओ, सिर्फ छुओ नहीं महसूस करो, सिर्फ देखो नहीं गौर करो, सिर्फ पढ़ो नहीं जीवन में उतारो।

हमारा जीवन बहिर्मुखी न होकर अंतर्मुखी होना चाहिए। उसमें उथलापन नहीं, आडंबर नहीं, गंभीरता होनी चाहिए। हमारे आदर्श ऊंचे होने चाहिए और विचार सात्विक। बाहरी साज-सज्जा, शरीर की चमक दमक से कोई व्यक्ति न तो महान बन सकता है, न ही सफलता उसके चरण चूमती है।

विचार मंथन

शिक्षा और श्रम से ही होगा अल्पसंख्यकों का कल्याण

(लेखक- डॉ हिदायत अहमद खान)

उत्तम शिक्षा सभ्य समाज की बुनियाद रखने की पहली शर्त होती है। शिक्षा ही है जो मानव को उत्तम मानव बनाती है। बगैर सामाजिक वातावरण और शिक्षा के अभाव में तो इंसान का बच्चा भी पशुओं के सदृस व्यवहार करता नजर आ जाता है। इसलिए प्रत्येक काल में शिक्षा को महत्व दिया गया। ऐसी ही शिक्षा के महत्व को प्रतिपादित करते हुए केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी ने एक समारोह में कहा कि अल्पसंख्यक समुदाय से अधिक इंजीनियर, आईपीएस और आईएएस अधिकारी आएंगे तो सभी प्रगति करेंगे। उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति डॉ अब्दुल कमाल का उदाहरण देते हुए कहा कि आज हमारे सामने पूर्व राष्ट्रपति स्वर्गीय डॉ एपीजे अब्दुल कलाम का उदाहरण है। यह समझने वाली बात है कि यदि उन्हें पढ़ने का अवसर नहीं मिलता तो कुछ भी नहीं होता, शिक्षा की यही ताकत है। ऐसी शिक्षा जो इंसान को आगे बढ़ने की सोच प्रदान करती है। शिक्षा ही है जो जीवन मूल्यों को आगे बढ़ाते हुए समाज व देश को सही दिशा प्रदान करने वाले मानव का निर्माण करती है। केंद्रीय मंत्री गडकरी ने इस आशय की बातें एक दीक्षांत समारोह के दौरान कहीं और चूंकि वो धर्म, जाति और संप्रदाय की बातें सार्वजनिक तौर पर नहीं करते सो उन्होंने यहां पर भी पिछले साल हुए लोकसभा चुनाव के दौरान कही गई बात को दोहराया और कहा कि 'जो करेगा जात की बात, उसको मारूंगा लात।' यह तो आर्षवाक्य होना चाहिए और सिर्फ राजनीति में नहीं बल्कि हर क्षेत्र में इसका ध्यान रखा जाना चाहिए, फिर चाहे वो शिक्षा के साथ निजी और सरकारी नौकरियों में भर्ती का मामला ही क्यों न हो। वैसे भी गडकरी अपने बेबाक बयानों के लिए भी जाने जाते हैं, इसलिए इस तरह की बात सुनकर भी लोगों को नहीं लगता कि वो कुछ ज्यादा बोल गए, या उनकी बात में कुछ अनुचित समाया हुआ है। जहां तक शिक्षा की बात है तो इसमें शक नहीं कि शिक्षा पर फोकस किया जाना चाहिए, लेकिन इससे पहले यह भी तय करना होगा कि शिक्षा सिर्फ बाबू और अधिकारी बनाने वाली नहीं होनी चाहिए। एक ऐसी शिक्षा की दरकार हमेशा से है और होनी भी चाहिए जो समाज कल्याणकारी मानव को निर्मित करती हो। पर अफसोस कि हमारी शिक्षा का ऊपरी ढांचा तो भारतीय नजर आता है, लेकिन उसके अंदर समायी हुई आत्मा अंग्रेजों की गढ़ी हुई है, जो अच्छा इंसान बनाने की बजाय क्लर्क तैयार करने पर विशेष जोर देती है। यह एक बात है, दूसरी बात यह कि शिक्षा और रोजगार के क्षेत्र में जो ईमानदारी आजादी के इतने सालों बाद उभरकर सामने आनी चाहिए थी, वह कहीं से भी नजर नहीं आई है। नतीजे में उच्चशिक्षित योग्य युवा दर-दर की ठोकरें खाते नजर आ जाते हैं, जबकि सिफारिशी और राजनीतिक पहुंच वाले कम योग्य व्यक्ति उच्च पदों पर सुशोभित होते देखे जा सकते हैं। इससे युवाओं में एक आक्रोश घर करता चला जा रहा है। यह क्या कम गंभीर बात है कि किसी सरकारी दफ्तर में एक क्लर्क की पोस्ट निकलती है और आवेदन करने वाले लाखों अभ्यर्थियों में डॉक्टर्स और इंजीनियर्स भी शामिल नजर आ जाते हैं। यह वाकई गंभीर चिंता का विषय है। इसके लिए महज शिक्षा प्रणाली को जिम्मेदार नहीं ठहराया जा सकता है, बल्कि उच्च स्तर पर जो अंधा बांटे रेबड़ी, और चीन्ह-चीन्ह के देय वाली कहावत चरितार्थ हो रही है, उस पर भी ध्यान देने की आवश्यकता है। जहां तक अल्पसंख्यकों को शिक्षा और समानता का अवसर उपलब्ध कराने की बात है तो अल्पसंख्यकों के कल्याण के लिए प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का नया 15 सूत्री कार्यक्रम अल्पसंख्यक कार्य मंत्रालय द्वारा कार्यान्वित किया जा रहा है। यह एक व्यापक कार्यक्रम है, जिसका लक्ष्य यह सुनिश्चित करना है कि छह केंद्रीय रूप से अधिसूचित अल्पसंख्यक समुदायों के वंचित और कमजोर वर्गों को विभिन्न सरकारी कल्याण योजनाओं का लाभ प्राप्त करने के समान अवसर मिलें और वे देश के समग्र सामाजिक-आर्थिक विकास में योगदान दें। इनमें विभिन्न छात्रवृत्तियों के साथ ही ऋण योजनाएं भी शामिल की गई हैं, ताकि अल्पसंख्यक वर्ग के लोगों की प्रगति में कोई अड़चन न आने पाए। इस प्रकार सरकार की मंशा और योजनाएं तो समाज व समुदाय के लिए कल्याणकारी होती हैं, लेकिन उनका क्रियान्वयन और प्रचार-प्रसार जमीनी हकीकत से कोसों दूर होता है। इस कारण इसके लाभार्थियों को अंगुलियों में गिना जा सकता है, जबकि इसके लाभ के आकांक्षी करोड़ों में होते हैं। इस दिशा में भी विचार करने और उचित कदम उठाने की आवश्यकता है। बहरहाल शिक्षा और रोजगार के साथ ही स्वास्थ्य के क्षेत्र में सुधार की गुंजाइश तो हर काल में रहती है, इससे इंकार नहीं किया जा सकता है। जहां तक शिक्षा का सवाल है तो किसी जाति, धर्म या संप्रदाय विशेष के लिए नहीं बल्कि प्रत्येक भारतीय के लिए यह आवश्यक है, ताकि देश व समाज बेहतर तरक्की कर सकें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

देश का विदेशी मुद्रा भंडार बढ़कर हुआ 653.96 अरब डॉलर

नई दिल्ली । देश का विदेशी मुद्रा भंडार सात मार्च को समाप्त सप्ताह के दौरान 15.26 अरब डॉलर बढ़कर 653.96 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने यह जानकारी दी। पिछले सप्ताह यह 1.78 अरब डॉलर घटकर 638.69 अरब डॉलर रह गया था। रुपए में उतार-चढ़ाव को कम करने में मदद के लिए आरबीआई द्वारा विदेशी मुद्रा बाजार में हस्तक्षेप के साथ-साथ पुनर्मूल्यांकन के कारण हाल ही में भंडार में गिरावट का रुख रहा है। सितंबर, 2024 के अंत में विदेशी मुद्रा भंडार 704.88 अरब डॉलर के सर्वकालिक उच्च स्तर पर पहुंच गया था। रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार, समीक्षाधीन सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार का एक प्रमुख हिस्सा विदेशी मुद्रा आस्तियां 13.99 अरब डॉलर बढ़कर 557.28 अरब डॉलर हो गईं। डॉलर के संदर्भ में उल्लेखित विदेशी मुद्रा आस्तियों में विदेशी मुद्रा भंडार में रखे गए यूरो, पाउंड और येन जैसी गैर-अमेरिकी मुद्राओं की घट-बढ़ का प्रभाव शामिल होता है। हालांकि, समीक्षाधीन सप्ताह में स्वर्ण भंडार का मूल्य 1.05 अरब डॉलर घटकर 74.32 अरब डॉलर हो गया। विशेष आहरण अधिकार (एसडीआर) 21.2 करोड डॉलर बढ़कर 18.21 अरब डॉलर हो गया। भारतीय रिजर्व बैंक के आंकड़ों के अनुसार आलोच्य सप्ताह में अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के पास भारत का आरक्षित भंडार 6.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 4.14 अरब डॉलर रहा।

इस हफ्ते तीन अलग-अलग कंपनियों के आईपीओ आएंगे

नई दिल्ली । आईपीओ में पैसा निवेश करने वालों के लिए एक सुनहरा अवसर हो सकता है, जैसे कि इस हफ्ते तीन अलग-अलग कंपनियों के आईपीओ होने वाले हैं। इनमें से दो आईपीओ एसएमई सेगमेंट के होंगे, जो की बहुत ही रोमांचक और लाभदायक साबित हो सकते हैं। 17 मार्च को खुलने जा रहे हैं डिवाइन हीरा ज्वैलर्स आईपीओ और पारादीप परिवहन आईपीओदोनों ही आईपीओ लोगों के लिए एक बड़ा मौका पेश कर रहे हैं, जहाँ निवेशकों को अच्छी रिटर्न्स की उम्मीद है। साथ ही, 20 मार्च को खुलने जा रहे हैं एरिजइंफ्रा सॉले युशने स आईपीओ जो मेनबोर्ड सेगमेंट का है। यह आईपीओ भी निवेशकों के लिए बड़ा मौका पेश कर सकता है। इस हफ्ते शेयर बाजार में दो कंपनियों के शेयर सूचीबद्ध भी होंगे, जो की भी एसएमई सेगमेंट में होंगे। इसलिए, निवेशकों के लिए यह एक वास्तविक चुनौतीपूर्ण और लाभदायक हफ्ता हो सकता है। इन सभी कंपनियों के आईपीओ को ध्यान से देखकर और रिसर्च करके निवेश का निर्णय लेना बेहद महत्वपूर्ण होगा। निवेशकों को सलाह दी जाती है कि वे अपने निवेश को उनके वित्तीय लक्ष्यों और रिस्क टोलरेंस के साथ मिलाकर करें।

ओयो होटल्स ने घोषित किया मुफ्त ठहरने का बड़ा ऑफर

नई दिल्ली । देशभर में ओयो होटल्स के ठहरने वाले ग्राहकों के लिए बड़ी खबर है। ओयो कंपनी ने घोषित किया है कि लोग अब पांच दिनों तक मुफ्त ठहर सकते हैं। इस ऑफर के तहत, देशभर में 1000 होटलों में यह सुविधा उपलब्ध है। इस ऑफर की शुरुआत होली के मौके पर की गई है, जो भारत की चैंपियंस ट्रॉफी जीत के उत्सव के बाद है। ओयो के फाउंडर ने एक्स पर एक पोस्ट करके बताया कि इस ऑफर का मुख्य उद्देश्य यात्रा करने और प्रियजनों के साथ समय बिताने की प्रोत्साहन है। इस खास मौके पर ऑफर का नवाजा जाएगा, इसमें प्रीमियम से बजट और टाउनहाउस कमरे शामिल हैं। इस ऑफर का लाभ उठाने के लिए ग्राहकों को ओयो की वेबसाइट पर जाकर बुकिंग करनी होगी और चैं पियन कूपन कोड का उपयोग करना होगा। यह ऑफर केवल पहले 2000 बुकिंग्स तक ही सीमित है, इसलिए जल्दी ही बुक करें और इस होली को और भी यादगार बनाएं।

फेडरल रिजर्व के निर्णय से तय होगी स्थानीय शेयर बाजार की दिशा

- निवेशकों की नजर अमेरिकी के खुदरा बिक्री और उत्पादन के आंकड़ों पर भी रहेगी

मुंबई ।

इस सप्ताह फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर निर्णय, वैश्विक रुझान, शुल्क से संबंधित घटनाक्रम और विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की गतिविधियां घरेलू शेयर बाजार की दिशा तय करेंगी। विश्लेषकों ने यह राय जताई है। वृहद आर्थिक आंकड़ों की घोषणा के बीच फरवरी के लिए थोक मूल्य सूचकांक आधारित मुद्रास्फीति के आंकड़े सोमवार को जारी किए जाएंगे। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के एक शोध प्रमुख ने कहा कि वैश्विक व्यापार को लेकर लगातार अनिश्चितताएं और अमेरिका में मंदी की आशंका स्थानीय बाजार की रफ्तार को प्रभावित कर रही है। यह रुख जारी रहेगा। उन्होंने कहा, हालांकि हालिया करेक्शन के बाद मूल्यांकन में कमी, साथ ही कच्चे तेल की कीमतों में गिरावट, डॉलर सूचकांक में नरमी और आने वाली तिमाहियों में घरेलू कंपनियों की आमदनी में उछाल की उम्मीद जैसे कारक बाजार के उतार-चढ़ाव पर कुछ अंकुश लगा सकते हैं। हालांकि, मौजूदा व्यापार को लेकर अनिश्चितताएं बरकरार हैं। बाजार के एक जानकार ने कहा कि इस सप्ताह चीन के खुदरा बिक्री और औद्योगिक उत्पादन के आंकड़े वहां की आर्थिक वृद्धि दर को लेकर स्पष्ट तस्वीर पेश करेंगे। इसके अलावा निवेशकों की निगाह अमेरिकी के खुदरा बिक्री और उत्पादन के आंकड़ों पर भी रहेगी। साथ ही सप्ताह के दौरान बैंक ऑफ इंग्लैंड भी ब्याज दर को लेकर निर्णय की घोषणा करेगा। इस पर भी सभी की निगाह रहेगी। पिछले सप्ताह वैश्विक व्यापार को लेकर तनाव बढ़ने और अमेरिका में मंदी की आशंका से निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई थी। इस सप्ताह, हमारा अनुमान है कि बाजार कुछ उतार-चढ़ाव के साथ सीमित दायरे में रहेगा। बाजार की दिशा वैश्विक रुख और अमेरिकी शुल्क नीतियों से तय होगी। पिछले सप्ताह छुट्टियों के कारण कम कारोबारी सत्रों के दौरान बीएसई के 30 शेयरों वाले सेंसेक्स में 503.67 अंक की

गिरावट आई। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 155.21 अंक के नुकसान में रहा। बाजार विश्लेषक कहते हैं कि निवेशक डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन द्वारा भारतीय वस्तुओं पर शुल्क लगाए जाने की आशंका और इसके कुल प्रभाव को लेकर चिंतित हैं। ऐसे में कुछ और समय तक नकारात्मक रुख बने रहने की संभावना हैं।

एआई आधुनिक बाजार में एक उत्प्रेरक शक्ति है: सीसीआई प्रमुख

नई दिल्ली । भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग (सीसीआई) प्रमुख रवनीत कौर का कहना है कि कृत्रिम मेधा (एआई) आधुनिक बाजार में एक उत्प्रेरक शक्ति है, जिसमें साठगांठ को सक्षम करने की क्षमता भी है। उन्होंने कहा कि गतिशील या डायनेमिक मूल्य निर्धारण की आड़ में यह एल्गोरिदम संबंधी भेदभाव की संभावना पैदा कर सकता है। उन्होंने विश्वास आधारित विनियमन के साथ-साथ दूरदर्शी दृष्टिकोण अपनाने की जरूरत पर जोर दिया। राष्ट्रीय राजधानी में 'प्रतिस्पर्धा कानून के अर्थशास्त्र' पर 10वें राष्ट्रीय सम्मेलन में अपने संबोधन में कौर ने कहा कि एआई आधुनिक बाजारों में एक प्रेरक शक्ति है। एआई उद्योगों में मूल्य निर्धारण रणनीतियों, निर्णय लेने और परिचालन दक्षता को आकार देता है, लेकिन यह खतरा भी पेश करता है। प्रतिस्पर्धा आयोग की प्रमुख ने कहा कि एआई साठगांठ या मिलीभगत के नए रूप को सक्षम कर सकता है। इनमें मानव संचार के बिना गठजोड़, स्पष्ट समझौतों के बिना मूल्य समन्वय और गतिशील मूल्य निर्धारण की आड़ में एल्गोरिदम संबंधी भेदभाव शामिल है। सीसीआई पहले ही एआई और प्रतिस्पर्धा पर एक अध्ययन कर रहा है ।प्रतिस्पर्धा अधिनियम, 2002 के लागू होने के बाद से, सीसीआई को प्रतिस्पर्धा उल्लंघन से संबंधित 1,300 मामले मिले हैं जिनमें से 1,180 का निपटारा किया जा चुका है। पिछले साल, नियामक को 42 ऐसे मामले मिले। इनमें प्रथम दृष्टया आठ मामलों में प्रतिस्पर्धा उल्लंघन की बात सामने आई जिनकी विस्तार से जांच की जरूरत पड़ी। उल्लंघन न होने के कारण 19 मामलों को शुरुआती चरण में ही बंद कर दिया गया और 15 मामले जांच के विभिन्न चरणों में लंबित हैं। कौर ने कहा कि 2024 में, नियामक को 128 संयोजन नोटिस प्राप्त हुए और 126 मामलों का निपटारा किया गया। दो मामलों को प्रतिस्पर्धा रक्षोपायों के साथ मंजूरी दी गई।

सेंसेक्स की पांच कंपनियों का मार्केट कैप 93,000 करोड़ घटा

- सबसे अधिक नुकसान इन्फोसिस और टीसीएस को हुआ

मुंबई ।

घरेलू शेयर बाजारों में गिरावट के रुख की वजह से सेंसेक्स की प्रमुख 10 में से पांच कंपनियों के बाजार पूंजीकरण (मार्केट कैप) में पिछले सप्ताह सामूहिक रूप से 93,357.52 करोड़ रुपये की गिरावट आई। सबसे अधिक नुकसान सूचना प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनियों इन्फोसिस और टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस) को हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में इन्फोसिस, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, हिंदुस्तान यूनिलीवर, भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और रिलायंस इंडस्ट्रीज के बाजार मूल्यांकन में गिरावट आई। वहीं आईसीआईसीआई बैंक, एचडीएफसी बैंक, आईटीसी, बजाज फाइनेंस और भारती एयरटेल का बाजार पूंजीकरण चढ़ गया।इन पांच कंपनियों के बाजार मूल्यांकन में सामूहिक रूप से 49,833.62 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हुई। समीक्षाधीन सप्ताह में इन्फोसिस का बाजार पूंजीकरण 44,226.62 करोड़ रुपये घटकर 6,55,820.48 करोड़ रुपये, टीसीएस का मूल्यांकन 35,800.98 करोड़ रुपये घटकर 12,70,798.97 करोड़ रुपये पर आ गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में यह खिसक कर तीसरे स्थान पर आ गई। हिंदुस्तान यूनिलीवर की बाजार हैसियत 6,567.11 करोड़ रुपये घटकर 5,11,235.81 करोड़ रुपये, एसबीआई का मूल्यांकन 4,462.31 करोड़ रुपये घटकर 6,49,489.22 करोड़ रुपये और रिलायंस इंडस्ट्रीज के मूल्यांकन में 2,300.50 करोड़ रुपये की

गिरावट आई और यह घटकर 16,88,028.20 करोड़ रुपये पर आ गया। इस रुख के विपरीत आईसीआईसीआई बैंक का बाजार पूंजीकरण 25,459.16 करोड़ रुपये बढ़कर 8,83,202.19 करोड़ रुपये, एचडीएफसी बैंक का बाजार मूल्यांकन 12,591.60 करोड़ रुपये बढ़कर 13,05,169.99 करोड़ रुपये, आईटीसी का बाजार पूंजीकरण 10,073.34 करोड़ रुपये बढ़कर 5,15,366.68 करोड़ रुपये, बजाज फाइनेंस का मूल्यांकन 911.22 करोड़ रुपये बढ़कर 5,21,892.47 करोड़ रुपये पर और भारती एयरटेल का 798.30 करोड़ रुपये के उछाल के साथ 9,31,068.27 करोड़ रुपये पर पहुंच गया। शीर्ष 10 कंपनियों की सूची में रिलायंस इंडस्ट्रीज पहले स्थान पर बरकरार रही। उसके बाद क्रमशः एचडीएफसी बैंक, टीसीएस, भारती एयरटेल, आईसीआईसीआई बैंक, इन्फोसिस, भारतीय स्टेट बैंक, बजाज फाइनेंस, आईटीसी और हिंदुस्तान यूनिलीवर का स्थान रहा।

विदेशी निवेशकों ने भारतीय बाजार से 30,000 करोड़ निकाले

- फरवरी में 34,574 करोड़ और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे

नई दिल्ली ।

विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) की भारतीय शेयर बाजारों से निकासी का सिलसिला जारी है। वैश्विक व्यापार को लेकर तनाव बढ़ने के बीच एफपीआई ने मार्च के पहले पखवाड़े में स्थानीय शेयर बाजारों से 30,000 करोड़ रुपये से अधिक की राशि निकाली है। इससे पहले फरवरी में उन्होंने शेयरों से 34,574 करोड़ रुपये और जनवरी में 78,027 करोड़ रुपये निकाले थे। डिपॉजिटरी के आंकड़ों के अनुसार इस तरह 2025 में अब तक एफपीआई भारतीय शेयर बाजार से कुल 1.42 लाख करोड़ रुपये (16.5 अरब अमेरिकी डॉलर) निकाल चुके हैं। आंकड़ों के अनुसार, विदेशी पोर्टफोलियो निवेशकों (एफपीआई) ने इस महीने (13 मार्च तक) भारतीय शेयर बाजारों से 30,015 करोड़ रुपये निकाले हैं। यह उनकी शुद्ध निकासी का लगातार 14वां सप्ताह है। कई वैश्विक और घरेलू कारकों से एफपीआई काफी समय से लगातार बिकवाली कर रहे हैं। बाजार के जानकारों ने कहा` कि राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की अगुवाई में अमेरिका की व्यापार नीतियों को लेकर जो अनिश्चितता चल रही है। आंकड़ों के अनुसार, एफपीआई ने समीक्षाधीन अवधि में बॉन्ड में सामान्य सीमा के तहत 7,355 करोड़ रुपये का निवेश किया है और स्वैच्छिक प्रतिधारण मार्ग से

325 करोड़ रुपये निकाले हैं। एफपीआई का 2024 में भारतीय बाजार में निवेश काफी कम होकर 427 करोड़ रुपये रहा था। इससे पहले 2023 में उन्होंने भारतीय बाजार में 1.71 लाख करोड़ रुपये डाले थे, जबकि 2022 में वैश्विक केंद्रीय बैंकों द्वारा ब्याज दरों में आक्रामक वृद्धि के बीच 1.21 लाख करोड़ रुपये की निकासी की थी।

गोल्ड ईटीएफ में भी जमकर निवेश कर रहे निवेशक

नई दिल्ली । फिजिकल गोल्ड के साथ अब दुनियाभर में लोग गोले ड ईटीएफ में भी जमकर निवेश कर रहे हैं. यही वजह है कि फरवरी, 2025 के दौरान लगातार तीसरे महीने गोल्ड ईटीएफ में निवेश बढ़ा। वर्ल्ड गोल्ड काउंसिल के ताजा आंकड़ों के अनुसार फरवरी में वैश्विक स्तर पर गोल्ड ईटीएफ में 9.4 बिलियन डॉलर का निवेश हुआ, जो मार्च 2022 के बाद सबसे बड़ी मासिक बढ़ोतरी है। फरवरी के दौरान वैश्विक स्तर पर ट्रेड वॉर की आशंका और अमेरिकी डॉलर में कमजोरी ने सोने की कीमतों को मजबूती दी। इस दौरान सोने के दाम अमेरिकी डॉलर में 1 फीसदी और भारतीय रुपये में 4 फीसदी तक बढ़े। फरवरी 2025 में गोल्ड ईटीएफ की होल्डिंग में 99.9 टन की बढ़ोतरी दर्ज की गई। सोने की कीमतों में मजबूती और लगातार तीसरे महीने आए इनफ्लो की बदौलत गोल्ड ईटीएफ का एसेट अंडर मैनेजमेंट बढ़कर रिकॉर्ड 306 बिलियन डॉलर पर पहुंच गया। एशियाई निवेशकों ने भी गोल्ड ईटीएफ में भरोसा दिखाया, जहां 2.3 बिलियन डॉलर का इनफ्लो दर्ज किया गया. चीन इस मामले में सबसे आगे रहा और यहां 1.93 बिलियन डॉलर गोल्ड ईटीएफ में लगाए। भारत में भी 220.5 मिलियन डॉलर का निवेश हुआ, क्योंकि घरेलू इक्विटी बाजार में गिरावट और वैश्विक आर्थिक अनिश्चितता के कारण निवेशकों का रुझान सोने की ओर बढ़ा।

सरसों और सोयाबीन के दाम गिरे, मूंगफली और पाम तेल के भाव बढ़े

- सरसों दाने का थोक भाव 150 रुपये गिरकर 6,110-6,210 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद

नई दिल्ली ।

पिछले सप्ताह सरसों की खाली पाइपलाइन ने तेल पेराई मिलों को हाजिर बाजार में दाम तोड़ने पर मजबूर कर दिया। सरसों तेल और सोयाबीन सीड (तिलहन) के दाम गिर गए जबकि मूंगफली और पाम तेल के दाम बढ़ गए। बिनौला तेल भी अपने दाम में सुधार दर्ज करते हुए नजर आया। इसके अलावा बैंकों में अपने ऋण साख-पत्र चलाने के लिए आयातकों ने सोयाबीन तेल को कम दाम पर बेचना शुरू कर दिया है। किसानों के पास अब मूंगफली का अधिक स्टॉक नहीं है, जिससे दाम में बढ़ोतरी देखने को मिली। इसी बीच, कपास की फसल भी बाजार में कप चुकी है और किसान अब उसके ऊंचे भाव मिलने का इंतजार कर रहे हैं। साथ ही विदेशों में सीपीओ के दाम में सुधार आया है जिसके कारण सीपीओ और पामोलीन कीमतें में सुधार दर्ज हुआ। हालांकि, यह सुधार आयातकों को कुछ नुकसान भी उठाना पड़ रहा है। इसके अलावा, बिनौला सीड के दाम में वृद्धि की वजह से उत्तर भारत की तेल मिलें महाराष्ट्र से खरीदना पड़ रहा है। बीते सप्ताह सरसों दाने का थोक भाव 150 रुपये की गिरावट के साथ 6,110-6,210 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों दादरी तेल का थोक भाव 325 रुपये की गिरावट के साथ 13,325 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। सरसों पक्की और कच्ची घानी तेल का भाव क्रमशः 20-20 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 2,350-2,450 रुपये और 2,350-2,475 रुपये टिन (15 किलो) पर बंद हुआ। समीक्षाधीन सप्ताह में सोयाबीन दाने और सोयाबीन लूज का थोक भाव भी क्रमशः 75-75 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 4,150-4,200 रुपये और 3,850-3,900 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुआ। इसी तरह सोयाबीन दिल्ली एवं सोयाबीन इंदौर और सोयाबीन डीगम के दाम क्रमशः 275 रुपये, 275 रुपये और 300 रुपये की गिरावट के साथ क्रमशः 13,925 रुपये, 13,575 रुपये और 9,825 रुपये प्रति क्विंटल पर बंद हुए। दूसरी ओर समीक्षाधीन सप्ताह में मूंगफली तिलहन का भाव 25 रुपये के सुधार के साथ 5,700-6,025 रुपये क्विंटल पर बंद हुआ।

सेल राउरकेला इस्पात संयंत्र की क्षमता बढ़ाकर 90 लाख टन करेगी

- कंपनी 30,000 करोड़ रुपये के निवेश करेगी

नई दिल्ली ।

सार्वजनिक क्षेत्र की अग्रणी इस्पात कंपनी स्टील अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (सेल) ने 30,000 करोड़ रुपये के निवेश के माध्यम से राउरकेला इस्पात संयंत्र (आरएसपी) की क्षमता को दोगुना से अधिक बढ़ाकर लगभग 90 लाख टन सालाना करने की योजना बनाई है। इस कदम से आर्थिक सेक्टरों में आपूर्ति में वृद्धि की उम्मीद है। आरएसपी के प्रभारी-निदेशक ने बताया कि इस विस्तार के बाद आरएसपी सेल के 2030 तक 3.5 करोड़ टन सालाना का उत्पादन करने का लक्ष्य रखती है। यह विस्तार 1,200 एकड़ क्षेत्र में होगा और इसमें लगभग 30,000 करोड़ रुपये का निवेश किया जाएगा। राउरकेला इस्पात संयंत्र, जो ओडिशा की राजधानी भुवनेश्वर से लगभग 320 किलोमीटर दूर है, भारत में पहला सार्वजनिक क्षेत्र का इस्पात संयंत्र है और इसका गौरवपूर्ण इतिहास है। इसे 1950 के दशक में जर्मनी के सहयोग से शुरू किया गया था। आरएसपी ने ब्लास्ट फर्नेस, स्टील मेल्टिंग शॉप, विभिन्न उत्पादन संयंत्र और लॉजिस्टिक्स को शामिल कर रही है। इस नई विस्तार प्रोजेक्ट के

तहत, विस्तारित क्षेत्र में उत्पादन आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए नई सुविधाएं जोड़ी जाएंगी।

एनसीआर में बिछेगी एक और मेट्रो लाइन, टेंडर जारी

- 15.2 किलोमीटर लंबे वायडक्ट और 14 एलिवेटेड स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा

नई दिल्ली ।

गुरुग्राम मेट्रो रेल लिमिटेड (जीएमआरएल) ने गुरुग्राम को एक और मेट्रो लाइन की खुशखबरी दी है। इस परियोजना के तहत हुडा सिटी सेंटर से सेक्टर 9 तक 15.2 किलोमीटर लंबे वायडक्ट और 14 एलिवेटेड स्टेशनों का निर्माण किया जाएगा। इस परियोजना की अनुमानित लागत 1,286 करोड़ रुपए है और टेंडर की बोलियां 22 अप्रैल को खोली जाएंगी। अगर सब कुछ समय पर हुआ तो नई मेट्रो लाइन का पहला चरण 2027 तक तैयार हो जाएगा। गुरुग्राम में एक और महत्वपूर्ण व्यवसायिक संपत्ति का निर्माण शुरू हो रहा है, जो गुरुग्राम को महत्वपूर्ण शहरों से जोड़ेगा और सीधी कनेक्टिविटी सुनिश्चित करेगा। इस परियोजना के माध्यम से हुडा सिटी सेंटर से सेक्टर 45, सेक्टर 46 (साइबर पार्क), सेक्टर 47, सुभाष चौक, सेक्टर 48, सेक्टर 33, हीरो होंडा चौक, उद्योग विहार 6, सेक्टर 10, सेक्टर 37, बसई और सेक्टर 9 तक स्टेशनों का निर्माण होगा। चयनित ठेकेदार को वायडक्ट संरेखण का सर्वेक्षण करने की

जिम्मेदारी दी जाएगी, जिससे परियोजना का सफल निर्माण सुनिश्चित होगा। इस परियोजना के अनुसार, गुरुग्राम में बनने वाली पूरी मेट्रो परियोजना 28.5 किमी लंबी होगी और इसमें बसई गांव से द्वारका एक्सप्रेसवे तक 1.85 किमी का हिस्सा भी शामिल होगा। हुडा सिटी सेंटर से साइबर सिटी तक 26.65 किमी लंबा मुख्य कॉरिडोर एलिवेटेड होगा, जिसमें कुल 27 स्टेशन होंगे। दिल्ली मेट्रो की यलो लाइन के साथ एक डिपो इंटरचेंज भी बनाया जाएगा, जो गुरुग्राम और दिल्ली के महत्वपूर्ण हिस्सों के बीच सीधी कनेक्टिविटी को मजबूत करेगा। इस मेट्रो लाइन के निर्माण से गुरुग्राम की जनता को बेहतर सुविधाएं मिलेंगी और शहर का विकास गति से आगे बढ़ेगा।

यह परियोजना शहर के सामाजिक और आर्थिक विकास में महत्वपूर्ण योगदान देगा और गुरुग्राम को एक मॉडर्न और उन्नत नगर बनाने में मदद करेगा।

रियल एस्टेट डेवलपर्स ने 2022-24 में रिकॉर्ड तोड़ जमीन खरीदी

- पहले एकड़ जमीन 1,603 एकड़ में 18,112 करोड़ रुपये में खरीदी गई

नई दिल्ली।

रियल एस्टेट डेवलपर्स ने 2022-24 के दौरान 5,885 एकड़ जमीन 90,000 करोड़ रुपये में खरीदी है जिससे आवास और कमर्शियल संपत्तियों की मांग को पूरा करने के लिए प्रोजेक्ट विकसित किए जा सकें। जेएलएल इंडिया के अनुसार इसमें पहले एकड़ जमीन 1,603 एकड़ में 18,112 करोड़ रुपये में खरीदी गई, 2023 में 1,947 एकड़ में 32,203 करोड़ रुपये में और 2024 में 2,335 एकड़ में 39,742 करोड़ रुपये में। इस डेटा के मुताबिक, रियल एस्टेट डेवलपर्स ने 2022 में 1,603 एकड़ जमीन 18,112 करोड़ रुपये में, 2023 में 1,947 एकड़ जमीन 32,203 करोड़ रुपये में खरीदी। 2024 के दौरान, डेवलपर्स द्वारा जमीन खरीद 2,335 एकड़ तक पहुंच गई, जिसकी कीमत 39,742 करोड़ रुपये थी। 2022-24 के दौरान, रियल एस्टेट डेवलपर्स ने 5,885 एकड़ जमीन 90,057 करोड़ रुपये में खरीदी। इस डेटा में केवल रियल एस्टेट डेवलपर्स द्वारा सीधे खरीद को किया गया है। डेवलपर्स और जमीन मालिकों के

बीच हुए जॉइंट डेवलपमेंट एग्रीमेंट को विश्लेषण में शामिल नहीं किया गया है। बेंगलुरु, चेन्नई, दिल्ली-एनसीआर, हैदराबाद, कोलकाता, मुंबई मेट्रोपॉलिटन रीजन और पुणे जैसे टियर 1 शहरों में कंपनी ने अपनी मजबूत स्थिति बनाए रखी और जमीन खरीद का 72 प्रतिशत हिस्सा इनका रहा। टियर 2 और 3 शहरों ने 28 प्रतिशत हिस्सा हासिल किया, जो 662 एकड़ जमीन के बराबर है। रिपोर्ट में कहा गया कि 2024 में 2,335 एकड़ जमीन की खरीद से 194 मिलियन (1,940 लाख) वर्ग फीट रियल एस्टेट का डेवलपमेंट पोटेंशियल पैदा होगा। इसकी कुल कीमत जिसकी कीमत 39,742 करोड़ रुपये थी। जेएलएल इंडिया ने कहा कि 2024 में खरीदी गई 81 प्रतिशत जमीन का इस्तेमाल रिहायशी प्रोजेक्ट्स के विकास के लिए होगा।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

भारतीय एथलीट विस्पी खराडी ने बनाया वर्ल्ड रिकॉर्ड, एलन मस्क ने भी शेयर की उनकी उपलब्धि

सूरत (एजेंसी)। भारतीय एथलीट विस्पी खराडी ने हरक्यूलिस पिलर को सबसे ज्यादा समय तक होल्ड करके गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड में अपना नाम दर्ज करा लिया है। यह रिकॉर्ड तोड़ने वाली उपलब्धि गुजरात के सूरत में हुई, जहां खराडी ने 2 मिनट और 10.75 सेकंड तक विशाल पिलर को पकड़कर अपनी असाधारण ताकत का प्रदर्शन किया।

ग्रीक वास्तुकला से प्रेरित ये खंभे 123 इंच ऊंचे थे और इनका व्यास 20.5 इंच था। 166.7 किलोग्राम और 168.9 किलोग्राम वजन वाले इन खंभों ने इंसान की सहनशक्ति और ताकत की सीमाओं को लांघ दिया। गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स ने आधिकारिक तौर पर उनकी इस अविश्वसनीय उपलब्धि को मान्यता दी और उसका नाम रिकॉर्ड बुक में दर्ज किया।

खराडी ने इस उपलब्धि के बाद एक्स पर लिखा कि उनके इस कारनामे को तब और पहचान मिली जब टेक अरबपति एलन मस्क ने उनके प्रदर्शन का एक वीडियो फिर से शेयर किया। वीडियो को मूल रूप से गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स के आधिकारिक एक्स अकाउंट द्वारा पोस्ट किया गया था।

खराडी ने एक्स पर लिखा, %यह जानकर वाकई बहुत अच्छा लगा कि एलन मस्क ने मेरा गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड वीडियो एक्स पर शेयर किया है। मैं बहुत खुश हूं और सातवें आसमान पर हूं। इसके अलावा मुझे इस बात पर बहुत गर्व है कि एक भारतीय की ताकत के क्षेत्र में दुनिया भर में प्रशंसा हो रही है।%

खराडी की एक्स पर बयां की गई बायो के मुताबिक उनके नाम कई ब्लैक बेल्ट और 13 गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड शामिल हैं। फिटनेस विशेषज्ञ होने के अलावा वह सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के कमांडो को निहत्थे युद्ध का प्रशिक्षण देते हैं। उनके पिछले कुछ रिकॉर्ड में एक मिनट में सबसे ज़्यादा ड्रिंक कैन को हाथ से कुचलना और अपने सिर से सबसे ज़्यादा लोहे की सलाखों को मोड़ना शामिल है।

20 साल बाद फिर आई लव यू का प्लेकार्ड पकड़े पहुंची प्रशंसक को देखकर हैरान हुए जहीर

मुम्बई (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व तेज गेंदबाज जहीर खान के संन्यास लिए हुए काफी समय हो गया पर अभी भी उनके प्रशंसकों की तादाद काफी अधिक है। जहीर आईपीएल 2025 के लिए लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कोच बनाये गये है। इसी कारण वह लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के कैंप पहुंचे थे। जहीर जब होटल पहुंचे तो प्रशंसकों और कर्मचारियों ने उनका स्वागत किया। इस दौरान उनके कई प्रशंसक भी साथ में नजर आये। इन्हीं में एक ऐसी भी प्रशंसक थी जो आई लव यू लिखा हुआ एक प्लेकार्ड पकड़े हुए थी। जब जहीर को बताया गया कि ये वहीं लड़की थी जोकि 20 साल पहले भारत और पाकिस्तान टेस्ट के दौरान इसी तरह का प्लेकार्ड पकड़े हुए थी तो वह हैरत में पड़ गये। स्वागत वीडियो में, जहीर प्लेकार्ड को देखकर बेहद खुश नजर आये।

जहीर को गौतम गंभीर की जगह पर सुपर जायंट्स के कोच की जिम्मेदारी दी गयी है। वह युवा गेंदबाजी लाइनअप के साथ मिलकर काम करेंगे और उन्हें उनकी कमियों को दूर करने की सलाह देंगे। जहीर ने कहा कि लखनऊ आईपीएल में अपेक्षाकृत नई फ्रेंचाइजी है पर इसकी नींव मजबूत है। उन्होंने साथ ही कहा कि इस टीम ने काफी प्रगति की है। प्लेऑफ में पहुंचने की निरंतरता से ये साबित होता है। इससे मेरा भी मनोबल टीम को लेकर बढ़ा हुआ है। अब मैं फ्रेंचाइजी की सफलता में योगदान देने तैयार हूं। इस सत्र में टीम की कप्तानी विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत कर रहे हैं।

डब्लयूपीएल में जीत के साथ ही मुम्बई इंडियंस के नाम हुए सबसे अधिक खिताब

नई दिल्ली (एजेंसी)। मुंबई इंडियंस ने महिला प्रीमियर लीग (डब्लयूपीएल) के खिताबी मुकाबले मे दिल्ली कैपटल्स को हराकर एक बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। अब मुम्बई इंडियंस टी20 क्रिकेट की सबसे सफल टीम बन गयी है। पुरुष और महिला वर्ग को मिलाकर उसने अलग-अलग लीग में देखें तो अब तक कुल 12 खिताब जीते हैं। उसने साल 2008 में आईपीएल में जीत के साथ ही अपना अभियान शुरु किया था।

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में उसने 2013, 2015, 2017, 2019, 2020 के साथ ही कुल पांच खिताब जीते हैं।

उसने साल 2019 और 2020 में लगातार खिताब जीते हैं।

अंतरराष्ट्रीय टी20 लीग में भी मुंबई इंडियंस ने दो बार खिताब जीता है। साल 2011 में हरभजन सिंह और 2013 में रोहित शर्मा की कप्तानी में टीम ने शानदार प्रदर्शन किया।

वहीं महिला प्रीमियर लीग में उसेन 2023, 2025 में जीत के साथ ही दो खिताब अपने नाम किये हैं। मुंबई इंडियंस ने 2023 में शुरू हुई डब्ल्यूपीएल के पहले संस्करण में खिताब जीता था। तब टीम को हरमनप्रीत कौर की कप्तानी में जीत मिली थी।

वहीं अमेरिका में शुरू हुई मेजर क्रिकेट लीग (एमएलसी) में उसे 2023 में एक बार जीत मिली है।

इसके अलावा संयुक्त अरब अमीरात में अंतर्राष्ट्रीय लीग टी20 (आईएलटी20) में टीम को साल 2024 में जीत मिली थी।

इसके अलावा दक्षिण अफ्रीका में हुए एसए 2025 में मुंबई इंडियंस की सहयोगी टीम, एमआई केप टाउन ने खिताब जीता था।

शमी-बुमराह को फिटनेस दिलाने वाले नितिन पटेल ने लिया पद छोड़ने का फैसला

-टीम इंडिया को झटका, अब बीसीसीआई जल्द करेगा नए फिजियो की तलाश

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) की स्पोर्ट्स साइंस विंग में बड़ा बदलाव होने वाला है, क्योंकि इसके प्रमुख नितिन पटेल ने इस्तीफा देने का फैसला कर लिया है। वह इस माह के आखिर तक ही अपनी सेवाएं देंगे। पटेल भारतीय क्रिकेट टीम और मुंबई इंडियंस के फिजियोथेरेपिस्ट के रूप में भी काम कर चुके हैं। अब बीसीसीआई जल्द ही उनके स्थान पर नए फिजियो की तलाश शुरु करेगा।

एक रिपोर्ट के मुताबिक नितिन पटेल फिलहाल अपना नोटिस पीरियड पूरा कर रहे हैं। उनका कार्यकाल अप्रैल 2022 में शुरू हुआ था, जो अब खत्म होने वाला है। इस दौरान उन्होंने भारतीय टीम के कई दिग्गज खिलाड़ियों की फिटनेस, वर्कलोड मैनेजमेंट की जिम्मेदारी संभाली।

नितिन पटेल ने मोहम्मद शमी की वापसी में अहम भूमिका निभाई थी। लंबे समय तक चोटिल रहने के बाद शमी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में शानदार प्रदर्शन कर भारत को खिताबी जीत दिलाने में अहम भूमिका निभाई। इसके अलावा पटेल वर्तमान में जसप्रीत बुमराह के रिहैब का भी नेतृत्व कर रहे हैं, जो बॉर्डर-गावस्कर ट्रॉफी के दौरान चोटिल हो गए थे। उनकी देखरेख में श्रेयस अय्यर और जसप्रीत बुमराह ने 2023 वनडे विश्व कप से पहले फिटनेस हासिल की थी। इस विश्व कप में भारत ने फाइनल तक का सफर तय किया था, जहां श्रेयस अय्यर ने 530 रन बनाए थे और बुमराह ने 20 विकेट लिए थे।

पटेल के इस्तीफा देने का कारण अभी स्पष्ट नहीं हुआ है। रिपोर्ट्स के मुताबिक उन्होंने अपने कागजात जमा कर दिए हैं। अब देखना है कि बीसीसीआई इस पद के लिए किसे नियुक्त करता है। जसप्रीत बुमराह अपनी चोट से उबर रहे हैं, और इस बात की अटकलें हैं कि वह इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 के शुरुआती कुछ मैचों से बाहर रह सकते हैं। पटेल का जाना भारतीय क्रिकेट की फिटनेस और चोट प्रबंधन प्रणाली के लिए बड़ी चुनौती बन सकता है।

अब मेरे को शायद ही ऑस्ट्रेलिया जाने का अवसर मिले : विराट

नई दिल्ली । भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान विराट कोहली को लगता है कि अब उन्हें ऑस्ट्रेलिया दौरे पर खेलने का अवसर शायद ही मिले। कोहली ने बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी में शानदार शतक के साथ शुरुआत की थी पर इसके बाद के मुकाबलों में वह असफल रहे थे। जिससे भारतीय टीम को सीरीज में हार मिली थी। इससे भारतीय टीम विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल की दौड़ से भी बाहर हो गयी थी। विराट ऑस्ट्रेलिया दौरे में 9 पारियों में 23.75 की औसत के साथ 190 रन ही बना पाये। कोहली को अंदाजा है कि उन्हें फिर से ऑस्ट्रेलिया में टेस्ट सीरीज खेलने का मौका नहीं मिलेगा। उन्होंने आरसीबी के एक कार्यक्रम में कहा, 'अगर आप मुझसे यह पूछेंगे कि मुझे कितनी ज्यादा निराशा होती है, किसी हार के बाद तो उसमें ऑस्ट्रेलिया का हाल का दौरा सबसे पहला रहा। यह मुझे इसलिए भी ज्यादा निराश करने वाला रहा क्योंकि अब शायद ही मुझे दोबारा ऑस्ट्रेलिया में जाकर फिर से चार साल के बाद टेस्ट खेलने का अवसर मिले।' उन्होंने आगे कहा, 'मैंने जो गलतियां ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर इस बार की है उसको ठीक करने का अवसर मिलना संभव नहीं है। ऐसे में जो कुछ भी आपके साथ जीवन में हो गया उसके बारे में शांति से सोचना होता है और उसी के साथ रहना पड़ेगा। अगर आप देखें तो 2014 के इंग्लैंड दौरे के बाद मेरे पास 2018 में वापस से जाकर गलतियों को सुधारने का मौका था जिसे मैंने किया पर इस बार ऑस्ट्रेलिया दौरे पर जो हुआ उसमें सुधार नहीं कर पाउंगा।'

डब्ल्यूपीएल फाइनल में मिली हार पर दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच ने निराशा जतायी

मुंबई । दिल्ली कैपिटल्स के मुख्य कोच जोनाथन बैटी ने महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के फाइनल में टीम की हार पर निराशा जताते हुए कहा कि उनकी टीम मैच का दबाव नहीं झेल पायी। दिल्ली कैपिटल्स डब्ल्यूपीएल के फाइनल में मुंबई इंडियंस से मिले 150 रनों के लक्ष्य का पीछा करते हुए 142 रनों पर ही सिमट गयी। ये तीसरी बार है जब टीम को इस प्राकर से हार का सामना करना पड़ा है। इससे पहले दो सत्रों में भी उसे आरसीबी और मुंबई के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। कोच बैटी ने कहा, 'सभी बहुत दुखी हैं। मुझे लगता है कि इस विकेट पर हम 150 रन तक पहुंच सकते थे पर बड़े फाइनल खेलने का दबाव खिलाड़ी झेल नहीं पाए हालांकि मुंबई की टीम ने बेहतर प्रदर्शन किया। इसलिए उसे जीत का श्रेय मिलना ही चाहिये। उन्होंने मैच में लगातार अपनी पकड़ बनाये रखी जिससे हमारे लिए मुश्किलें बनी रहीं। उन्होंने कहा कि पिछले दो फाइनल हारने का उनकी टीम पर कोई मनोवैज्ञानिक दबाव नहीं था। उन्होंने कहा, 'सभी लड़कियां काफी उत्साहित होकर उतरीं थीं। मैं उन्हें दोष नहीं देता। इससे पहले कहा जा रहा था कि पिछले दो फाइनल हारने से दबाव था पर से सही नहीं था। सभी खिलाड़ी काफी सकारात्मक और आत्मविश्वास से भरी थीं।

आईपीएल 2025 : सनराइजर्स हैदराबाद से जुड़ने को तैयार नीतीश रेड्डी

नई दिल्ली । भारतीय ऑलराउंडर नीतीश कुमार रेड्डी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के लिए खेलने को पूरी तरह तैयार हैं। साइड स्ट्रेन की समस्या के कारण जनवरी से बाहर चल रहे नीतीश ने अब अपना फिटनेस टेस्ट पास कर लिया हैं और बीसीसीआई फिजियो ने उन्हें खेलने की मंजूरी दे दी है। 21 वर्षीय नीतीश रेड्डी ने आखिरी बार 22 जनवरी को इंग्लैंड के खिलाफ ईडन गार्डन्स में पहला टी20 अंतरराष्ट्रीय मैच खेला था। हालांकि, उन्हें बल्लेबाजी या गेंदबाजी का मौका नहीं मिला। इसके बाद, चेन्नई में दूसरे टी20 मैच से पहले नेट्स में अभ्यास के दौरान उनकी चोट बढ़ गई, जिसके कारण उन्हें पूरी पांच मैचों की सीरीज से बाहर होना पड़ा। नीतीश ने बेंगलुरु में बीसीसीआई के 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' में फिटनेस टेस्ट पास किया, जिसमें यो-यो टेस्ट भी शामिल था। इससे पहले, आईपीएल 2024 की नीलामी से पहले सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें 6 करोड़ रुपये में रिटेन किया था। आईपीएल 2024 में उन्होंने 13 मैचों में 143 की स्ट्राइक रेट से 303 रन बनाए थे और अपनी टीम के लिए एक उपयोगी ऑलराउंडर के रूप में उभरे थे। नीतीश रेड्डी का हालिया फॉर्म भी शानदार रहा है। उन्होंने भारत के ऑस्ट्रेलिया दौरे के दौरान मेलबर्न में खेले गए चौथे टेस्ट में 114 रनों की यादगार पारी खेली थी, जिससे उनकी बल्लेबाजी क्षमता पर भी भरोसा बढ़ा है। आईपीएल 2025 में एसआरएच का पहला मुकाबला 23 मार्च को अपने घरेलू मैदान हैदराबाद में राजस्थान रॉयल्स के खिलाफ होगा। ऐसे में टीम और प्रशंसकों को उम्मीद है कि नीतीश अपनी फिटनेस और फॉर्म से एक बार फिर प्रभावित करेंगे और टीम के लिए अहम भूमिका निभाएंगे।

एफ 1: मैकलारेन के नोरिस ने ऑस्ट्रेलियाई जीपी जीती, हैमिल्टन फेरारी के साथ डेब्यू में 10वें स्थान पर

नई दिल्ली (एजेंसी)। लैंडो नोरिस ने एफ1 2025 अभियान की शानदार शुरुआत करते हुए मैक्स वर्स्टैपेन के आखिरी समय में बढ़त को रोकते हुए रविवार 16 मार्च को ऑस्ट्रेलियाई जीपी जीता। बारिश और रोमांच से भरी इस रेस में लुईस हैमिल्टन ने फेरारी की तरफ से डेब्यू करते हुए 10वां स्थान हासिल किया, जबकि मर्सिडीज के जॉर्ज रसेल तीसरे स्थान पर रहे।

अपने गृहनगर के हीरो ऑस्कर पियास्ट्री के लिए यह दिल तोड़ने वाला था क्योंकि एक समय पर वह बढ़त लेने की दौड़ में बने हुए थे, लेकिन बारिश की वजह से एक गलती के कारण वह पिछड़ गए और क्रम से पीछे हो गए। फेरारी के लिए यह निराशाजनक रेस वीकेंड रहा, क्योंकि उनकी योजना विफल हो गई और रेस के अंतिम चरण की ओर एक बड़ा दाव उल्टा पड़ गया।

रविवार को रेस की शुरुआत से ही बारिश के कारण जैक डूलहान की कार दीवार से टकरा गई और पिछले साल के विजेता कार्लोस सैन्ज भी सेफ्टी कार के ट्रैक पर होने

के बावजूद दुर्घटनाग्रस्त हो गए। आठवें लैप के करीब ग्रीन फ्लैग दिखाई दिया, जिसमें नॉरिस आगे चल रहे थे और उनके ठीक पीछे वेरस्टैपेन थे। हैमिल्टन के लिए यह शुरुआत से ही निराशाजनक रेस थी, क्योंकि उनके आगे एल्बोन ने उन्हें नियंत्रित रखा हुआ था।

पियास्ट्री, जो वेरस्टैपेन का पीछा कर रहे थे, अंततः लैप 17 में एक शानदार चाल के साथ विश्व चैंपियन से आगे निकल गए। वेरस्टैपेन के टायर घिस रहे थे और उनकी स्पीड भी गिरने लगी, एक समय पर नॉरिस 10 सेकंड की बढ़त पर थे। पियास्ट्री नॉरिस करीब आने लगे, लेकिन उन्हें अपना स्थान बनाए रखने के लिए कहा गया, इससे पहले कि उन्हें बताया गया कि वे 34वें लैप में रेस के लिए स्वतंत्र हैं।

अलोंसो दुर्घटनाग्रस्त हो गया और यह ड्राइवरों के लिए टायर बदलने का समय था, जो वेरस्टैपेन, नॉरिस और हैमिल्टन जैसे लोगों ने किया। लेकिन और बारिश की वजह से नॉरिस और पियास्ट्री दोनों ही ट्रैक से बाहर हो गए। ऑस्ट्रेलियाई खिलाड़ी की हालत खराब रही क्योंकि बारिश बढ़ने के साथ ही वह ग्रिड के पीछे चले गए और वेरस्टैपेन ने बढ़त ले ली।

फेरारी ने सोचा था कि उन्होंने एक मास्टरस्ट्रोक किया है जब उन्होंने दोनों को बाहर कर दिया जबकि अन्य लोग इंटरमीडिएट में बदलने आए थे, लेकिन डॉसन और बोर्टोलेटो के दुर्घटनाग्रस्त होने के बाद सेफ्टी कार एक बार फिर आ गई। नॉरिस ने वेरस्टैपेन से आगे सेफ्टी कार के साथ फिर से बढ़त हासिल कर ली। वह 52वें लैप पर रेसिंग की स्थिति में वापस आ गए। नॉरिस ने शानदार रीस्टार्ट किया क्योंकि पियास्ट्री ऑर्डर में वापस आने के लिए संघर्ष कर रहे थे। वेरस्टैपेन ने नॉरिस पर दबाव बनाए रखने की पूरी कोशिश की जबकि अल्बोन चौथे स्थान के लिए एंटोनेली से जूझते रहे।

मर्सिडीज ड्राइवर को 5 सेकंड की पेनल्टी दी गई और नॉरिस द्वारा चेकर्ड फ्लैग लेने के बाद एल्बोन ने चौथा स्थान प्राप्त किया। हैमिल्टन अंत में वह गुस्से में थे क्योंकि पियास्ट्री ने उन्हें पीछे छोड़ते हुए नौवां स्थान प्राप्त किया। अगली रेस 23 मार्च को होगी क्योंकि ड्राइवर अब चीनी ग्रैंड प्रिक्स के लिए तैयार होंगे।

इस बार आईपीएल-2025 में बदले नजर आएंगे कई टीमों के कप्तान

-चेन्नई ने ऋतुराज तो लखनऊ ने ऋषभ पंत को सौंपी है कमान

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार कई टीमों ने कप्तान बदले हैं। चेन्नई सुपरकिंग्स की कमान ऋतुराज गायकवाड़ के हाथ में सौंपी गई है। चेन्नई ने पिछले सीजन में ही ऋतुराज को कप्तानी सौंपी थी। जब सभी टीमों के कप्तान फोटो सेशन के लिए आए तब जाकर इसके बारे में पता चला था। वहीं लखनऊ सुपरजायंट्स ने इस सीजन में अपना कप्तान बदला है। लखनऊ ने ऋषभ पंत को टीम कप्तान बनाया है। पंत को एलएसजी की टीम ने 27 करोड़ रुपए की भारी-भरकम रकम चुकाकर अपने साथ किया है।

मुंबई इंडियंस ने पिछले साल ही रोहित शर्मा की जगह हार्दिक पांड्या को कप्तान दिया था। हालांकि पिछले सीजन में हार्दिक की खूब आलोचना हुई थी। इसके बाद हार्दिक ने टी20 वर्ल्डकप और चैंपियंस ट्रॉफी में अपने अच्छे खेल से प्रशंसकों का दिल जीता है। उन्हें इस सीजन में समर्थन की उम्मीद है। सनराइजर्स हैदराबाद ने आईपीएल में काफी संघर्ष किया है। हालांकि पिछले सीजन में उन्होंने ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस को कमान सौंपी थी। इसके बाद कमिंस एसआरएच को फाइनल तक ले गए थे।

वहीं कोलकाता नाइट राइडर्स ने भी नेतृत्व परिवर्तन किया है। पिछले साल केकेआर को चैंपियन बनाने वाले श्रेयस अय्यर को रिटेन नहीं किया। अब इस साल उन्होंने अजिंक्या रहाणे को कप्तान बनाया है। उम्मीद है रहाणे के अनुभव का फायदा केकेआर को मिलेगा।

पिछले साल जब हार्दिक पांड्या गुजरात का साथ छोड़कर गए थे तो टीम ने उनकी जगह गिल को कप्तान बनाया था। हालांकि गिल के लिए बतौर कप्तान पहला सीजन यादगार नहीं रहा, लेकिन इस साल टीम इंडिया में अच्छे प्रदर्शन के बाद वह अपनी फ्रेंचाइजी के लिए इसे दोहराना चाहेंगे। पंजाब किंग्स ने भी अपना कप्तान बदल दिया है। अभी तक टीम की कप्तानी शिखर धवन कर रहे थे। इस साल पंजाब ने श्रेयस को कप्तानी सौंप दी है।

दिल्ली कैपिटल्स का इस सीजन में कप्तान कौन होगा, इसको लेकर काफी ऊहापोह की स्थिति थी। वजह, उनके खेमे में लखनऊ के कप्तान रहे केएल राहुल भी थे और आरसीबी की कमान संभालने वाले फाफ डू प्लेसिस भी, लेकिन दिल्ली की बागडोर अक्षर पटेल को मिली है। संजू सैमसन लंबे अरसे से राजस्थान रॉयल्स के कप्तान हैं। उनकी कप्तानी में टीम का अच्छा प्रदर्शन रहा है। अब उन्हें कोच के रूप में राहुल द्रविड़ का साथ मिला है। हालांकि टीम से बटलर, चहल और ट्रेंट बोल्ट के जाने की कमी खलेगी, लेकिन सैमसन चाहेंगे कि इस बार वह अपनी टीम से बेस्ट निकालकर दें। फाफ डु प्लेसिस के जाने के बाद आरसीबी के फैन्स चाहते थे कि कप्तानी एक बार फिर विराट कोहली को सौंप दी जाए, लेकिन आरसीबी टीम मैनेजमेंट ने युवा खून के साथ जाने का फैसला किया। ऐसे में रजत पाटीदार को नया कप्तान बनाया है।

धोनी का वीडियो देख फैंस ने कहा, लगता हैं बाबा माही ने बॉलर्स को वॉर्निंग दे डाली

मुंबई । आईपीएल 2025 का आगाज होने वाला है। इसके साथ ही एमएस धोनी के प्रशंसकों का इंतजार बढ़ चुका है। सीएसके नेट्स सेशन से धोनी का ताजा वीडियो सामने आया है। वीडियो को देखकर लगा रहा इस साल भी धोनी अपना अंदाज बदलने वाले नहीं है। ऐसा लग रहा हैं कि माही ने आईपीएल शुरू होने से ही बॉलर्स को वॉर्निंग दे डाली है कि इस सीजन भी उनकी खैर नहीं। वहीं, वीडियो देखकर फैंस का एक्साइटमेंट बढ़ गया है। लोगों के रिएक्शन से साफ जाहिर है कि उन्हें धोनी को खेलते हुए देखने का किस कदर इंतजार है। धोनी के प्रैक्टिस सेशन का वीडियो एक्स पर आते ही फैंस के कमेंट्स की बहार आ गई है। लोगों ने तरह-तरह की प्रतिक्रिया दे रहे है। एक यूजर ने लिखा है, सीएसके की पारी का 20वां ओवर। एक अन्य यूजर ने लिखा है कि आईपीएल के अंतिम साल में हम सभी को शायद धोनी की बल्ले से कोई कमाल और देखने को मिले है। कुछ यूजर ने लिखा है थाला दर्शनम और वहीं, एक यूजर ने लिखा है अच्छे टच में नजर आ रहे हैं। बता दें कि धोनी पूरे साल क्रिकेट से दूर रहते हैं। आईपीएल शुरू होने से कुछ कुछ हफ्ते पहले वे नेट्स पर पहुंचते हैं और प्रैक्टिस शुरू करते हैं। पिछले साल आईपीएल में धोनी अंत के कुछ ओवरों में उतरते थे और बेहद आक्रामक अंदाज में छक्के उड़ाते थे। जिस भी ग्राउंड पर चेन्नई सुपरकिंग्स की टीम खेलने पहुंचती थी वहां धोनी के फैंस का जमावड़ा देखने को मिलता था।

आईपीएल 2025: इम्पैक्ट प्लेयर नियम से बदलेगी टीमें, रणनीतियों में होगा बड़ा बदलाव

नई दिल्ली (एजेंसी)। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) 2025 की शुरुआत 22 मार्च से हो रही है, और इस बार भी इम्पैक्ट प्लेयर नियम सुर्खियों में रहने वाला है। आईपीएल 2023 में पहली बार लागू किए गए इस नियम ने टीमों को एक नई रणनीतिक बढ़त दी थी, जिससे मैच के दौरान किसी भी खिलाड़ी को बदला जा सकता है। इस नियम ने न सिर्फ टीमों के संतुलन को बदला बल्कि कप्तानों को नई रणनीतियां बनाने पर मजबूर कर दिया। इम्पैक्ट प्लेयर नियम के तहत, टॉस के बाद हर टीम प्लेइंग इलेवन के अलावा पांच और खिलाड़ियों के नाम देती है। मैच के दौरान इनमें से कोई भी एक खिलाड़ी इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में किसी भी खिलाड़ी की जगह ले सकता है। यह नियम पहले से सैयद मुश्ताक अली ट्रॉफी और ऑस्ट्रेलिया की बिग बैश लीग में लागू हो चुका था, लेकिन आईपीएल में इसे पहली बार 2023 में आजमाया गया था। इस नियम से कप्तानों को यह लाभ मिला कि वे टॉस के बाद भी अपनी टीम की रणनीति को मैच की परिस्थितियों के अनुसार बदल सकते हैं।

इस नियम का सबसे बड़ा फायदा यह है कि टॉस का प्रभाव कम हो जाता है। कप्तानों को टॉस के समय टीम शीट देने की जरूरत नहीं होती, जिससे वे मैच की परिस्थिति के अनुसार रणनीति बना सकते हैं। हालांकि, इस नियम के कुछ सीमित उपयोग भी हैं। टीमें इस नियम का उपयोग विदेशी खिलाड़ियों की संख्या बढ़ाने के लिए नहीं कर सकतीं। अगर मैदान पर पहले से ही चार विदेशी खिलाड़ी खेल रहे हैं, तो इम्पैक्ट प्लेयर सिर्फ भारतीय खिलाड़ी ही हो सकता है। लेकिन अगर किसी टीम ने अपने प्लेइंग इलेवन में चार से कम विदेशी खिलाड़ी उतारे हैं, तो वे एक विदेशी खिलाड़ी को इम्पैक्ट प्लेयर के रूप में इस्तेमाल कर सकते हैं।

आईपीएल 2023 के पहले ही मैच में इस नियम का इस्तेमाल देखने को मिला था, जब गुजरात टाइटन्स ने चोटिल केन विलियमसन की जगह साई सुदर्शन को उतारा था, जबकि चेन्नई सुपर किंग्स ने अंबाती रायुडू की जगह तुषार देशपांडे को मैदान में भेजा था। इसके बाद से हर टीम ने इस नियम का भरपूर फायदा उठाया और इसे अपनी रणनीति का अहम हिस्सा बना लिया। आईपीएल 2025 में यह नियम एक बार फिर से मैचों के नतीजों पर बड़ा प्रभाव डाल सकता है। टीमों को इस नियम का बुद्धिमानी से उपयोग करना होगा ताकि वे अपनी रणनीति को और अधिक प्रभावी बना सकें और मुकाबले के दौरान मैच को अपने पक्ष में मोड़ सकें।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

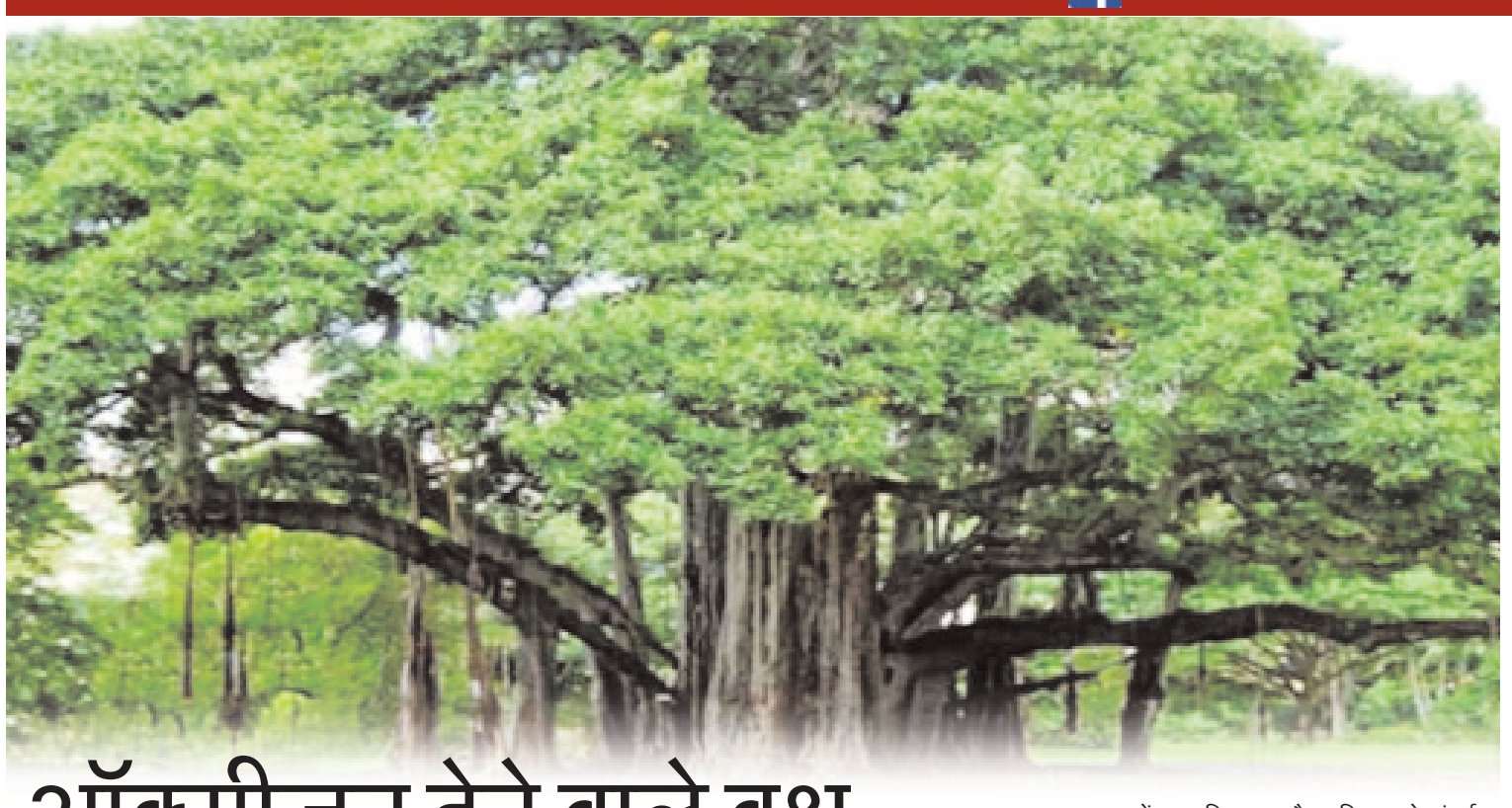

ऑक्सीजन देने वाले वृक्ष के आध्यात्मिक रहस्य

हर धर्म में पेड़, पौधे और वृक्षों का बहुत महत्व है, परंतु इसको कोई महत्व नहीं देता है। जिस देजी से वृक्ष कटते जा रहे हैं उससे धरती का पर्यावरण ही नहीं बदल रहा है बल्कि जीवन में संकट में हो चला है। धरती पर ऑक्सीजन का निर्माण करने में वृक्षों की महत्वपूर्ण भूमिका होती है। वृक्ष नहीं होंगे तो एक दिन वायु भी नहीं होगी और वायु नहीं होगी तो फिर मानव भी नहीं होगा। आओ जानते हैं वृक्ष के 20 रहस्य।

- शास्त्रों के अनुसार जो व्यक्ति एक पीपल, एक नीम, दस इमली, तीन कैथ, तीन बेल, तीन आंवला और पांच आम के वृक्ष लगाता है, वह पुण्यात्मा होता है और कभी नरक के दर्शन नहीं करता। इसी तरह धर्म शास्त्रों में सभी तरह से वृक्ष सहित प्रकृति के सभी तत्वों के महत्व की विवेचना की गई है।
- भारतीय धर्म मानता हैं कि प्रकृति ही ईश्वर की पहली प्रतिनिधि है। प्रकृति के सारे तत्व ईश्वर के होने की सूचना देते हैं। इसीलिए प्रकृति को देवता, भगवान और पितृ माना गया है। यहां प्रत्येक देवी और देवता से एक वृक्ष, एक पशु या एक पक्षी जुड़ा हुआ है। यहां तक की ग्रह और नक्षत्र भी जुड़े हुए हैं। धर्म मानता है कि दूरस्थ स्थिति ध्रुव तारा भी हमारे जीवन को संचालित कर रहा है। फिर हिमालय के ग्लेशियर और चंद्रमा के तो कहने ही क्या। संपूर्ण ब्रह्मांड एक दूसरे से जुड़ा हुआ है। एक कड़ी टूटी तो सबकुछ बिखर जाएगा। यह ब्रह्मांड उल्टे वृक्ष की भांति है।
- धर्मानुसार पांच तरह के यज्ञ होते हैं जिनमें से दो यज्ञ- देवयज्ञ और वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति को समर्पित है। दोनों ही तरह के यज्ञों का वैज्ञानिक और धार्मिक महत्व है। देवयज्ञ से जलवायु और पर्यावरण में सुधार होता है तो वैश्वदेवयज्ञ प्रकृति और प्राणियों के प्रति कृतज्ञता प्रकट करने का तरीका है। सभी प्राणियों तथा वृक्षों के प्रति करुणा और कर्त्तव्य समझना उन्हें अन्न-जल देना ही भूतयज्ञ या वैश्वदेव यज्ञ कहलाता है।
- हिन्दू धर्मानुसार वृक्ष में भी आत्मा होती है। वृक्ष संवेदनशील होते हैं और उनके शक्तिशाली भावों के माध्यम से आपका जीवन बदल सकता है। प्रत्येक वृक्ष का गहराई से विश्लेषण करके हमारे ऋषियों ने यह जाना की पीपल और वट वृक्ष सभी वृक्षों में कुछ खास और अलग है। इनके धरती पर होने से ही धरती के पर्यावरण की रक्षा होती है। यही सब जानकर ही उन्होंने उक्त वृक्षों के संवरक्षण और इससे मनुष्य के द्वारा लाभ प्राप्ति के हेतु कुछ विधान बनाए गए उन्ही में से दो है पूजा और परिक्रमा।
- स्कन्द पुराण में वर्णित पीपल के वृक्ष में सभी देवताओं का वास है। पीपल की छाया में ऑक्सीजन से भरपूर आरोग्यवर्धक वातावरण निर्मित होता है। इस वातावरण से वात, पित्त और कफ का शमन-नियमन होता है तथा तीनों स्थितियों का संतुलन भी बना रहता है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इससे मानसिक शांति भी प्राप्त होती है।
- अथर्ववेद के उपवेद आयुर्वेद में पीपल के औषधीय

गुणों का अनेक असाध्य रोगों में उपयोग वर्णित है। औषधीय गुणों के कारण पीपल के वृक्ष को 'कल्पवृक्ष' की संज्ञा दी गई है। पीपल के वृक्ष में जड़ से लेकर पत्तियों तक तैंतीस कोटि देवताओं का वास होता है और इसलिए पीपल का वृक्ष प्रातः पूजनीय माना गया है। उक्त वृक्ष में जल अर्पण करने से रोग और शोक मिट जाते हैं। पीपल की पूजा का प्रचलन प्राचीन काल से ही रहा है। इसके कई पुरातात्विक प्रमाण भी है। गीता में भगवान कृष्ण कहते हैं, 'हे पार्थ वृक्षों में मैं पीपल हूं।' अश्वत्थोपनयन व्रत के संदर्भ में महर्षि शौनक कहते हैं कि मंगल मुहूर्त में पीपल वृक्ष की नित्य तीन बार परिक्रमा करने और जल चढ़ाने पर दरिद्रता, दुःख और दुर्भाग्य का विनाश होता है। पीपल के दर्शन-पूजन से दीर्घायु तथा समृद्धि प्राप्त होती है। अश्वत्थ व्रत अनुष्ठान से कन्या अखण्ड सौभाग्य पाती है। सड़क के किनारे पीपल का वृक्ष लगाने, तथा उसका पालन करने वाला देवलोक प्राप्त करता है। पीपल के वृक्षों का रोपण करने वाला इस लोक में तो कीर्ति प्राप्त करता है, मृत्युपरांत भी मोक्ष को प्राप्त होता है। इसमें संदेह नहीं है।

- बरगद को वटवृक्ष कहा जाता है। हिंदू धर्म में वट सावत्री नामक एक त्योहार पूरी तरह से वट को ही समर्पित है। हिंदू धर्मानुसार चार वटवृक्षों का महत्व अधिक है। अक्षयवट, पंचवट, वंशीवट, गयावट और सिद्धवट के बारे में कहा जाता है कि इनकी प्राचीनता के बारे में कोई नहीं जानता। संसार में उक्त चार वटों को पवित्र वट की श्रेणी में रखा गया है। प्रयाग में अक्षयवट, नासिक में पंचवट, वृंदावन में वंशीवट, गया में गयावट और उज्जैन में पवित्र सिद्धवट है।
- **आम है खास :** हिंदू धर्म में जब भी कोई मांगलिक कार्य होते हैं तो घर या पूजा स्थल के द्वार व दीवारों पर आम के पत्तों की लड़ लगाकर मांगलिक उत्सव के माहौल को धार्मिक और वातावरण को शुद्ध किया जाता है। अक्सर धार्मिक पांडाल और मंडपों में सजावट के लिए आम के पत्तों का इस्तेमाल किया जाता है। 5 या अधिक आम के वृक्षों का रोपण पालन करने वाला अनेक दुर्लभ यज्ञों के फल को प्राप्त कर सकता है।
- **भविष्यवक्ता शमी :** विक्रमादित्य के समय में सुप्रसिद्ध ज्योतिषाचार्य वराहमिहिर ने अपने बृहतसंहिता' नामक ग्रंथ के 'कुसुमलता' नाम के अध्याय में वनस्पति शास्त्र और कृषि उपज के संदर्भ में जो जानकारी प्रदान की है उसमें शमीवृक्ष अर्थात खिजड़े का उल्लेख मिलता है। वराहमिहिर के अनुसार जिस साल शमीवृक्ष ज्यादा फूलता-फलता है उस साल सूखे की स्थिति का निर्माण होता है। विजयादशमी के दिन इसकी पूजा करने का एक तात्पर्य यह भी है कि यह वृक्ष आने वाली कृषि विपत्ती का पहले से संकेत दे देता है जिससे किसान पहले से भी ज्यादा पुरुषार्थ करके आनेवाली विपत्ती से निजात पा सकता है।
- जो मनुष्य अपने घर में फलदार पेड़, पौधे आदि लगाता है और उसकी भली भांति देखभाल करता है, उसे आरोग्य की प्राप्ति होती है।
- जो मनुष्य 5 वट वृक्षों का रोपण और उसका पालन किसी चौराहे या मार्ग में करता है तो, उसकी सात पीढ़ियां तर जाती है। जो मनुष्य नीम के वृक्ष जितने अधिक लगाता है उतनी अधिक उसकी पीढ़ियां तर जाती है.
- वृक्षों के बाग या वाटिका लगाने वाला प्रसिद्धि प्राप्त करता है।
- जो भी व्यक्ति बिल्व वृक्ष का रोपण शिव मंदिर में करता है वह अकाल मृत्यु से मुक्त हो जाता है।
- घर में तुलसी, आंवला, निर्गुण्डी, अशोक, आदि के वृक्ष शुभ फलदायी होते हैं। शीशम के 11 वृक्ष को सड़क पर लगाने से यह लोक और परलोक दोनों ही संवर जाते हैं।
- कनक चम्पा के 2 वृक्ष लगाने वाले का सर्वार्थ कल्याण हो जाता है।
- 5 या अधिक महुआ के वृक्षों का रोपण और पालन करने वाला धन प्राप्त करता है। तथा उसे अनुरूप यज्ञों का फल भी प्राप्त होने लगता है।
- जो भी मनुष्य सड़क के किनारे 2 या 2 से अधिक मौलश्री के वृक्षों का रोपण एवं पालन करता है। वह एक सौ यज्ञों को करने का पुण्य प्राप्त करता है।
- जो भी मनुष्य 5 या अधिक अशोक वृक्ष का रोपण और पालन करता है, उसके घर परिवार में कभी भी अकाल मृत्यु नहीं होती है। उसके यहां अचानक कोई बड़ी मुसीबत खड़ी नहीं होती तथा उसे आगामी जन्म में पुण्यात्मा होने का सौभाग्य प्राप्त होता है।
- जो मनुष्य 5 पलास के वृक्षों का रोपण और पालन करते हैं। उसे 10 गौवों के दान के समतुल्य पुण्य लाभ मिलता है। पलास के वृक्षों को सड़क के किनारे अथवा किसी बड़े क्षेत्र में रोपना चाहिए। इसका रोपण घर में नहीं करना चाहिए।
- जो भी मनुष्य 2 या अधिक हारसिंगार (पारिजात) के पौधों का रोपण श्री हनुमानजी के मंदिर में अथवा नदी के किनारे या किसी भी सामाजिक स्थल पर करता है तो उसे एक लक्ष्य तोला स्वर्णदान के समतुल्य पुण्य प्राप्त होता है तथा उसे जीवन भर श्री हनुमानजी की कृपा मिलती रहती है।
- जो भी व्यक्ति सोमवार के दिन, प्रदोष वाले दिन, शिवरात्री को, श्रावणमास में किसी भी दिन अथवा शिवयोग वाले दिन 5 या अधिक बिल्व वृक्षों का रोपण और उसका नियमित पालन भी करता है तो उसे शिवलोक प्राप्त होता है। यदि इन वृक्षों को कोई भी मनुष्य शिव मंदिर में या मंदिर के समीप रोपण करता है तो निश्चय ही वह कोटि कोटि पुण्य का भागीदार तो होता ही है और उसे व उसके परिवार पर भगवान शिव की असीम अनुकम्पा भी प्राप्त होती है।

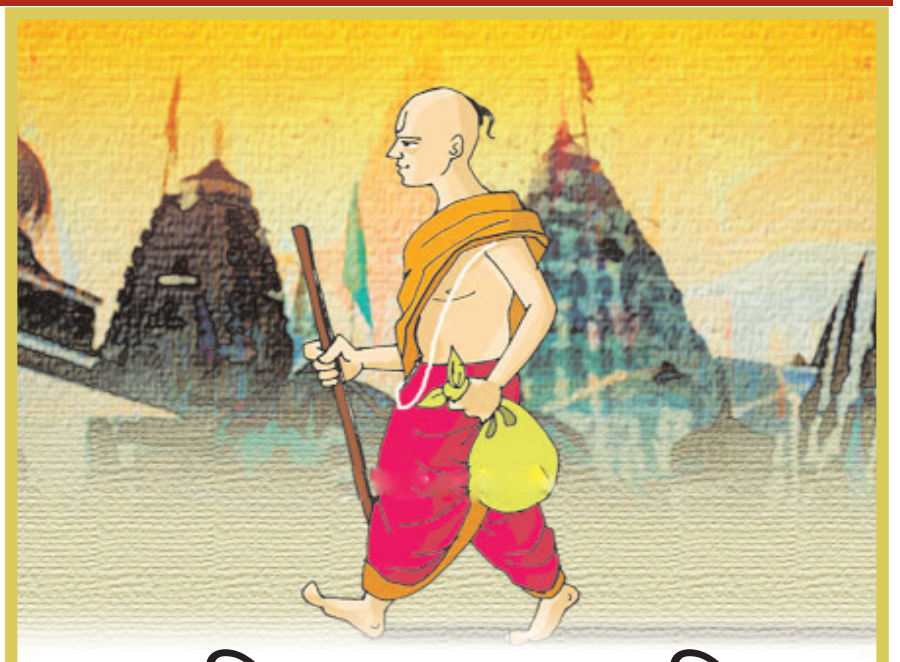

परिक्रमा या प्रदक्षिणा के 10 प्रकार

सभी ग्रह सूर्य की परिक्रमा कर रहे हैं और सभी ग्रहों को साथ लेकर यह सूर्य महासूर्य की परिक्रमा कर रहा है। संपूर्ण ब्रह्माण में चक्र और परिक्रमा का बड़ा महत्व है। भारतीय धर्मों (हिन्दू, जैन, बौद्ध आदि) में पवित्र स्थलों के चारो ओर श्रद्धाभाव से चलना 'परिक्रमा' या 'प्रदक्षिणा' कहलाता है। आओ जानते हैं कि किन किन की परिक्रमा की जाती है या कितने प्रकार की परिक्रमा की जाती है। ये हैं प्रमुख 10 परिक्रमाएं -

देवमंदिर परिक्रमा
जैसे देव मंदिर में जगन्नाथ पुरी परिक्रमा, रामेश्वरम, तिरुवन्नमल, तिरुवनन्तपुरम, शक्तिपीठ, ज्योतिर्लिंग आदि।

देव मूर्ति परिक्रमा
देवमूर्ति में शिव, दुर्गा, गणेश, विष्णु, हनुमान, कार्तिकेय आदि देवमूर्तियों की परिक्रमा करना।

नदी परिक्रमा
जैसे नर्मदा, सिंधु, सरस्वती, गंगा, यमुना, सरयु, क्षिप्रा, गोदावरी, कृष्णा, कावेरी परिक्रमा आदि।

पर्वत परिक्रमा
जैसे गोवर्धन परिक्रमा, गिरनार, कामदगिरि, मेरू पर्वत, हिमालय, नीलगिरी, तिरुमलै परिक्रमा आदि।

वृक्ष परिक्रमा
जैसे पीपल और बरगद की परिक्रमा करना।

तीर्थ परिक्रमा
जैसे चौरासी कोस परिक्रमा, अयोध्या, उज्जैन या प्रयाग पंचकोशी यात्रा, राजिम परिक्रमा, सप्तपुरी आदि।

चार धाम परिक्रमा
जैसे छोटा चार धाम (केदारनाथ, बद्रीनाथ, यमुनोत्री, गंगोत्री) परिक्रमा या बड़ा चार धाम (बद्रीनाथ, द्वारिका, जगन्नाथ और रामेश्वरम) यात्रा।

भरत खण्ड परिक्रमा
अर्थात संपूर्ण भारत की परिक्रमा करना। परिवाजक संत और साधु ये यात्राएं करते हैं। इस यात्रा के पहले क्रम में सिंधु की यात्रा, दूसरे में गंगा की यात्रा, तीसरे में ब्रह्मपुत्र की यात्रा, चौथे में नर्मदा, पांचवें में महानदी, छठे में गोदावरी, सातवें में कावेरी, आठवें में कृष्णा और अंत में कन्याकुमारी में इस यात्रा का अंत होता है। हालांकि प्रत्येक साधु समाज में इस यात्रा का अलग-अलग विधान और नियम है।

विवाह परिक्रमा
मनु स्मृति में विवाह के समक्ष वधू को अग्नि के चारों ओर तीन बार प्रदक्षिणा करने का विधान बतलाया गया है जबकि दोनों मिलकर 7 बार प्रदक्षिणा करते हैं तो विवाह संपन्न माना जाता है।

माता पिता की परिक्रमा
भगवान गणेशजी ने अपने माता पिता की परिक्रमा की थी जिससे पता चलता है कि इस परिक्रमा का क्या महत्व है।

शव परिक्रमा
जब कोई किसी का अपना देह छोड़ देता है कि उसकी देह की परिक्रमा की जाती है। दाह संस्कार करते वक्त और करने के बाद मटकी से जल अर्पित करते वक्त भी परिक्रमा की जाती है।

धरती की परिक्रमा
एक बार देवताओं के बीच में धरती परिक्रमा की प्रतियोगिता हुई थी, जिसमें जीते तो भगवान कार्तिकेय थे परंतु गणेशजी ने माता पिता की परिक्रमा करके यह प्रतियोगिता जीत ली थी।

ब्रह्मांड की परिक्रमा
यह परिक्रमा नारद जी करते रहते हैं।

किस देव की कितनी बार परिक्रमा?

- भगवान शिव की आधी परिक्रमा की जाती है।
- माता दुर्गा की एक परिक्रमा की जाती है।
- हनुमानजी और गणेशजी की तीन परिक्रमा की जाती है।
- भगवान विष्णु की चार परिक्रमा की जाती है।
- सूर्यदेव की चार परिक्रमा की जाती है।
- पीपल वृक्ष की 108 परिक्रमाएं करना चाहिए।
- जिन देवताओं की प्रदक्षिणा का विधान नहीं प्राप्त होता है, उनकी तीन प्रदक्षिणा की जा सकती है।

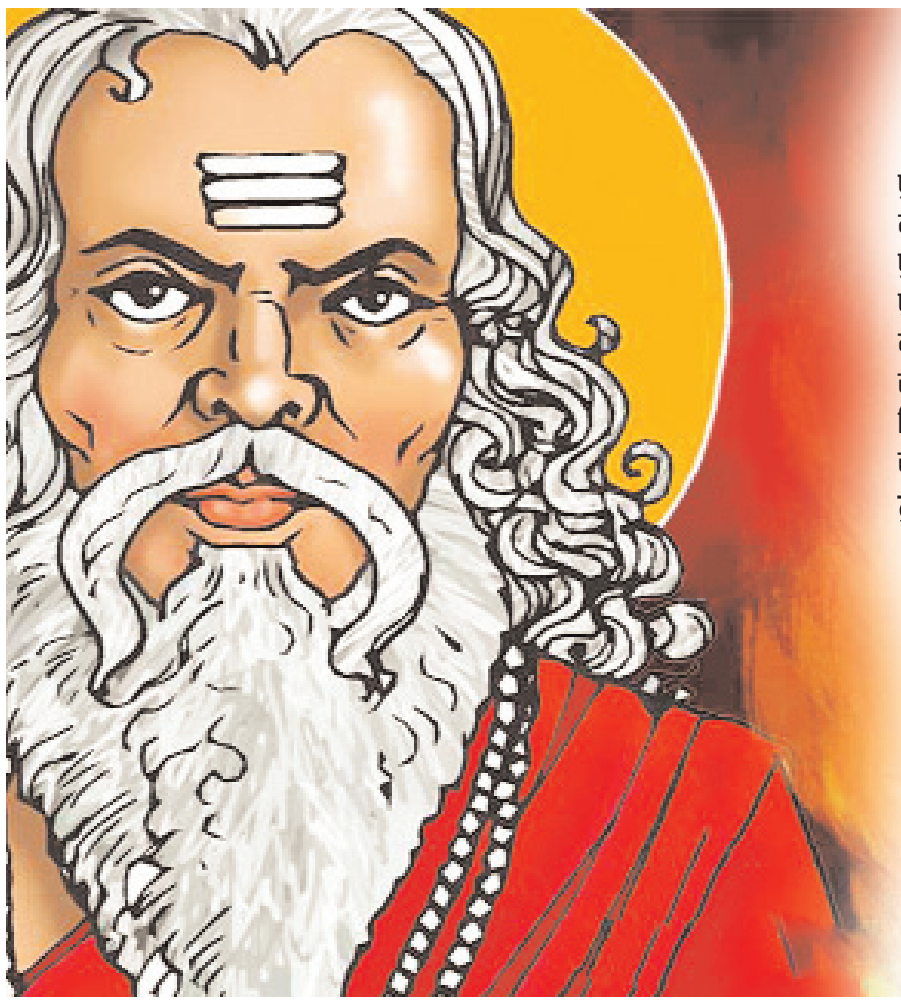

ब्रह्मा के पुत्र क्रतु ऋषि के थे 60 हजार पुत्र

पुराणों अनुसार ब्रह्मा जी के मानस पुत्र- मन से मारिचि, नेत्र से अत्रि, मुख से अंगिरस, कान से पुलस्त्य, नाभि से पुलह, हाथ से कृतु, त्वचा से भृगु, प्राण से वशिष्ठ, अंगुष्ठ से दक्ष, छाया से कंदर्भ, गोद से नारद, इच्छा से सनक, सनन्दन, सनातन, सनतकुमार, शरीर से स्वायंभुव मनु, ध्यान से चित्रगुप्त आदि। आओ जानते हैं ऋषि अंगिरा के बारे में संक्षिप्त में जानकारी।

ब्रह्मा के पुत्र कृतु ऋषि :

- कृतु या क्रतु का जन्म ब्रह्माजी के हाथ से हुआ था। क्रतु 16 प्रजापतियों में से एक हैं। इनकी गणना सप्तर्षियों में की जाती है।
- ब्रह्मा की आज्ञा से उन्होंने दक्ष प्रजापति और क्रिया की पुत्री सन्नति से विवाह किया था। कहते हैं कि क्रतु और सन्नति से 'बालिखिल्य' नाम के 60 हजार पुत्र हुए। इन बालखिल्यों का आकार अंगूठे के बराबर माना जाता है। यह सभी पुत्र भगवान सूर्य के उपासक थे। सूर्य के रथ के आगे अपना मुख सूर्य की ओर किये हुए बालखिल्य चलते हैं और उनकी स्तुति करते हैं। इन ब्रह्मर्षियों की तपस्या शक्ति सूर्यदेव को प्राप्त होती रहती है।
- पुराणों अनुसार एक बार महर्षि मरीचि के पुत्र महर्षि कश्यप एक यज्ञ कर रहे थे। उन्होंने अपने तात महर्षि क्रतु से निवेदन किया कि वे उस यज्ञ के लिए ब्रह्मा का स्थान ग्रहण करें। अपने भतीजे के निवेदन पर महर्षि क्रतु अपने 60 हजार पुत्रों के साथ महर्षि कश्यप के यज्ञ में पधारे। उसी यज्ञ में देवराज इंद्र और महर्षि क्रतु के पुत्र बालखिल्यों में विवाद हो चला तब अपने पिता और महर्षि कश्यप द्वारा बीच-बचाव करने पर बालखिल्यों ने ही पक्षीराज गरुड़ को महर्षि कश्यप को पुत्र रूप में प्रदान किया था।
- पुराणों में महर्षि क्रतु की दो बहनों- पुण्य एवं सत्यवती का भी वर्णन मिलता है। महर्षि क्रतु और सन्नति की एक पुत्री का नाम भी पुण्य था। इसके साथ ही पर्वासा नाम की एक पुत्रवधु का भी वर्णन मिलता है।
- सर्वप्रथम वेद एक रूप में ही ब्रह्मा द्वारा उत्पन्न किए गए थे। बाद में महर्षि क्रतु ने ही वेदों के चार भाग करने में उनकी सहायता की थी। आगे चलकर वराहकल्प में क्रतु ऋषि ही महाभारत काल में वेद व्यास ऋषि हुए।
- मनु के पुत्र उत्तानपाद और उत्तानपाद के पुत्र ध्रुव से महर्षि क्रतु अत्यंत प्रेम करते थे। जब अपने पिता से उपेक्षित होकर ध्रुव ने परमलोक की प्राप्ति करने की सोची तो सबसे पहे वो महर्षि क्रतु के पास गया। क्रतु ने ध्रुव को भगवान विष्णु की तपस्या करने की सलाह दी। बाद में देवर्षि नारद द्वारा अनुमोदन करने पर ध्रुव ने विष्णुजी की घोर तपस्या की और उनकी कृपा से परमलोक को प्राप्त हुआ। क्रतु ऋषि नाम का एक तारा है जो ध्रुव की परिक्रमा करने में आज भी लीन है। ध्रुव के प्रति अपने प्रेम के कारण ही महर्षि क्रतु उसके समीप चले गए।
- पुराणों में महर्षि क्रतु को महर्षि अगस्त्य के वातापि भक्षण और समुद्र को पी जाने के कारण उनकी प्रशंसा करते हुए भी बताया गया है। कुछ ग्रंथों में इस बात का वर्णन है कि महर्षि क्रतु ने महर्षि अगस्त्य के पुत्र ईधवाहा को भी गोद लिया था। इसके अलावा महाराज भरत ने महर्षि क्रतु से देवताओं के चरित्र के विषय में प्रश्न किया था। तब महर्षि क्रतु ने उनकी इस शंका का समाधान किया था।
- क्रतु नाम से एक अग्नि का नाम भी है और श्रीकृष्ण और जाम्बवती के कई पुत्रों में से एक का नाम क्रतु था। प्लक्षद्वीप की एक नदी का नाम भी क्रतु है। क्रतु का एक अर्थ 'आषाढ़' भी होता है और वर्ष के इसी मास में अधिकांश यज्ञ करने का प्रावधान शास्त्रों में बताया गया है।
- मैत्रेय संहिता के अनुसार एक बार यज्ञ से प्राप्त पशुओं का देवाताओं ने विभाजन कर दिया और उन्होंने रुद्र को उस विभाजन के हिस्से में शामिल नहीं किया तब रुद्रदेव क्रोधित हो गए और उन्होंने देवताओं पर आक्रमण कर दिया। इस आक्रमण में पूषणा के दन्त, भग के नेत्र और क्रतु के अंडकोषों को नष्ट हो गए। बाद में ब्रह्माजी ने उनकी स्तुति करके उन्हें शांत किया और उन्हें 'पशुपति' की उपाधि दी। फिर रुद्रदेव ने सभी को पहले जैसा कर दिया।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

केदारनाथ में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध की तैयारी, बीजेपी विधायक का दावा

देहरादून (एजेंसी)। उत्तराखंड के केदारनाथ धाम में गैर-हिंदुओं के प्रवेश पर प्रतिबंध लगाने की चर्चाएं तेज हो गई हैं। बीजेपी विधायक आशा नौटियाल ने दावा किया कि कुछ गैर-हिंदू लोग धार्मिक स्थल की पवित्रता को ठेस पहुंचा रहे हैं और मांस, मछली, शराब परोसने जैसी गतिविधियों में लिप्त हैं। विधायक नौटियाल ने कहा कि स्थानीय प्रशासन और प्रदेश सरकार इस मामले पर गंभीरता से विचार कर रही है। प्रभारी मंत्री सौरभ बहुगुणा ने अधिकारियों और स्थानीय लोगों के साथ बैठक कर इस मुद्दे पर चर्चा की। ऐसे लोगों की पहचान कर उनके प्रवेश पर पूर्ण प्रतिबंध लगाने की योजना बनाई जा रही है।

पूर्व सीएम रावत ने किया विरोध

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री हरीश रावत ने इस प्रस्ताव का विरोध किया है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड पूरे देश के लिए धार्मिक और आध्यात्मिक केंद्र है और किसी को भी मंदिर में जाने से रोकना संकीर्ण मानसिकता दर्शाता है। उन्होंने कहा कि अगर शराब और मांस बेचा जा रहा है, तो सरकार को इसे रोकना चाहिए। प्रतिबंध लगाने का कोई औचित्य नहीं है। इस मुद्दे पर सियासी विवाद बढ़ सकता है, क्योंकि यह धार्मिक स्थल और आस्था से जुड़ा मामला है।

मेरठ के निजी विश्वविद्यालय में नमाज पर बवाल, मामला दर्ज

मेरठ (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश के मेरठ में होली के दौरान एक निजी विश्वविद्यालय में नमाज पढ़ने और वीडियो वायरल करने को लेकर विवाद इस कदर बढ़ा कि पुलिस को मामला दर्ज करना पड़ गया है। उक्त घटना का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हुआ है। मामले के संबंध में एसएचओ अनूप सिंह ने मीडिया को बताया कि कार्तिक हिंदू की शिकायत पर मामला दर्ज किया गया है। वहीं आईआईएमटी विश्वविद्यालय के प्रवक्ता सुनील शर्मा का कहना था कि मामले की प्रारंभिक जांच में पाया गया कि नमाज पढ़ने और फिर उसका वीडियो बनाकर वायरल करने से सांप्रदायिक सौहार्द बिगड़ने का खतरा उत्पन्न होता है। ऐसे में विश्वविद्यालय प्रशासन ने वीडियो अपलोड करने के आरोपी खालिद प्रधान के खिलाफ पुलिस और प्रशासनिक कार्रवाई का अनुरोध किया था। इस पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 299 और सूचना प्रौद्योगिकी (संशोधन) अधिनियम, 2008 के प्रासंगिक प्रावधानों के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। यहां बताते चलें कि उक्त घटना चर्चा में तब आई जबकि छात्र खालिद प्रधान मेवाती ने वीडियो फुटेज सोशल मीडिया पर अपलोड किया। इस वीडियो में छात्रों को विश्वविद्यालय परिसर में नमाज पढ़ते हुए दिखाया गया। वीडियो वायरल होने के बाद स्थानीय हिंदू समूहों ने विरोध प्रदर्शन किया। इसे देखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने एक्शन लेते हुए प्रधान और तीन सुरक्षाकर्मियों को निलंबित भी कर दिया। इसके बाद भी हिंदू संगठन विरोध जताते रहे और गिरफ्तारी की मांग की। फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और मामले की जांच कर रही है।

आवासीय विद्यालय के टीचर ने की खुदकुशी, सुसाइट नोट में लिखे 6 लोगों के नाम

बीड (एजेंसी)। महाराष्ट्र के बीड जिले में एक आवासीय विद्यालय के शिक्षक ने खुदकुशी कर ली। शिक्षक ने एक सुसाइड नोट भी छोड़ा है, जिसमें उसने छह लोगों पर उसे परेशान करने का आरोप लगाया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरु कर दी है। जानकारी के मुताबिक पुलिस ने बताया कि शिक्षक ने शनिवार को महाराष्ट्र के बीड जिले में घर में छत से लटक कर खुदकुशी कर ली। पुलिस ने बताया कि मृतक की पहचान धनंजय नागरगोजे के रूप में हुई है। नागरगोजे पिछले 18 सालों से बीड के केलगांव इलाके में एक आवासीय स्कूल में पढ़ाते थे। पुलिस ने बताया कि आत्महत्या करने से पहले अपने फेसबुक अकाउंट पर पोस्ट किए गए नोट में नागरगोजे ने कहा कि वह स्कूल से जुड़े छह लोगों द्वारा उत्पीड़न के कारण यह कदम उठा रहा हैं। शिवाजीनगर पुलिस ने फिलहाल आत्महत्या की रिपोर्ट दर्ज की है। अभी तक किसी के खिलाफ मामला दर्ज नहीं किया गया है, लेकिन अगर शिक्षक की मौत के संबंध में कोई शिकायत मिलती है तो पुलिस आगे की कार्रवाई करेगी। अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया है।

अमृतसर में हुई घटना को लेकर पंजाब सरकार को अलर्ट होना चाहिए : मनोहर लाल

- सरकार अलर्ट नहीं रहती है तो जनता उसे सबक सिखाएगी

करनाल (एजेंसी)। केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने हरियाणा के करनाल में मीडिया से बातचीत के दौरान पंजाब के अमृतसर में मंदिर पर हुए ग्रेनेड हमले पर प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि पंजाब में जो यह घटना हुई है इसे लेकर वहां की सरकार को अलर्ट रहना चाहिए। अगर सरकार अलर्ट नहीं रहती है तो जनता उसे सबक सिखाएगी। सोनीपत में भाजपा नेता सुरेंद्र जवाहरा की हत्या पर केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने कहा कि ये मेरी जानकारी में नहीं है, पर मैं इस बारे में जानकारी लूंगा और जो भी दोषी होंगे उनके साथ सख्ती से निपटा जाएगा। किसी भी दोषी को बख्शा नहीं जाएगा। प्रदेश में इस तरह के क्राइम करने वाले अपराधियों को छोड़ा नहीं जाएगा। बता दें कि हरियाणा के सोनीपत जिले के जवाहरा गांव में होली के दिन भाजपा नेता सुरेंद्र जवाहरा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना के पीछे जमीनी विवाद बताया जा रहा है। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, हत्या का कारण एक पुरानी रंजिश थी, जिसमें पड़ोसी से जमीन को लेकर आपसी मतभेद थे। आरोप है कि इसी विवाद को लेकर वारदात को अंजाम दिया गया।

गर्मी ने दी जल्दी दस्तक: ओडिशा और उप्र सहित कई राज्यों में हीटवेव शुरु

नई दिल्ली (एजेंसी)। होली खत्म होने के साथ ही गर्मी ने भी दस्तक दे दी है। पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों में तापमान 40 डिग्री के पार जा रहा है। मौसम विभाग ने हीटवेव की चेतावनी जारी कर दी है। बीते साल से तुलना करें तो इस तरह की हीटवेव की शुरुआत अप्रैल की शुरुआत में हुई थी।

विदर्भ, मध्य महाराष्ट्र, ओडिशा, सौराष्ट्र, कच्च, तेलंगाना और रायलसीमा में हीटवेव की शुरुात हो गई है। वहीं ओडिशा के झारसुगुडा में तापमान 41 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच गया। शनिवार को ओडिशा को बौध में सबसे ज्यादा तापमान 42.5 डिग्री रिकॉर्ड किया गया।दिल्ली में बारिश के बाद बढ़ते तापमान से राहत मिली है। शनिवार को अधिकतम तापमान 33 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि 4.1 डिग्री से ज्यादा था। मौसम विभाग के अधिकारी ने बताया मध्य भारत के ऊपर उच्च दबाव का क्षेत्र बना हुआ है। इसकी वजह से हवा गर्म हो रही है। इसके अलावा आसमान साफ होने की वजह से सूर्य का रेडिएशन बहुत ज्यादा है। आंध्र प्रदेश और ओडिशा में इसकी वजह से हीटवेव का असर देखा जा रहा है।

लेकिन इस बार मार्च की शुरुआत से ही गर्मी का अहसास होने लगा और मार्च खत्म होते-होते हीटवेव की स्थिति बन रही है। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा कि बीते साल 5 अप्रैल को इतना तापमान दर्ज किया गया था। उन्होंने कहा, इस बार गंभीर हीटवेव की शुरुआत जल्दी हो गई है। कभी-कभी ऐसा होता है कि मार्च में इस तरह की स्थित बन जाती है। वरना आम तौर पर अप्रैल में ही इतना तापमान दर्ज किया जाता है। शुक्रवार को दिल्ली के सफदरजंग में अधिकतम तापमान 36.2 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया जो कि सामान्य तापमान से 7.5 डिग्री ज्यादा था। मौसम विभाग का कहना है कि ओडिशा में 18 मार्च और सौराष्ट्र में 17 मार्च तक हीटवेव की स्थिति बनी रहने का अनुमान है। झारखंड, पश्चिम बंगाल, छत्तीसगढ़, विदर्भ, उत्तरी तेलंगाना में भी 16 मार्च से हीटवेव का अनुमान है। बता दें कि इस साल जनवरी और फरवरी ने भी तापमान ने रिकॉर्ड तोड़ दिया था। फरवरी का अधिकतम तापमान 1901 के बाद पहली बार इतना ज्यादा दर्ज हुआ। विदर्भ और मध्य महाराष्ट्र में अधिकतम तापमान 40 से 42 डिग्री के बीच पहुंच गया है। सौराष्ट्र, कच्छ और तेलंगाना में 38 से 40 डिग्री तक अधिकतम तापमान बना हुआ है।

उत्तर प्रदेश में भी पड़ने लगी गर्मी

उत्तर भारत में भी तापमान सामान्य से लगभग 5 डिग्री ऊपर बना हुआ है। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, हरियाणा, चंडीगढ़, दिल्ली, झारखंड, ओडिशा, में तापमान सामान्य से 3 से 5 डिग्री तक ज्यादा दर्ज किया गया। पूर्वी उत्तर प्रदेश, पूर्वी राजस्थान, पूर्वी मध्य प्रदेश, मारठवाड़ा और मध्य महाराष्ट्र में भी लोग उमस से बेहाल होने लगे हैं। पहाड़ी इलाकों में बर्फबारी और बारिश की वजह से तापमान सामान्य से कम हो गया है। जम्मू-कश्मीर, गिलगित, बालिस्टान, मुजफ्फराबाद और तमिलनाडु, पुदुच्चेरी, केरल और माहे का तापमान सामान्य से करीब 5 डिग्री सेल्सियस कम दर्ज किया गया।

भारत की 5 दिवसीय यात्रा पर न्यूजीलैंड के पीएम क्रिस्टोफर लक्सन

नई दिल्ली। न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री क्रिस्टोफर लक्सन आज रविवार को पांच दिन की यात्रा पर भारत आ रहे हैं। पदभार संभालने के बाद उनकी यह पहली आधिकारिक यात्रा होगी। पीएम लक्सन के साथ एक उच्च स्तरीय प्रतिनिधिमंडल भी आएगा, जिसमें वरिष्ठ अधिकारी, मंत्री, व्यापारिक नेता, मीडिया प्रतिनिधि और न्यूजीलैंड में भारतीय समुदाय के सदस्य शामिल होंगे। भारत में उनका यात्रा कार्यक्रम दोनों देशों के बीच संबंधों को गहरा करने के उद्देश्य से महत्वपूर्ण राजनयिक बैठकों से भरा हुआ है। विदेश मंत्रालय द्वारा साझा किए गए कार्यक्रम के अनुसार, पीएम लक्सन भारत पहुंचे के बाद विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर से मुलाकात करेंगे। 20 मार्च तक चलने वाली पांच दिवसीय यात्रा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर हो रही है। पीएम लक्सन की यात्रा का उद्देश्य भारत और न्यूजीलैंड के बीच दीर्घकालिक संबंधों को मजबूत करना है, तथा विभिन्न क्षेत्रों में अपने द्विपक्षीय संबंधों को बढ़ाने के लिए दोनों देशों की साझा प्रतिबद्धता की पुष्टि करना है। 19-20 मार्च को न्यूजीलैंड के प्रधानमंत्री मुंबई की यात्रा करेंगे, जहां वे भारतीय व्यापार जगत के नेताओं और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों के साथ बैठक करेंगे तथा दोनों देशों के बीच आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देंगे। विदेश मंत्रालय के अनुसार, पीएम लक्सन की यात्रा भारत और न्यूजीलैंड के बीच स्थायी और बहुआयामी संबंधों को रेखांकित करती है। यह यात्रा व्यापार, प्रौद्योगिकी और सांस्कृतिक आदान-प्रदान जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए दोनों देशों की प्रतिबद्धता की पुष्टि करती है। विदेश मंत्रालय ने कहा, प्रधानमंत्री लक्सन की यात्रा भारत और न्यूजीलैंड के बीच दीर्घकालिक और स्थायी संबंधों को रेखांकित करती है।

मौसम का बदला मिजाज: 12 जिलों में बारिश और वज्रपात का अलर्ट, तेज हवाएं चलने की संभावना

पटना (एजेंसी)। बिहार के मौसम में अचानक बदलाव देखने को मिल रहा है। रविवार को पटना, बक्सर, नालंदा समेत कई जिलों में सुबह से ही घने काले बादल छा गए। बक्सर और मुजफ्फरपुर में हल्की बारिश भी हुई। मौसम विभाग ने 12 जिलों में बारिश और बिजली गिरने का अलर्ट जारी किया है। इसके अलावा, अगले एक हफ्ते तक तेज हवाएं और धूल भरी आंधी चलने की संभावना है।

मौसम विभाग के अनुसार, बिहार के पटना, बक्सर, मुजफ्फरपुर, नालंदा, बेगूसराय, वैशाली, सारण, भोजपुर, समस्तीपुर, दरभंगा, मधुबनी और सीवान में हल्की से मध्यम बारिश हो सकती है। पटना में रविवार और सोमवार को हल्की बारिश के आसार हैं, जिससे मौसम ठंडा रहेगा। अधिकतम तापमान 24 से 30 डिग्री सेल्सियस और न्यूनतम तापमान 24 से 26 डिग्री सेल्सियस के बीच रहेगा। बारिश के बावजूद तेज हवाओं के कारण वातावरण में हल्की नमी बनी रहेगी।

अगले हफ्ते तक चलेगी धूल भरी आंधी

मौसम वैज्ञानिक कुमार गौरव के अनुसार, हिमालय क्षेत्र में पश्चिमी विक्षोभ के कारण बर्फबारी हो रही है, जिसका असर बिहार के मैदानी इलाकों में बारिश के रूप में दिखाई दे रहा है। सोमवार को भी कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश और वज्रपात की संभावना है। 18 मार्च के बाद ही तापमान में वृद्धि होगी, दिन में गर्मी बढ़ेगी, लेकिन सुबह और शाम हल्की ठंड महसूस होगी।

खगड़िया बना सबसे गर्म जिला

बीते 24 घंटों में खगड़िया बिहार का सबसे गर्म जिला रहा, जहां अधिकतम तापमान 39.4 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। मौसम विभाग ने बिहार के 10 सबसे गर्म जिलों की सूची भी जारी की है। बदलते मौसम के चलते बिहार के लोगों को अगले कुछ दिनों तक सतर्क रहने की जरूरत है।

एच5एन1 वैक्सीन से किशोरों और बच्चों के लिए लाभप्रद, शोधकर्ताओं ने क्यों कहा ऐसा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नए अध्ययन में सामने आया हैं कि एच5एन1 वैक्सीन से किशोरों और बच्चों को अधिक लाभ हो सकता है, भले ही यह वैक्सीन मौजूदा वायरस के लिए विशेष रूप से न बनी हो। अमेरिकी शोधकर्ताओं ने बताया कि कुछ खास प्रकार के मौसमी फ्लू वायरस से पहले हुए संक्रमण, एच5एन1 बर्ड फ्लू के खिलाफ शरीर की प्रतिरोधक क्षमता को मजबूत कर सकते हैं। अध्ययन में पता चला कि 1968 से पहले के फ्लू वायरस के संपर्क में आए बुजुर्गों में एच5एन1 वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी अधिक पाई गईं।

शोधकर्ताओं ने बताया, बचपन में हुए फ्लू संक्रमण से बनी रोग प्रतिरोधक क्षमता जीवन भर रहती है। शोधकर्ताओं ने पाया कि दशकों पहले एच1एन1 और एच3एन2 वायरस के संपर्क में आने से बनी एंटीबॉडी अब एच5एन1 वायरस से भी प्रतिक्रिया कर सकती हैं। हालांकि ये एंटीबॉडी संक्रमण को पूरी तरह रोकने में सक्षम नहीं हैं, लेकिन अगर एच5एन1 का प्रकोप बढ़ा तब यह बीमारी की गंभीरता को कम कर सकती हैं। एच5एन1 वायरस कई सालों से

पक्षियों में फैल रहा था, लेकिन हाल ही में इसका एक नया प्रकार (क्लेड 2.3.4.4बी) सामने आया है, जो अब मवेशियों में भी फैल रहा है। यह मौजूदा वायरस अभी तक मानव श्वसन तंत्र की कोशिकाओं से आसानी से नहीं जुड़ता, लेकिन यदि यह स्तनधारी जीवों में अधिक फैला, तब इसमें इसतरह के बदलाव हो सकते हैं जिससे यह इंसानों में तेजी से फैल सके। यदि ऐसा हुआ, तब एच5एन1 इंसानों के बीच भी फैल सकता है। मौजूदा फ्लू वैक्सीन मुख्य रूप से वायरस के हीमैग्लुटिनिन प्रोटीन को पहचानने वाली एंटीबॉडीज बनाती हैं, जो वायरस को शरीर की कोशिकाओं में प्रवेश करने से रोकती हैं।

शोधकर्ताओं ने 1927 से 2016 के बीच जन्मे 150 से अधिक लोगों के खून के नमूनों की जांच की, ताकि यह देखा जा सके कि उसमें एच5एन1 सहित विभिन्न फ्लू वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी कितनी हैं। उन्होंने पाया कि 1968 से पहले जन्मे लोगों में, जिन्हें बचपन में एच1एन1 या एच2एन2 वायरस का सामना करना पड़ा था, उसमें एच5एन1 वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी अधिक थीं। अध्ययन में सामने आया कि किसी व्यक्ति के जन्म वर्ष का उसके शरीर में एच5एन1 वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडी की मात्रा से गहरा संबंध है। छोटे बच्चे, जिन्हें अभी तक मौसमी फ्लू वायरस का सामना नहीं करना पड़ा, उनमें इस वायरस से लड़ने वाली एंटीबॉडीज बहुत कम मिली।

म्यांमार में साइबर ठगी कराने के लिए गिरोह में होती है भर्ती ऐसे खुला राज

लखनऊ (एजेंसी)। म्यांमार के म्यावाडी में नौकरी दिलाने के नाम पर साइबर ठगी कराने वाले गिरोह से जुड़े दो लोगों को गिरफ्तार कर लिया गया है। इनके खिलाफ म्यांमार से लौटे एक पीड़ित ने मुकदमा दर्ज कराया था। दोनों आरोपी मासूम लोगों को बैंकॉक में डेटा इंट्री ऑपरेटर की नौकरी दिलाना का झांसा देते थे। फिर इन्हें म्यांमार ले जाकर ठगी करवाते थे। इस गिरोह ने लखनऊ के 5 युवकों को म्यांमार म्यावाडी के एक अपार्टमेंट में बंधक बनाकर रखा था। इस गिरोह को बैंकॉक से ऑपरेट किया जाता है। पुलिस यूपी में रहने वाले इस गिरोह के 5 सदस्यों की तलाश कर रही है।

इंस्पेक्टर मदेयगंज राजेश सिंह ने म्यांमार से साइबर ठगी गिरोह से छूट कर आए मशालची टोला निवासी सुल्तान सलाउद्दीन की शिकायत पर खदरा निवासी मोहम्मद अहमद खान उर्फ भैया और जानकीपुरम निवासी जावेद इकबाल के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया गया।पूछताछ में आरोपियों ने

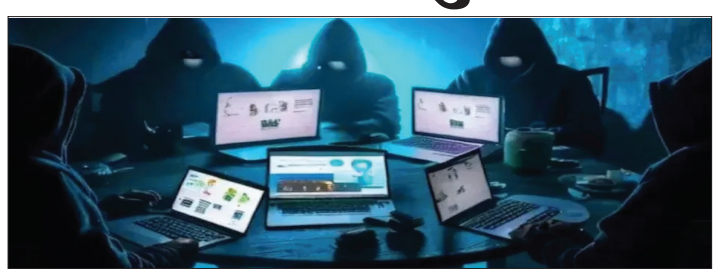

बताया कि उन्होंने विदेश में नौकरी के लिए सोशल साइट पर संपर्क करने वालों के साथ ही विदेश जाने वालों की तलाश करते थे। इसी दौरान पक्का पुल स्थित एक कैफे पर जावेद को सुल्तान सलाउद्दीन मिला था। उसने विदेश में अच्छी नौकरी खोजने की बात कही, जिसके बाद जावेद ने उसे बैंकाक में डॉटा इंट्री ऑपरेटर की जॉब दिलाने का भरोसा दिलाया। सुल्तान प्रतिमाह 30 हजार थाई भात (77 हजार रुपये) में नौकरी मिलने की बात पर राजी हो गया।

आरोपी ने बताया कि बैंकॉक का वीजा और हवाई टिकट देने के बदले एजेंट जावेद ने पांच लाख रुपये लिए थे। वहां पहुंचते ही एक अपार्टमेंट में इन लोगों को बंधक बना लिया, जहां साइबर ठगी की ट्रेनिंग देने के बाद ठगी करवाई। हमारा गैंग बैंकाक से ऑपरेट होता है। भारत से वह लोग युवकों को बैंकॉक भेजते हैं, जबकि गिरोह के अन्य सदस्य बैंकॉक से म्यांमार तक युवकों के भेजने का काम करते हैं। उनके लोगों को रफात राही नाम का युवक डील करता है।

पंजाब में आप सरकार के तीन साल पूरे, केजरीवाल ने पत्नी और भगवंत मान के साथ स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका

अमृतसर (एजेंसी)। पंजाब में आम आदमी पार्टी की सरकार के तीन साल पूरे हो गए हैं। इस मौके पर आप नेता अरविंद केजरीवाल और पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान रविवार को अमृतसर पहुंचे और स्वर्ण मंदिर में मत्था टेका। केजरीवाल के साथ उनकी पत्नी सुनीता केजरीवाल और पंजाब सरकार के मंत्री कुलदीप सिंह धालीवाल समेत आम आदमी पार्टी के कई नेता स्वर्ण मंदिर पहुंचे। बता दें, आप ने 2022 में पंजाब में कुल 117 विधानसभा सीटों में से 92 सीटें जीतकर सरकार बनाई है।

केजरीवाल ने अमृतसर में संवाददाताओं से बात की। उन्होंने कहा, 'मान साहब ने 16 मार्च 2022 को पंजाब के मुख्यमंत्री का पद संभाला था। आज हम यहां गुरु महाराज का आशीर्वाद लेने आए हैं। तीन वर्षों में उन्होंने (गुरुओं ने) हमारा मार्गदर्शन किया और लोगों की सेवा करते रहने की शक्ति प्रदान की।'

केजरीवाल ने इस दौरान नशा और

भ्रष्टाचार के मुद्दे पर भी बात की। उन्होंने कहा, 'आज पंजाब की सबसे बड़ी समस्या नशा और भ्रष्टाचार है। हमने नशा और भ्रष्टाचार के खिलाफ जंग छेड़ दी है। यह न्याय की लड़ाई है, हम राज नहीं, लोगों की सेवा करने के लिए आए हैं।'

आप प्रमुख से पहले भगवंत मान ने दावा किया कि पिछले तीन वर्षों में जो काम हुआ है, वह पिछले 70 वर्षों में भी नहीं हुआ। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा, 'इन तीन वर्षों में जो काम हुआ है, वह पिछले 70 वर्षों में भी नहीं हुआ। हम पंजाबियों से किए गए हर वादे को पूरा करेंगे। हम पंजाब से नशे की बुराई को खत्म करने के लिए जारी लड़ाई को उसके तार्किक निष्कर्ष तक ले जाएंगे। पंजाब के तीन करोड़ लोगों को आपके समर्थन और उन पर विश्वास के लिए धन्यवाद।'

नदी नालों के पास रहने वाले लोगों को कैंसर का खतरा अधिक

-आईसीएमआर की नई स्टडी में आया सामने

नई दिल्ली (एजेंसी)। कैंसर जैसी बीमारी मरीज ही नहीं, पूरे परिवार को बर्बाद कर देती है। ताजा रिपोर्ट आई है, इसमें कहा गया है कि नदी नालों के पास रहने वाले लोगों को कैंसर होने का खतरा अधिक होता है। भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) की स्टडी रिपोर्ट की लिखित जानकारी केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री अनुप्रिया पटेल ने राज्यसभा में दी है। उन्होंने बताया कि अध्ययन के नतीजों में सामने आया है कि सीसा (लेड), लोहा (आयरन) और एल्युमिनियम केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) की तय सीमा से ज्यादा मिले हैं।

केंद्रीय मंत्री ने बताया कि मोदी सरकार कैंसर के इलाज की बेहतर सुविधाएं देने के लिए काम कर रही है। इसके लिए स्ट्रेंथनिंग ऑफ टर्शियरी केयर कैंसर फैसिलिटीज स्कीम लागू है। इस योजना के तहत 19 स्टेट कैंसर इंस्टीट्यूट (एससीआई) और 20 टर्शियरी केयर कैंसर सेंटर (टीसीसीसीएस) को मंजूरी दी गई है। हरियाणा के झज्जर में राष्ट्रीय कैंसर संस्थान और कोलकाता में चित्तरंजन राष्ट्रीय कैंसर संस्थान का दूसरा कैंपस भी तैयार हो रहा है। इन संस्थानों में कैंसर की जांच और इलाज की आधुनिक सुविधाएं मिलेंगी। सभी 22 नए एम्स में भी कैंसर के इलाज की सुविधाएं दी जा रही हैं। इसमें जांच, दवा और सर्जरी की सुविधाएं शामिल हैं।

मंत्री अनुप्रिया ने बताया कि सरकारी अस्पतालों में गरीब और जरूरतमंद लोगों का इलाज मुफ्त या बहुत कम कीमत पर होता है। आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएमजेवाय) के तहत भी कैंसर का इलाज करवाया जा सकता है। योजना में हर परिवार को हर साल 5 लाख रुपये तक का इलाज मुफ्त मिलता है। इससे देश के 12.37 करोड़ परिवारों के 55 करोड़ लोग (आबादी का सबसे गरीब 40 प्रतिशत हिस्सा) फायदा उठा रहे हैं। हाल ही में, पीएम-जेवाय ने 70 साल से ज्यादा उम्र के सभी बुजुर्गों को स्वास्थ्य बीमा दिया है।

उन्होंने बताया कि एबी पीएमजेवाय के तहत, कैंसर के इलाज के लिए 200 से ज्यादा पैकेज हैं। इन पैकेज में मेडिकल ओंकोलॉजी, सर्जिकल ओंकोलॉजी, रेडिएशन ओंकोलॉजी और पैलिएटिव मेडिसिन के 500 से ज्यादा प्रक्रियाएं शामिल हैं। ये सभी नैशनल हेल्थ बेनिफिट पैकेज (एचबीपी) मास्टर में दिए गए हैं। प्रधानमंत्री जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) के तहत प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि केंद्र (पीएमबीजेके) खोले गए हैं। इन केंद्रों पर अच्छी क्वॉलिटी की जेनेरिक दवाइयां सस्ती कीमतों पर मिलती हैं। 28 फरवरी तक देश में कुल 15,057 पीएमबीजेके खोले जा चुके हैं।

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

प्रेसवार्ता में बूम माइक्रोफोन ट्रंप के चेहरे से टकराया, डर से झुक गए राष्ट्रपति बंद कर ली आंखें

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप आए दिन किसी न किसी वजह से चर्चा में हैं। इस बार उनका एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें ट्रंप के साथ प्रेस वार्ता में एक रिपोर्टर के साथ एक अजीब घटना घटी। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रंप पत्रकारों से बात कर रहे थे, तभी एक रिपोर्टर का बूम माइक्रोफोन ट्रंप के चेहरे से टकरा गया। इस पर ट्रंप की त्वरित प्रतिक्रिया हुई और वह अनजाने में पीछे झुक गए और अपनी आँखें बंद कर लीं। ट्रंप ने इस घटना को हंसी में टालने की कोशिश की, लेकिन उनके चेहरे पर नाराजगी साफ दिख रही थी। अभी यह स्पष्ट नहीं हुआ है कि वह बूम माइक ऑपरेटर उस समय किस मीडिया आउटलेट के लिए काम कर रहा था। बताया जा रहा है कि यह घटना उस समय हुई जब ट्रंप गाजा बंधक स्थिति पर चर्चा कर रहे थे। तभी माइक्रोफोन ट्रंप के चेहरे पर लगा, जिससे उनके चेहरे पर झुंझलाहट पैदा हो गई। बूम माइक्रोफोन को डेड कैट या विंड मफ्स भी कहा जाता है क्योंकि यह सिंथेटिक फर कवर से ढका होता है। ये फर माइक्रोफोन में हवा को प्रवेश करने से रोकने में इस्तेमाल किया जाता है जिससे रिकॉर्ड होने वाली हवा की आवाज़ कम हो जाती है। सामान्यत: संयुक्त बेस एंड्रयूज या किसी अन्य ऐसे प्रतिष्ठान में प्रेस के साथ बातचीत के दौरान जहां एयर फोर्स वन और मरीन वन द्वारा उत्पन्न शोर को खत्म करना जरुरी होता है, बूम माइक्रोफोन का उपयोग किया जाता है। इस घटना के बाद कई लोगों ने शक जताया कि कोई हानिकारक केमिकल माइक पर लगाकर ट्रंप तक पहुंचाने की कोशिश की गई। एक यूजर ने लिखा कि हमें पता नहीं कि उसके माइक्रोफोन में कोई पदार्थ डाला गया था या नहीं। मुझे उम्मीद है कि ट्रंप के डॉक्टर के जरिए जांच की जाएगी। एक यूजर ने लिखा कि अगर ट्रंप को कुछ हो जाता है तो मैं माइक्रोफोन को दोष दूंगा। एक अन्य यूजर ने लिखा कि उस माइक पर जहर या किसी तरह का जैविक वायरल हो सकता है। इस व्यक्ति को तुंरत गिरफ्तार किया जाए।

8 अमेरिकी राज्यों में 40 बवंडर, 34 मौतें

-10 करोड़ लोग प्रभावित, 2 लाख घरों में ब्लैक आउट

वॉशिंगटन। अमेरिका में अलबामा, मिसीसिपी, लुसियाना, इंडियाना, अरकंसास, मिसौरी, इलिनॉय और टेनेसी राज्य टॉरनेडो (बवंडर) की चपेट में हैं। इन राज्यों में अब तक 40 टॉरनेडो आ चुके हैं। मौसम विभाग ने हालात और ज्यादा गंभीर होने की आशंका जाहिर की है। शनिवार और रविवार को अब तक 34 लोगों की जान जा चुकी है। मिसौरी में सबसे ज्यादा 12 मौतें हुई हैं। 10 करोड़ अमेरिकी आबादी प्रभावित है। 2 लाख घरों में बिजली गुल हो गई है। कैनसस में धूलभरी आंधी के चलते हाईवे पर लगभग 50 गाडियां टकरा गई। इसमें 8 लोगों की मौत हुई। मिसिसिपी में 6 लोगों की मौत हो गई और तीन लापता हैं। 100 किमी/घंटे की रफ्तार से धूलभरी आंधी चल रही है। अरकंसास में आंधी की रफ्तार 265 किमी/घंटे रिकॉर्ड की गई। इमारतें और सडक़ें तबाह हो गई हैं। कनाडाई बॉर्डर पर बर्फीले तूफान और गर्म इलाकों में जंगलों में आग लगने की आशंका जाहिर की जा रही है।

बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी को बड़ा झटका, चीफ बशीर जेब की हत्या

पेशावर। बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) को बड़ा झटका लगा है। संगठन के प्रमुख बशीर जेब की इराक में हत्या कर दी गई। यह हत्या ऐसे समय हुई जबकि बीएलए ने जाफर एक्सप्रेस ट्रेन का अपहरण कर पूरी दुनिया को चौंका दिया था। बीएलए प्रमुख बशीर जेब की हत्या इराक में हुई है। उन्हें उसी जगह गोली मारी गई, जहां वे छिपे हुए थे। उन्होंने इस बात अंदेशा पहले ही जताया था। दो दिन पहले जेब ने कहा था कि उन्हें बिना किसी को पता चले मार दिया जाएगा। अभी तक किसी संगठन ने हत्या की जिम्मेदारी नहीं ली और न ही हत्या क्यों की गई यह स्पष्ट हो पाया है।

कौन थे बशीर और कैसे बने बीएलए चीफ?

-2018 में बने प्रमुख- इससे पहले बीएलए की कोर कमेटी के सदस्य थे।

-बीएलए की गतिविधियां बढ़ाईं- उनके नेतृत्व में बलूचिस्तान में संगठन की सक्रियता बढ़ी।

-इंजीनियरिंग की पढ़ाई- क्वेटा के डिग्री कॉलेज से इंजीनियरिंग की पढ़ाई की थी।

-पिता हैं डॉक्टर- बलूचिस्तान के प्रसिद्ध चिकित्सक परिवार से ताल्लुक रहा है, उनके पिता एक मशहूर डॉक्टर हैं।

बीएलए और सरकार के बीच बढ़ता संघर्ष

बीएलए पाकिस्तान से बलूचिस्तान की आज़ादी के लिए लड़ने वाला संगठन है। पाकिस्तान सरकार ने इसे आतंकी संगठन घोषित कर रखा है, जबकि बीएलए इसे स्वतंत्रता संग्राम मानता है।

ट्रेन हाईजैक का वीडियो आया सामने, जगह-जगह शव और हथियार आ रहे नजर

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने जाफर एक्सप्रेस ट्रेन हाईजैक कर ली थी। इस ट्रेन के कुछ वीडियोज सामने आए हैं जिसमें दावा किया जा रहा है कि ये वीडियोज ट्रेन के पैसेंजर्स ने रिकॉर्ड किए हैं। इनमें जगह-जगह शव और हथियार पड़े नजर आ रहे हैं। यह शव बीएलए लड़ाकों के माने जा रहे हैं। पाकिस्तानी सेना के मुताबिक हाईजैक संकट करीब 36 घंटे चला था। सेना का दावा है कि सभी बलूच विद्रोही मारे गए और सभी बंधकों को छुड़ा लिया गया है। दावों के मुताबिक पूरे ऑपरेशन में पाक सेना के 28 सैनिक और 33 बलूच लड़ाके मारे गए हैं। वीडियोज में ट्रेन के पास पड़े शव के पास पाकिस्तानी सेना के सैनिक खड़े नजर आ रहे हैं। माना जा रहा है कि यह सभी शव ट्रेन हाईजैक करने वाले बीएलए लड़ाकों के हैं। वीडियो से ली गई तस्वीर में ट्रेन की पटरी के पास पड़ा एक शव। वीडियो में एक पैसेंजर इस शव को अपशब्द कहता है और कुछ लोग पत्थर मारते हैं। पैसेंजर कहता है कि वह 36 घंटे से ट्रेन में फंसा है।

ट्रेन हाईजैक मामला: अपनी नाकामियों को छिपाने भारत पर दोष मढ़ रहा पाकिस्तान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान का पुराना इतिहास रहा है कि वो अपनी नाकामियों को छिपाने के लिए सीधे तौर पर भारत को दोषी मानता है। इसके लिए अनर्गल बातें करता है और भारत पर कीचड़ उछालता है। ट्रेन हाईजैक मामले में भी पाकिस्तान भारत पर ही ठीकरा फोड़ दिया है।

पाकिस्तानी सेना के मीडिया विंग इंटर-सर्विसेज पब्लिक रिलेशंस (आईएसपीआर) के डायरेक्टर जनरल लेफ्टिनेंट जनरल अहमद शरीफ चौधरी ने बलूचिस्तान में विद्रोहियों को मदद के पीछे भारत को मेन स्पॉन्सर बताया। उन्होंने कहा कि जफर एक्सप्रेस पर हालिया हमला इसी नीति की निरंतरता है। डीजी ने बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री सरफराज बुगटी के साथ प्रेस कॉन्फ्रेंस की। पूरी दुनिया में आतंकवाद फैलाने वाले पाकिस्तान ने बलूचिस्तान में आतंकवाद के लिए भारत पर मनगढ़ंत आरोप मढ़े।

आईएसपीआर ने कहा कि बलूचिस्तान में हालिया हमला और अतीत में हुए अन्य आतंकी

घटनाएं को लेकर हम मानते हैं कि इन हमलों का मुख्य प्रायोजक आपका पूर्वी पड़ोसी (भारत) है। इससे पहले पाकिस्तानी विदेश मंत्रालय ने भारत पर इसी तरह के आरोप लगाए थे, जिस पर भारतीय विदेश मंत्रालय ने करारा जवाब दिया था। भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रंधीर जायसवाल ने कहा, 'पाकिस्तान की ओर से लगाए गए आरोप निराधार हैं और हम इन्हें खारिज करते हैं। पूरी दुनिया जानती है कि वैश्विक आतंकवाद का केंद्र कहां है। पाकिस्तान को दूसरों पर उंगली उठाने की जगह अपनी खुद की विफलताओं का आत्मनिरीक्षण करना चाहिए। पाकिस्तान बलूचिस्तान राज्य के लोगों पर अत्याचार करता है। बलूच लोग खुद का एक स्वतंत्र देश बनाना चाहते हैं।

भारतीय मीडिया पर निकाला गुस्सा

आईएसपीआर डीजी ने बताया कि पहाड़ी इलाके में आईईडी विस्फोट के जरिए जाफर एक्सप्रेस को रोका गया। इसके अलावा वह भारतीय मीडिया पर भी भड़कते दिखे। उन्होंने कहा कि भारतीय मीडिया आतंकियों के समर्थन में रही। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि भारतीय मीडिया ने हमले को लेकर दुर्भावनापूर्ण प्रचार करने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के इस्तेमाल से फर्जी वीडियो बनाए। उन्होंने कहा कि स्थिति को बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि आतंकी अफगानिस्तान में अपने हैंडलर्स के संपर्क में थे। बलूचिस्तान के मुख्यमंत्री अपनी जनता की जगह पाकिस्तान का समर्थन करते दिखे। उन्होंने भारत के खिलाफ जहर उगलते हुए कहा कि हम अफगानिस्तान के जरिए इंटेलिजेंस युद्ध में हैं। उन्होंने दावा किया कि आतंकी कमांडरों को अफगान जेलों से रिहा कर दिया गया। उनका यह भी दावा था कि आतंकी समूह जैसे टीटीपी और बीएलए समेत अन्य के बीच विभाजन था, लेकिन भारत ने इन्हें एकजुट कर दिया।

सुनीता विलियम्स वापसी को तैयार, आईएसएस में प्रवेश किया नासा का क्रू-10

वॉशिंगटन। नासा और स्पेसएक्स द्वारा संयुक्त रूप से लॉन्च किया गया क्रू-10 मिशन अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) में प्रवेश कर चुका है। शुक्रवार को स्पेसएक्स ने क्रू-10 मिशन को लॉन्च किया। विलमोर और विलियम्स को आखिरकार घर लौटने की संभावना बढ़ गई। फाल्कन 9 रॉकेट में क्रू ड्रैगन कैप्सूल था। न्यूयॉर्क समय के अनुसार शाम 7 बजे फ्लोरिडा के नासा के केनेडी स्पेस सेंटर से लॉन्च हुआ। लॉन्च के लगभग 10 मिनट बाद कैप्सूल रॉकेट के ऊपरी चरण से अलग हो गया। स्पेसएक्स ने पुष्टि की कि क्रू आईएसएस की ओर बढ़ रहे हैं। अंतरिक्ष में फंसे अमेरिकी अंतरिक्ष यात्री सुनीता विलियम्स और विलमोर को वापस लाने का उद्देश्य से इस मिशन को लॉन्च किया गया है। नासा के कार्यक्रम के अनुसार, भारतीय समयानुसार 16 मार्च को रात 11:30 बजे डॉकिंग का समय निर्धारित है। सुबह 10:30 बजे हैच खोला जाएगा। स्पेसफ्लाइट में रेंडेवस का मतलब होता है दो अंतरिक्ष यानों का एक कक्षा में सटीक नेविगेशन के माध्यम से मिलना। डॉकिंग तब होती है जब वे शारीरिक रूप से एक-दूसरे से जुड़ते हैं। क्रू-10 मिशन में डॉकिंग तब होती है जब क्रू ड्रैगन स्पेसक्राफ्ट आईएसएस से जुड़ता है। यह स्वचालित या मैन्युअल रूप से हो सकता है। एक बार सुरक्षित डॉक हो जाने के बाद अंतरिक्ष यात्री हवा की लीक की जांच करते हैं। फिर हैच खोलते हैं।

रूस सुमी क्षेत्र पर हमले की बना रहा योजना, यूक्रेन भी पूरी ताकत से देगा जवाब: जेलेंस्की

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की ने दावा किया है कि यूक्रेनी सैनिक अब भी रूस के कुर्स्क क्षेत्र में रूसी और उत्तर कोरियाई सेनाओं से मुकाबला करर रहे हैं। हालांकि, उन्होंने यह भी कहा कि रूस सुमी क्षेत्र पर हमले की योजना बना रहा है। सोशल मीडिया पर जारी बयान में जेलेंस्की ने कहा कि कीव के सैनिक कुर्स्क में घिरे नहीं हैं, लेकिन रुस एक अलग हमले के लिए अपनी सेना इकट्ठा कर रहा है। उन्होंने कहा कि रूस की सुमी क्षेत्र पर हमला करने की योजना है। हमें इसकी जानकारी है और हम पूरी ताकत से इस हमले का मुकाबला करेंगे।

मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक हजारों यूक्रेनी सैनिकों ने 2024, अगस्त में रूस के कुर्स्क क्षेत्र के करीब 1300 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र पर कब्जा कर रखा था। इस दौरान यूक्रेन ने कहा था कि यह कदम भविष्य की वार्ताओं में मोलभाव करने और रूस को पूर्वी यूक्रेन से पीछे हटने के लिए मजबूर करने का प्रयास था। हालांकि हाल के दिनों में रूसी सेना को इस इलाके में अहम सफलता मिली है। रूसी

सेना के मुताबिक हालिया तेज बढ़त के कारण अब यूक्रेन के पास कुर्स्क में 200 वर्ग किलोमीटर से भी कम क्षेत्र बचा है। मॉस्को ने दावा किया है कि उसने इस क्षेत्र के अहम शहर सुदजा पर कब्जा कर लिया है।

जेलेंस्की ने कहा कि मैं चाहता हूं कि सभी हमारे साझेदार यह समझें कि पुतिन क्या योजना बना रहे हैं, वे किसके लिए तैयारी कर रहे हैं और वे किस बात को नजरअंदाज करेंगे। रुसी राष्ट्रपति पुतिन ने गुरुवार को कहा था कि वह यूक्रेन के साथ 30 दिन के युद्धविराम के ट्रंप के प्रस्ताव का समर्थन करते हैं। हालांकि उन्होंने कुछ मुद्दों पर स्पष्टीकरण की मांग की थी और कुछ शर्तें भी रखीं थी। शनिवार को ब्रिटिश पीएम कीर स्टारमर ने करीब 25 यूरोपीय नेताओं और अन्य सहयोगियों की बैठक में कहा था कि युद्धविराम को स्वीकार करने के लिए पुतिन पर दबाव बढ़ाने की जरूरत है।

जेलेंस्की ने कहा कि रूसी सेना की तैयारियां यह दर्शाती हैं कि मॉस्को कूटनीति को नजरअंदाज करना जारी रखना चाहता है। यह साफ है कि रूस युद्ध को लंबा खींच रहा है। अपने बयान में जेलेंस्की ने कहा कि रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण पूर्वी यूक्रेनी शहर पोक्रोवस्क के पास युद्ध की स्थिति अब स्थिर है और यूक्रेन ने जंग में अपनी नई घरेलू रूप से निर्मित लंबी दूरी की मिसाइल का इस्तेमाल किया है। कीव अपने घरेलू रक्षा उद्योग का विस्तार करने की योजना बना रहा है ताकि पश्चिमी सहयोगियों पर निर्भरता कम की जा सके जिन्होंने उसे तोपखाने, वायु रक्षा और लंबी दूरी की हमले की क्षमताएं प्रदान की हैं। जेलेंस्की के मुताबिक यूक्रेन की नई लॉन्ग नेप्च्यून मिसाइल की मारक क्षमता 1000 किलोमीटर है।

ईरानी लीडर खामेनेई ने ट्रंप की बातचीत की पेशकश को बताया धोखाधड़ी

-कहा- हमें पता है वे इसका सम्मान नहीं करेंगे, तो बातचीत का क्या मतलब?

तेहरान (एजेंसी)। ईरान के सुप्रीम लीडर आयतुल्ला अली खामेनेई ने अमेरिका के साथ न्यूक्लियर डील पर किसी भी तरह की बातचतीत से इनकार कर दिया है। राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा भेजे गए पत्र के जवाब में खामेनेई ने बातचीत करने से इनकार कर दिया है। ट्रंप ने पिछले सप्ताह ऐलान किया था कि उन्होंने खामेनेई को एक पत्र भेजकर न्यूक्लियर डील का प्रस्ताव दिया है।

ट्रंप ने कहा था कि ईरान को या तो सैन्य बल से या फिर एक समझौते के जरिए से ही संभाला जा सकता है। यह पत्र बुधवार को ईरानी विदेश मंत्री अब्बास अराकची को संयुक्त अरब अमीरात के राष्ट्रपति के सलाहकार ने सौंपा था। खामेनेई ने कुछ विश्वविद्यालय के छात्रों से बातचीत करते हुए ट्रंप की बातचीत की पेशकश को धोखाधड़ी करार दिया है।

मीडिया के मुताबिक खामेनेई ने कहा कि जब हमें पता है कि वे इसका सम्मान नहीं करेंगे, तो बातचीत करने का क्या मतलब है? खामेनेई ने कहा कि ट्रंप प्रशासन से बातचीत करने का मतलब होगा ईरान पर लगाए गए प्रतिबंधों को और सख्त करना और देश पर दबाव बढ़ाना। बता दें 2018 में ट्रंप ने विश्व शक्तियों के साथ तेहरान के 2015 के परमाणु समझौते से अमेरिका को वापस ले लिया था और प्रतिबंधों को फिर से लागू कर दिया था, जिससे ईरान की अर्थव्यवस्था पर गहरा प्रभाव पड़ा। खामेनेई ने साफ कर दिया है कि ईरान किसी भी तरह की धमकी के तहत बातचीत नहीं करेगा।

डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि उन्होंने तेहरान के साथ एक परमाणु समझौते के लिए दरवाजा खुला रखा है, उन्होंने अपने राष्ट्रपति पद के पहले कार्यकाल में अपनाए गए प्रेशर कैंपेन को फिर से शुरू कर दिया है, जिसका उद्देश्य ईरान को वैश्विक अर्थव्यवस्था से अलग करना और इसके तेल निर्यात पर लगाम लगाए रखना है, ताकि तेल मार्केट में उसके मीडिल ईस्ट पार्टर और खुद का दबदबा कायम रहे।

डोनाल्ड ट्रंप को झटका, अदालत ने अवैध अप्रवासन पर रोक लगाई

वॉशिंगटन (एजेंसी)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को अमेरिकी कोर्ट से झटका लगा है। कोर्ट ने ट्रंप प्रशासन की तरफ से अवैध अप्रवासन को रोकने और निर्वासन में तेजी लाने की योजना के तहत 1798 के विदेशी शत्रु अधिनियम का इस्तेमाल करने पर रोक लगा दी है। कोर्ट का यह फैसला ऐसे समय में आया है, जब शनिवार को ही ट्रंप ने इस अधिनियम का इस्तेमाल करने की घोषणा करते हुए वेनेजुएला के एक संगठन ट्रेन डे अरागुआ पर निशाना साधा था। ट्रंप ने दावा किया था कि इस संगठन के कई सदस्य अवैध रूप से संयुक्त राज्य अमेरिका में आ गए हैं और यह देश के खिलाफ साजिश कर रहे हैं। इसलिए इन्हें निकालना जरूरी है।

शनिवार को राष्ट्रपति ट्रंप के इस मामले में घोषणा करने के कुछ ही समय बाद कोलंबिया के मुख्य न्यायाधीश जेम्स ई बोसबर्ग ने ट्रंप के निर्वासन आदेश को रोकने का निर्देश जारी कर दिया। बोसबर्ग ने इस कानून के तहत 5 वेनेजुएलाई नागरिकों के निर्वासन पर रोक लगा दी। एपी की रिपोर्ट के मुताबिक बोसबर्ग ने इन नागरिकों की सुनवाई के दौरान अपनी राय रखते हुए कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं अब और इंतजार कर सकता हूँ और मुझे कार्रवाई करने की आवश्यकता है। इसके बाद जज ने इन्हें न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

अदालत के आदेश के बाद ट्रंप प्रशासन ने इस प्रतिबंधात्मक आदेश को चुनौती दी। उन्होंने तर्क दिया कि अगर अदालत राष्ट्रपति के किसी काम को उसकी घोषणा के पहले ही रोक देती है तो यह कार्यकारी अधिकार को कमजोर करेगा। न्याय विभाग ने कहा कि अगर अदालत अपना आदेश बरकरार रखती है तो उसे (अदालत को) राष्ट्रीय सुरक्षा जैसे मुद्दों पर किए गए उपायों को रोकने की शक्ति भी मिल जाएगी। इसलिए हमें इसे रोक देना चाहिए। वहीं हाल ही में इजरायल विरोधी प्रदर्शनों का नेतृत्व करने वाले फिलिस्तीनी छात्र महमूद खलील को निर्वासित करने के प्रयास वाले फैसले पर भी कोर्ट विचार कर रहा है। बता दें कि ट्रंप अपने चुनावी अभियान के दौरान लगातार अवैध अप्रवासियों से जुड़ा मुद्दा उठाते रहे हैं। वह लगातार अमेरिकी सीमाओं को सुरक्षित करने और अवैध रूप से देश में पहुंचे विदेशी नागरिकों को बाहर निकालने के लिए अपनी प्रतिबद्धता जताते रहे हैं। कोर्ट के इस फैसले के बाद ट्रंप प्रशासन की घोषणाओं को और भी अधिक कानूनी चुनौती का सामना करने की संभावना बढ़ गई है। ट्रंप द्वारा निर्वासन के लिए पहले की गई कई कार्रवाईयों पर पहले ही अमेरिकी अदालतें विचार कर रही हैं। ऐसे में एक और विरोधी फैसला ट्रंप प्रशासन के लिए मुश्किलें बढ़ाने वाला है। निर्वासन को लेकर ट्रंप प्रशासन ने इससे पहले जन्म के आधार पर नागरिकता वाले कानून पर रोक लगाने का आदेश जारी किया था, कोर्ट की तरफ से इस पर विचार किया जा रहा है।

बीएलए हमले के बाद अब पाकिस्तान को दहलाने टीटीपी चलाएगा अल खंदाक अभियान

-आधुनिक हथियारों से लैस प्रशिक्षित लड़ाकों को किया तैनात

इस्लामाबार्द (एजेंसी)। बलूचिस्तान में बलूच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) भीषण हमले के बाद अब देश के सबसे ताकतवर चरमपंथी समूह तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) ने पाकिस्तानी सुरक्षा बलों के खिलाफ आक्रामक अभियान चलाने की घोषणा की है। टीटीपी ने इस अभियान का नाम अल-खंदाक रखा है। मीडिया रिपोर्ट में टीटीपी के बयान के मुताबिक अभियान में आधुनिक हथियारों से लैस, प्रशिक्षित लड़ाकों को लक्षित हमलों, गुरिल्ला छापे, आत्मघाती और स्नाइपर हमलों को अंजाम देने के लिए तैनात किया जाएगा।

पाकिस्तान में विद्रोही समूहों की धमक पंजाब अब पंजाब में दिखाई देने लगी है। पाकिस्तानी सुरक्षाबलों ने पंजाब प्रांत में टीटीपी के एक हमलावर को गिरफ्तार किया है और एक अन्य को घायल कर दिया। गिरफ्तार संदिग्ध को पाकिस्तानी तालिबान का सदस्य और बलूचिस्तान का रहने वाला बताया जा रहा है। वे आत्मघाती हमले की योजना बना रहे थे। एक अधिकारी ने बताया कि गिरफ्तार संदिग्ध के दूसरे साथी को पकड़ा नहीं जा सका वह फरार हो गया।

मीडिया रिपोर्ट में टीटीपी से जुड़े चैनलों के हवाले से पुष्टि की है कि आत्मघाती हमलावर समूह का सदस्य था। समूह ने कहा कि उसे एक असफल हमले में गिरफ्तार किया गया। उसने विस्फोट करने की कोशिश की, लेकिन असफल रहा। समूह ने यह भी दावा किया कि उनका एक अन्य आत्मघाती हमलावर भागने में सफल रहा। पाकिस्तान के आतंकवाद रोधी विभाग के एक अधिकारी ने बताया कि उन्हें आतंकियों की मौजूदगी की खुफिया रिपोर्ट मिली थी, जिसके बाद छापेमारी की गई।

संदिग्धों और सुरक्षा एजेंसियों के बीच मुठभेड़ हुए, जिसमें एक आतंकी घायल अवस्था में गिरफ्तार किया गया। काउंटर टेररिज्म विभाग के प्रवक्ता ने पुष्टि की कि पकड़ा गया सदस्य टीटीपी का सदस्य है। उसके पास से आत्मघाती जैकेट और विस्फोटक सामग्री बरामद हुई है।

तूफानी बवंडर से हिल गया अमेरिका, 27 की मौत, 10 करोड़ लोगों पर संकट

वाशिंगटन(एजेंसी)। अमेरिका में एक भयानक तूफान देखने को मिला है, जिसने भारी तबाही मचाई है। अमेरिका के कुछ हिस्सों में हिंसक बवंडर का खतरा जानलेवा और विनाशकारी साबित हुआ। शनिवार को मिसिसिपी वैली और डीप साउथ की ओर तेज हवाएं बढ़ीं, जिसमें कम से कम 27 लोगों की मौत हो गई और कई घर तबाह हो गए। मिसौरी, अर्कांसस, टेक्सास और ओक्लाहोमा सबसे बुरी तरह प्रभावित राज्य हैं।

देश भर में चल रहे एक विशाल तूफान प्रणाली के कारण हवाएं पैदा हुईं, जिसने घातक धूल भरी आंधी और 100 से अधिक जंगल की आग को भड़काया। कनाडाई सीमा से टेक्सास तक 80 मील प्रति घंटे (130 किमी प्रति घंटे) तक की हवाएं चलने की संभावना है, जो ठंडे उत्तरी क्षेत्रों में बर्फीले मौसम और गर्म, शुष्क क्षेत्रों में जंगल की आग के खतरे को बढ़ा सकती हैं। पूरे देश में 10 करोड़ लोगों पर इसका असर पड़ सकता है। ओक्लाहोमा में 130 से ज्यादा आग की घटनाएं दर्ज की गईं, जिस कारण कुछ इलाकों को खाली करने का आदेश दिया गया। ओक्लाहोमा में आग के कारण लगभग 300 घर क्षतिग्रस्त या नष्ट हो गए हैं। गवर्नर केविन स्टिट ने शनिवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि उनके राज्य में अब तक लगभग 69 हेक्टेयर इलाका जल चुका है। स्टेट हाईवे पेट्रोल ने कहा कि हवाएं इतनी तेज थीं कि उन्होंने कई ट्रैक्टर-ट्रेलरों को पलट दिया। एक्सपर्ट्स का कहना है कि मार्च में ऐसे मौसम के चरम देखना असामान्य नहीं है।

अधिकारियों ने बताया कि शनिवार सुबह तक सबसे ज्यादा मौतें मिसौरी में हुईं, जहां रातभर बवंडर ने कहर बरपाया और कम से कम 12 लोगों की जान ले ली। मिसौरी स्टेट हाईवे पेट्रोल ने यह भी बताया कि कई लोग घायल हुए हैं। मरने वालों में एक व्यक्ति शामिल था, जिसका घर बवंडर से तबाह हो गया। बटलर काउंटी के कोरोनर जिम एकर्स ने कहा कि यह घर जैसा नहीं लग रहा था। बस मलबे का ढेर था। फर्श उल्टा था। एकर्स ने बताया कि बचावकर्मियों ने घर में एक महिला को बचा लिया। अर्कांसस के अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि इंडिपेंडेंस काउंटी में तीन लोगों की मौत हो गई। रातभर तूफान राज्य से गुजरा, जिससे आठ काउंटियों में 29 अन्य घायल हो गए। अर्कांसस की गवर्नर सारा हकाबी सैंडर्स ने एक्स पर कहा कि हमारी टीमें कल रात को बवंडर के कारण नुकसान का सर्वे कर रही हैं। हमारे आपदा कोष से ढाई लाख डॉलर जारी किए गए हैं, ताकि प्रभावित लोगों की मदद की जा सके। शुक्रवार को, अधिकारियों ने बताया कि टेक्सास पैनहैंडल के अमरिलो में धूल भरी आंधी के दौरान कार दुर्घटनाओं में तीन लोगों की मौत हो गई।

स्वामी,मुद्रक व् प्रकाशक: सुरेश मौर्या द्वारा अष्ठ विनायक ओफ़्सेट एफपी,149 प्लोट 26 खोडीयारनगर,सिद्धिविनायक मंदीर के पास ,भाटेना) हो.सो अंजना सुरत गुजरात से मुद्रित एवं 191 महादेव नगर उधना सुरत गुजरात से प्रकाशित संपादक : सुरेश मौया (M) 9879141480 RNI No.:GUJHIN/2018/75100 (Subject to Surat jurisdiction)

Web site : www.krantisamay.com & epaper.krantisamay.com www.facebook.com/krantisamay1 www.twitter.com/krantisamay1

सूचना आयोगों द्वारा एक्टिविस्ट को ब्लेकलिस्ट करने संबंधी आदेशों पर चर्चा

बैठक में आरटीआई आवेदकों को काली सूची में डालने और विशेष रूप से कर्नाटक में जुर्माना लगाने की विवादास्पद प्रथा पर ध्यान केंद्रित किया गया, जिसने पारदर्शिता, जवाबदेही और सत्ता के संभावित दुरुपयोग के बारे में चिंता जताई। प्रतिभागियों ने ब्लैकलिस्टिंग के लिए कानूनी चुनौतियों, सरकारी कार्रवाई, सरकारी परियोजनाओं में पारदर्शिता में सुधार और कानून के दुरुपयोग को रोकने के लिए आरटीआई कार्यकर्ताओं के बीच आत्मसंयम की आवश्यकता सहित इन मुद्दों के समाधान के लिए रणनीतियों का भी पता लगाया।

* आरटीआई कार्यकर्ता/संगठन: सामूहिक याचिका दायर करके सुप्रीम कोर्ट में कर्नाटक सूचना आयोग के ब्लैकलिस्टिंग आदेशों को चुनौती दें
* लोक प्राधिकारी: अपनी वेबसाइटों, विशेष रूप से ग्राम पंचायतों के लिए कार्य से संबंधित जानकारी प्रकाशित करके धारा 4 प्रकटीकरण लागू करें
* सूचना आयुक्त: समीक्षा करें कि क्या अनुरोधित जानकारी अपीलों पर निर्णय लेने से पहले धारा 4 अनिवार्य प्रकटीकरण के तहत आती है
* कर्नाटक सूचना आयोग द्वारा देशभर में आरटीआई कार्यकर्ताओं के लिए खतरनाक मिसाल स्थापित करने से रोकने के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है।
* कर्नाटक आरटीआई कार्यकर्ता 65,000 लंबित मामलों, विशेष रूप से गुलबर्गा पीठ के लिए सूचना आयुक्तों की नियुक्ति के लिए याचिका दायर करें
* शिवानंद: मामले की जनहित प्रकृति के कारण कम शुल्क पर आरटीआई ब्लैकलिस्ट करने के संबंध में डीएम के मामले का प्रतिनिधित्व करने के बारे में अधिवक्ता प्रवीण पटेल से चर्चा करें
* सार्वजनिक अधिकारियों द्वारा धारा 4 का अनुपालन न करने के सबूत इकट्ठा करके संभावित ब्लैकलिस्टिंग के खिलाफ कानूनी बचाव तैयार करें: रमेश बाबू
* कर्नाटक आरटीआई कार्यकर्ता गुजरात उच्च न्यायालय के आदेशों को काली सूची में डालने के लिए एक मिसाल के रूप में एकत्र करें और दस्तावेज करें
* वीरेश: बिना अतिरिक्त शुल्क लगाए आरटीआई अपीलों के लंबित मामलों को कम करने के संबंध में कर्नाटक सूचना आयोग को प्रस्ताव प्रस्तुत करें
* सूचना आयुक्त: 45 दिनों के भीतर दूसरी अपीलों का निपटान करने के कर्नाटक उच्च न्यायालय के निर्देश को लागू करें
* आत्मदीप: उचित आदेश लेखन और आरटीआई अधिनियम के कार्यान्वयन पर प्रशिक्षण प्रदान करने के लिए वर्तमान सूचना आयुक्तों तक पहुंचें
* भारत: पहली अपील आदेश सहित गुजरात सूचना आयोग को दूसरी अपील के लिए पूर्ण दस्तावेज फिर से भेजें, और आयोग कार्यालय में व्यक्तिगत रूप से अनुवर्ती कार्रवाई करें
* डीएम: सुप्रीम कोर्ट मामले के लिए कर्नाटक बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में आरटीआई के माध्यम से खोजे गए भ्रष्टाचार के मामलों के दस्तावेजी सबूत
* शिवानंद : सूचना आयुक्तों से लागत वसूली के संबंध में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के प्रासंगिक आदेशों को कानूनी टीम के साथ साझा करें
* डीएम: कई आरटीआई आवेदनों की फाइलिंग कम करें और केवल महत्वपूर्ण मामलों पर ध्यान केंद्रित करें
* शिवानंद: समीक्षा और चर्चा के लिए समूह के साथ ओंकारनाथ से नमूना आदेश साझा करें

कर्नाटक ने आरटीआई आवेदकों को ब्लैकलिस्ट किया

वीरेश कर्नाटक में आरटीआई आवेदकों को ब्लैकलिस्ट करने के मुद्दे पर चर्चा करते हैं। वह बताते हैं कि कर्नाटक सूचना आयोग ने हाल ही में लगभग 30 नागरिकों को काली सूची में डाल दिया है जिन्होंने कई आरटीआई आवेदन और दूसरी अपील दायर की है, जिसमें प्रति अपील 2,000 रुपये का जुर्माना लगाया गया है। यह प्रथा एक दशक पहले शुरू हुई थी जब एक नए मुख्य आयुक्त ने कई आवेदन दायर करने के लिए चार वकीलों को ब्लैकलिस्ट किया था। वीरेश नागरिकों को ब्लैकलिस्ट करने और जुर्माना लगाने की वैधता पर सवाल उठाते हैं, क्योंकि आरटीआई अधिनियम में इसके लिए कोई प्रावधान नहीं है। वह इस बारे में भी चिंता उठाते हैं कि क्या एक आयुक्त का ब्लैकलिस्ट करने का आदेश दूसरों पर बाध्यकारी है। वीरेश ने आरटीआई आवेदनों की अधिक संख्या का श्रेय सरकार द्वारा सूचनाओं, विशेष रूप से ग्राम पंचायत कार्यों के बारे में, कानून द्वारा अनिवार्य रूप से खुलासा करने में विफलता को दिया।

आरटीआई अधिनियम में ब्लैकलिस्टिंग और दंड

बैठक में काली सूची में डालने और सूचना आयोग द्वारा लगाए गए जुर्माने के मुद्दे पर चर्चा करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। वीरेश ने पारदर्शिता की कमी और सत्ता के दुरुपयोग की संभावना पर चिंता जताई। शिवानंद ने कर्नाटक की स्थिति को समझाया, जहां सूचना आयोग ने व्यक्तियों को ब्लैकलिस्ट किया था और जुर्माना लगाया था, जिसे बाद में उच्च न्यायालय में चुनौती दी गई थी। बैठक में इन फैसलों को चुनौती देने के लिए सुप्रीम कोर्ट जाने की संभावना पर भी चर्चा की गई। देवेंद्र ने सुझाव दिया कि सरकार को अपने कार्यों को वापस लेना चाहिए न कि नागरिकों को काली सूची में डालना चाहिए। समूह ने आरटीआई अधिनियम के पीछे के इरादों को समझने के महत्व और इसे समाप्त करने की क्षमता पर भी चर्चा की। बातचीत आरटीआई अधिनियम के उचित प्रशिक्षण और कार्यान्वयन की आवश्यकता पर चर्चा के साथ समाप्त हुई।

आरटीआई ब्लैकलिस्टिंग और कानूनी चुनौतियां

बैठक में आरटीआई (सूचना का अधिकार) आवेदकों को ब्लैकलिस्ट करने के बारे में चिंताओं पर चर्चा की गई। प्रभावित व्यक्तियों में से एक रमेश बताते हैं कि वह संभावित ब्लैकलिस्टिंग को चुनौती देने की तैयारी कर रहे हैं। अन्य प्रतिभागियों ने मामले को उच्चतम न्यायालय में ले जाने का सुझाव दिया, हालांकि रमेश सीमित संसाधनों के कारण संकोच व्यक्त करते हैं। समूह ऐसे मामलों का समर्थन करने के लिए पारदर्शिता संगठनों की आवश्यकता पर चर्चा करता है। प्रतिभागियों ने आरटीआई आवेदनों के दुरुपयोग और दुरुपयोग को रोकने के लिए दिशानिर्देशों की आवश्यकता के बारे में भी चिंता जताई। फ्रांसिस ने सुझाव दिया कि सभी प्रभावित पक्षों को इस मुद्दे को संबोधित करते हुए सुप्रीम कोर्ट के मौजूदा मामले में संयुक्त आवेदन दायर करना चाहिए, क्योंकि आरटीआई अधिनियम में ही ब्लैकलिस्टिंग का प्रावधान नहीं है।

आरटीआई आवेदकों को ब्लैकलिस्ट करना: कानूनी दुरुपयोग

चर्चा गुजरात में आरटीआई आवेदकों को ब्लैकलिस्ट करने की विवादास्पद प्रथा पर केंद्रित है। भास्कर बताते हैं कि सूचना का अधिकार अधिनियम में ब्लैकलिस्ट करने का कोई प्रावधान नहीं है, और तर्क देते हैं कि सूचना आयुक्तों के पास आवेदकों को ब्लैकलिस्ट करने की शक्ति नहीं है। उन्होंने सुझाव दिया कि सार्वजनिक प्राधिकरणों को आवेदन की आवश्यकता को कम करने के लिए आरटीआई अधिनियम की धारा 4 के तहत जानकारी का खुलासा करने पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। वीरेश ने पुष्टि की है कि न तो गुजरात सूचना आयोग और न ही उच्च न्यायालय ने अपने फैसलों में स्पष्ट रूप से ब्लैकलिस्ट करने का आदेश दिया है। प्रतिभागी इस बात से सहमत हैं कि आरटीआई आवेदकों को ब्लैकलिस्ट करना कानूनी रूप से समर्थित नहीं है और यह अधिकारियों द्वारा सत्ता के दुरुपयोग का प्रतिनिधित्व करता है।

आरटीआई अधिनियम में पारदर्शिता और जवाबदेही

बैठक में भास्कर ने सूचना के मौलिक अधिकार के महत्व और इसे प्राप्त करने में उचित सहायता की आवश्यकता पर चर्चा की। शिवानंद ने आरटीआई अधिनियम के कार्यान्वयन में पारदर्शिता और जवाबदेही की आवश्यकता पर जोर दिया, और राज ने अधिनियम का दुरुपयोग करने वाले अधिकारियों के खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई की आवश्यकता पर प्रकाश डाला। दीपक ने कर्नाटक में ब्लैकलिस्टिंग की बढ़ती प्रवृत्ति के बारे में अपनी चिंताओं को साझा किया। टीम ने आरटीआई अधिनियम के उचित कामकाज को सुनिश्चित करने के लिए अधिक पारदर्शी और जवाबदेह प्रणाली की आवश्यकता पर सहमति व्यक्त की।

ग्राम पंचायतों में आरटीआई के खतरे

बैठक में ग्राम पंचायतों में आरटीआई के लिए आवेदन करने के खतरों पर चर्चा की गई, जिसमें वीरेश ने कार्यकर्ताओं को ब्लैकलिस्ट करने की प्रवृत्ति और परिणामी हिंसा पर प्रकाश डाला। भास्कर ने इसके बजाय मुख्यमंत्री कार्यालय में आवेदन करने का सुझाव दिया, जिस पर सहमति बनी। कर्नाटक के डीएम ने कई आरटीआई मामलों से निपटने के अपने अनुभव को साझा किया, जिसमें पारदर्शिता और सूचना तक पहुंचने के अधिकार के महत्व पर जोर दिया गया। टीम ने व्यवस्थित कार्य की आवश्यकता और जागरूक नागरिक होने के महत्व पर सहमति व्यक्त की।

कर्नाटक में आरटीआई प्रक्रिया के मुद्दे

चर्चा कर्नाटक में सूचना के अधिकार (आरटीआई) प्रक्रिया के मुद्दों के इर्द-गिर्द घूमती है। डीएम ने विभिन्न आयोगों और अदालतों में लंबित मामलों सहित आरटीआई आवेदनों के माध्यम से जानकारी प्राप्त करने में देरी और बाधाओं का सामना करने के अपने अनुभव को साझा किया। शिवानंद ने चिंता व्यक्त की कि ये मुद्दे न केवल व्यक्तियों के खिलाफ हैं, बल्कि पूरे आरटीआई समुदाय को प्रभावित करते हैं। कर्नाटक के दीपक एक स्थानीय बिजली योजना के बारे में जानकारी प्राप्त करने में अपनी चुनौतियों का वर्णन करते हैं, जिसमें आरटीआई अनुरोधों को कैसे संभाला जाता है, इसमें विसंगतियों को उजागर किया जाता है। बातचीत में आरटीआई अधिनियम के कार्यान्वयन में प्रणालीगत समस्याओं और कुछ व्यक्तियों द्वारा प्रक्रिया के संभावित दुरुपयोग का सुझाव दिया गया है।

आरटीआई अपील और कानूनी कार्रवाई

समूह आरटीआई अपील दायर करने की चुनौतियों और आरटीआई आवेदकों को ब्लैकलिस्ट करने के खिलाफ कानूनी कार्रवाई की आवश्यकता पर चर्चा करता है। डीएम उच्च न्यायालय के एक मामले के साथ अपने अनुभव साझा करते हैं और भविष्य में ब्लैकलिस्टिंग को रोकने के लिए एक जनहित याचिका दायर करने के लिए एक कुशल सुप्रीम कोर्ट वकील की आवश्यकता व्यक्त करते हैं। शिवानंद डीएम को अनुभवी वकीलों से जोड़ने की पेशकश करते हैं जो आरटीआई मामलों में विशेषज्ञ हैं। प्रतिभागी एक ऐसे वकील को खोजने के महत्व पर जोर देते हैं जो आरटीआई कानून को समझता है और आरटीआई अधिनियम की अखंडता की रक्षा के लिए उच्चतम न्यायालय में प्रभावी रूप से बहस कर सकता है।

आरटीआई अधिनियम चुनौतियां और भ्रष्टाचार

चर्चा सूचना का अधिकार (आरटीआई) अधिनियम के कार्यान्वयन और सरकारी परियोजनाओं में भ्रष्टाचार के मुद्दों पर केंद्रित है। डीएम ने कृषि, सड़क निर्माण और जल प्रबंधन सहित विभिन्न परियोजनाओं में संभावित घोटालों को उजागर करने के लिए आरटीआई आवेदन दाखिल करने के अपने अनुभव साझा किए। शिवानंद और डीएम ने आरटीआई कार्यकर्ताओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर चर्चा की, जिसमें ब्लैकलिस्ट करने के प्रयास और अयोग्य सूचना आयुक्तों की नियुक्ति शामिल है। वे जल जीवन मिशन और सिंचाई परियोजनाओं में भ्रष्टाचार को भी उजागर करते हैं, जिसमें शिवानंद अपने जिले से उदाहरण देते हैं।

आरटीआई अधिनियम चुनौतियां और दुरुपयोग

बैठक में, डीएम ने सरकार द्वारा कुछ मामलों को संभालने के बारे में चिंता व्यक्त की, जिस पर वीरेश ने आरटीआई अधिनियम की धारा 4 के बेहतर कार्यान्वयन की आवश्यकता के बारे में जवाब दिया। कर्नाटक सूचना आयोग में लंबित मामलों के बारे में भी चर्चा हुई, जिसमें वीरेश ने इस बात पर प्रकाश डाला कि 75त्न लंबित मामलों में से केवल 30 लोगों का था। ब्लैकलिस्टिंग का मुद्दा भी उठाया गया, वीरेश ने सुझाव दिया कि बड़ी संख्या में अपील दायर करने में संयम होना चाहिए। टीम ने सूचना आयोग से निपटने और अपील दायर करने में आत्मसंयम की आवश्यकता सहित आरटीआई के क्षेत्र में कार्यकर्ताओं के सामने आने वाली चुनौतियों पर भी चर्चा की। बातचीत का समापन जनहित के लिए आरटीआई अधिनियम का उपयोग करने के महत्व और कानून के दुरुपयोग से बचने की आवश्यकता पर चर्चा के साथ हुआ।